राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा, हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

पर्यावरण अध्ययन

FREE

पर्यावरण अध्ययन

कक्षा - IV

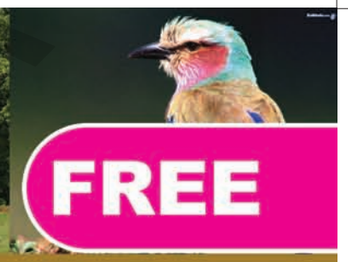

Environmental Studies
Class IV
(Hindi Medium)

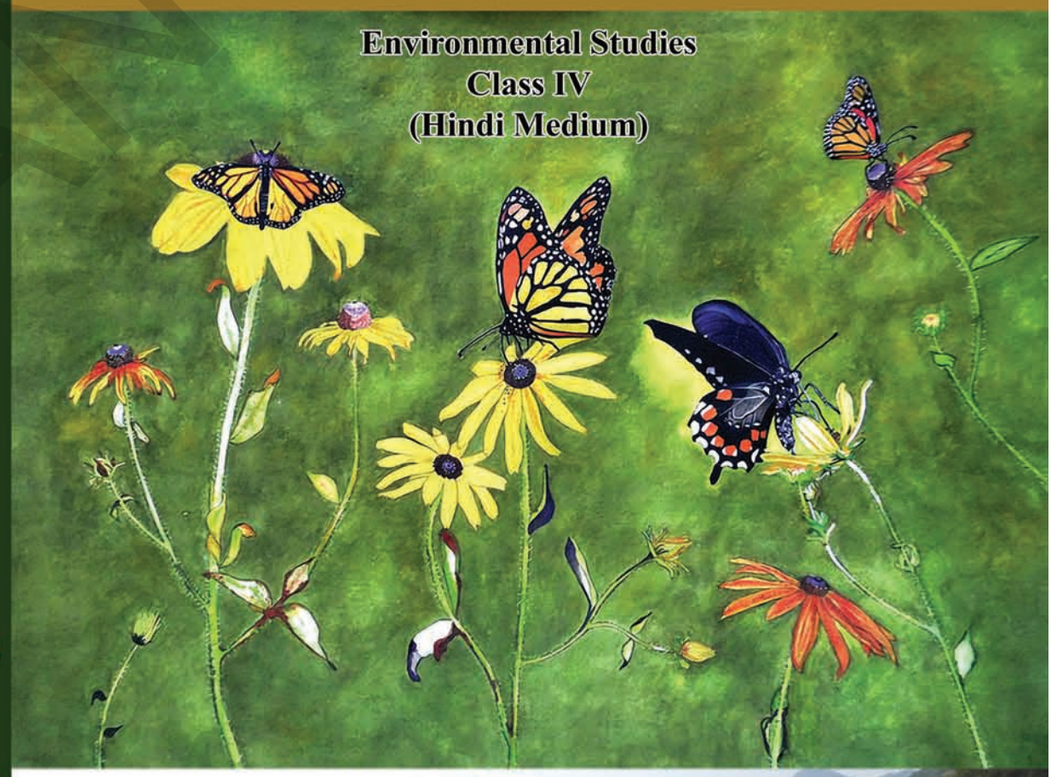

तेलंगाणा सरकार द्वारा प्रकाशित,
हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SCERT TELANGANA

सीखने की संप्राप्तियाँ (LEARNING OUTCOMES)

पर्यावरण विज्ञान (EVS)

कक्षा - चार (Class-IV)

बच्चे--

- ✧ अपने आसपास की सामान्य विशेषताओं जैसे (आकार रंग, गंध, जहाँ उगाए जाते हैं/या भिन्न हैं) जैसे - फूल, जड़, फल, पक्षी तथा जानवर (चोंच/दांत, पंजे, कान, बाल, घोंसले/आवास इत्यादि की पहचान करते हैं।)
- ✧ विस्तृत परिवार में, अपने परिवार के सदस्य एवं अन्य सदस्यों के साथ अपने संबंध की पहचान करते हैं।
- ✧ जीव-जंतुओं (जैसे- चींटियाँ, मधुमक्खियाँ, हाथी) के झुंड/समूह में उनके व्यवहार का और पक्षियों के (घोंसला निर्माण) का विवरण तथा परिवारिक परिवर्तन (जैसे जन्म, विवाह, स्थानांतरण आदि के कारण) का विवरण करते हैं।
- ✧ अपने दैनिक जीवन में बड़ों द्वारा विरासत में प्राप्त विभिन्न कौशलात्मक कार्यों (कृषि, निर्माण कार्य, कला/शिल्प आदि) और प्रशिक्षण संस्थाओं की भूमिका का वर्णन करते हैं।
- ✧ दैनिक घरेलू ज़रूरतों के उत्पादन एवं खरीदारी की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।
- ✧ भूत तथा वर्तमान काल की वस्तुओं एवं गति विधियों (जैसे-यातायात, मुद्रा, मकान, सामग्री, उपकरण, कौशल आदि) में अंतर करते हैं।
- ✧ स्थानिक मात्रा (लंबाई/भार) के मानक/स्थानीय इकाइयों (किलो, गज़, पाव आदि) का (घटना के गुण, स्थिति) का अनुमान लगाते हैं और आकलन करते हैं।
- ✧ चिह्नों, स्थानों/वस्तुओं की स्थिति की पहचान करते हैं, मानचित्र के प्रयोग के द्वारा विद्यालय/आस-पड़ोस के स्थान से संबंधित दिशाओं का मार्गदर्शन करते हैं।
- ✧ साइनबोर्ड, पोस्टर, मुद्रा (नोट/सिक्के), रेलवे टिकट, समय सारणी की जानकारी का प्रयोग करते हैं।
- ✧ स्थानिक/जल पदार्थों के प्रयोग से कोलाज, डिज़ाइन, मॉडल, रंगोली, पोस्टर अलबम और सरल मानचित्र बनाते हैं।
- ✧ परिवार/विद्यालय/आस-पड़ोस (जैसे रूढिवादिता, भेद-भावों, बाल अधिकारों) में देखे गए या अनुभव किए गए मुद्दों पर अपनी राय देते हैं, आवाज़ उठाते हैं।
- ✧ स्वच्छता, घटाव, पुनःउपयोग, पुनःचक्र, विभिन्न प्राणियों और संसाधनों (भोजन, जल और सार्वजनिक संपत्ति) की देखरेख के तरीके सुझाते हैं।

हम - हमारा पर्यावरण - हमारा स्वास्थ्य

- आइए हम सभी अपने पसंद के दिन एक-एक पेड़ लगायें और इसका संरक्षण करें।
- इसका संरक्षण करने के लिए इसके चारों और घेरा बनाएँ।
- इसे रोज पानी दें। इसके आसपास उगने वाले खर-पतवार साफ करते रहें। ऐसा सप्ताह में एक बार अवश्य करें। पौधे की लंबाई का निरीक्षण करते रहें जिससे पता चले कि उसका विकास हो रहा है या नहीं। इसकी एक तालिका बनायें।
- एक वर्ष के बाद इसका जन्मदिन मनायें।
- अपने घर, मुहल्ले व गाँव वालों को प्लास्टिक थैलियों का उपयोग कम से कम करने को कहें।
- प्लास्टिक के स्थान पर धातुओं की थाली, गिलास, गमलों आदि का प्रयोग करने के लिए कहें।
- सड़क पर या जहाँ-तहाँ कूड़ा-कचरा न फेंके। गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग रखें और इसे म्युन्सिपैलिटी के कूड़ेदान में डालें।
- जल व्यर्थ न करें। अपने हाथ-पैर पेड़ के पास धोएँ।
- जल बाल्टी में एकत्र करके उपयोग कीजिए।
- विद्युत बचाइए। विद्युत बचाना विद्युत निर्माण करना है।
- फ्रिज का दरवाज़ा बार-बार न खोलें। बिना आवश्यकता के पंखा न चलाएँ, ऊपर चढ़ने के लिए लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का उपयोग करें, बाहर जाते समय सभी बल्ब, टी.वी. आदि के स्विच बंद कर दें। यदि आप ऐसा करेंगे तो विद्युत बचेगा।
- यदि स्ट्रीट लाइट को दिन में जलते देखें तो ग्राम पंचायत या म्युन्सिपैलिटी को सूचित करें।
- अपना हाथ खेलने के बाद और खाना खाने के पहले और बाद में अवश्य साफ़ करें।
- बर्गर, पिज़्ज़ा, आइस क्रीम, मशालेदार चिप्स और चॉकलेट खाना कम करें।
- फल, अंडे, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, सब्जियाँ, दाल और दूध अधिक खायें।
- मध्यान भोजन सबलोग साथ बैठकर करें। यदि यह अच्छा नहीं है अपने प्रधानाध्यापक से इस बारे में बतायें।
- शाम 4 बजे से 6 बजे तक पाठशाला के बाद अवश्य खेलें।

Government of Telangana

Department of Women Development & Child Welfare - Childline Foundation

When abused in or out of school.

To save the children from dangers and problems.

CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY

24 HOUR NATIONAL HELPLINE

When the children are denied school and compelled to work.

When the family members or relatives misbehave.

1098 (Ten...Nine...Eight) dial to free service facility.

SCERT TELANGANA

पर्यावरण अध्ययन

कक्षा - चार

Environmental Studies

CLASS - IV

(Hindi Medium)

संपादक गण

डॉ. एन. उपेन्द्र रेड्डी, अध्यक्ष, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक विभाग, एस.ई.आर.टी., हैदराबाद
श्री एन. विजय कुमार, प्रोफेसर, विज्ञान विभागाध्यक्ष,एस.ई.आर.टी., हैदराबाद
श्री बी. आर जगदीश्वर गौड़, प्रधानाचार्य जिला विधा शिक्षा संस्था, आदिलाबाद
श्री के. चिट्टी बाबू, वरिष्ठ प्रवक्ता, जिला विधा शिक्षण संस्था, कार्वेटीनगर, चित्तूर

शैक्षिक सलाहकार

श्री सुवर्णा विनायक
शैक्षिक सलाहकार,
पाठ्य पुस्तक विभाग,
एस.सी.ई.आर.टी., हैदराबाद

श्रीमती ज्योत्सना विजयपुर्कर
होमी बाबा वैज्ञानिक केन्द्र,
मुंबई

श्री अलेक्स एम. जार्ज
एकलव्य,
मध्य प्रदेश

समन्वयक

श्रीमती डी. विजयलक्ष्मी
प्रवक्ता,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद,
हैदराबाद

डॉ.टी.वी.एस.रमेश
समन्वयक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद,
हैदराबाद

श्री.रतंगपाणि रेड्डी
एस.ए.,
जेड.पी.एच.एस.पोलकमपल्ली,
अड्डकल मंडल, महबूब नगर

सलाहकार – लिंग संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना

श्रीमती चारू सिन्हा, I.P.S., निदेशक, ACB, तेलंगाणा, हैदराबाद

पाठ्यपुस्तक विकास एवं प्रकाशन समिति

श्री ए. सत्यनारायण रेड्डी
निदेशक,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद,
हैदराबाद

डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी
अध्यक्ष, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक विभाग,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद,
हैदराबाद

श्री बी. सुधाकर
निदेशक,
सरकारी पाठ्यपुस्तक प्रेस,
हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

विद्या से बढ़ें।
विनय से रहें।

क़ानून का आदर करें।
अधिकार प्राप्त करें।

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

SCERT TELANGANA

© Government of Telangana, Hyderabad

First Published 2013
New Impressions 2014, 2015, 2017,2018, 2019

All rights reserved

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

Free Distribution by Government of Telangana

Printed in India
at the Telangana Govt.Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana.

SCERT TELANGANA

आमुख

बच्चों में अपने आसपास के वातावरण एवं समाज के प्रति जानकारी होना आवश्यक है, जिससे वे अपने आसपास के वातावरण को अपनी आलोचना शक्ति से विश्लेषण कर सकें। समाज में होने वाली घटनाओं को समझकर उनके मन में प्रश्न उत्पन्न होने चाहिए। उनमें ऐसी क्षमता का विकास किया जाना चाहिए जिससे वे स्वयं को अपने आसपास के वातावरण के अनुसार ढाल सकें। वे अपने आसपास के वातावरण से बहुत कुछ सीखते हैं। वातावरण में स्थित पौधे, पक्षी, जंतु आदि हमारे लिए मुख्य हैं और उन्हें बचाने के लिए ज़रूरी कदम उठाए जाने की विशेष आवश्यकता है। इस संबंध में निपुणताओं, सामर्थ्यों, लक्षणों को प्राप्त करना ही हमारे आसपास का विज्ञान है। प्राथमिक स्तर पर हम इस विषय के अंतर्गत हो रहे संशोधनों जो कि राष्ट्र में अनेक संस्थाएँ कर रही हैं, उनके प्रति भी जागरूक हैं।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005, एवं आंध्र प्रदेश राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा -2011 के अनुदेशों को ध्यान में रखते हुए इन पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया जा रहा है। जीवनाधार (जंतु, नदियाँ, आहार, पेड़-पौधे), स्वास्थ्य और स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, इतिहास, भौगोलिक अंशों, मूल्यों, अधिकारों आदि भावों के आधार पर इस पाठ्यपुस्तक को तैयार किया गया है। पाठ्यपुस्तक के प्रत्येक पाठ में रोचक चर्चाएँ, दैनिक जीवन के क्रियाकलाप आदि द्वारा बच्चों को उसपर अपना मत व्यक्त करने का अवसर देकर उनमें इनके प्रति जागरूकता प्रदान करने का प्रयास पाठ्यपुस्तक में हुआ है। पाठों में बच्चों को केवल विषय की जानकारी की अपेक्षा उनके द्वारा एकत्र जानकारी द्वारा समाचार संकलन कौशल के विकास को भी प्रमुखता दी गई है। अंशों से संबंधित ज्ञान को विस्तृत रूप से बताने के लिए 'क्या आपको पता है?' के नाम से आवश्यक एवं जिज्ञासायुक्त विषय को भी स्थान दिया गया है। बच्चे व्यक्तिगत रूप से समूह में, कक्षा में अपने सहपाठियों से सीखें, इसके लिए परियोजना कार्यों और प्रयोगों को भी स्थान दिया गया है। हर पाठ में बच्चों द्वारा पाठ में वे कितना सीख पाये हैं, इसके लिए 'हमने क्या सीखा' नामक शीर्षक से अभ्यास दिया गया है। इसे अधिगम दक्षताओं के अनुरूप रखा गया है। पाठ के अंत में बच्चों को स्वमूल्यांकन करने के लिए 'क्या मैं यह कर सकता हूँ' नाम से अभ्यास भी दिया गया है। हर पाठ में वास्तविक चित्र बनवाए गए हैं जिनसे बच्चों को विषय की प्रत्यक्ष अनुभूति हो सके।

इस पाठ्यपुस्तक में बच्चों को सीधे समाचार देने की बजाय ज्ञान के निर्माण को अधिक प्रधानता दी गई है। इसी को दृष्टि में रखकर शिक्षक सूचनाओं व समाचारों को सीधे न बताकर, क्रियाकलापों का आयोजन करके बच्चों में ज्ञान का निर्माण करने का प्रयास करें, ऐसी उनसे आशा की जाती है। बच्चे अपने सहपाठियों, विविध सामग्री व विविध संदर्भों व परिस्थितियों पर अपनी प्रतिक्रियाएँ देकर अभ्यास कार्य पूर्ण करें, ऐसा प्रयास किया जाना चाहिए। इसके लिए अभ्यास छात्रों को स्वयं करने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए शिक्षक जरूरी सामग्री उपलब्ध करायें। अध्यापन की प्रक्रिया का नियोजन करें। इस दृष्टि से पाठ्यपुस्तक को एक सहायक सामग्री के रूप में उपयोग करें। बच्चों के अनुभव व स्थानीय वातावरण को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में स्थान दें। आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए अध्यापन प्रक्रिया को अर्थपूर्ण बनायें। बच्चों में अधिगम दक्षताओं का विकास हो, वे प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग बने, इस बात का प्रयास किया जाना चाहिए।

इसकी रूपरेखा निर्माण में भाग लेने वाले शिक्षकों, प्रवक्ताओं, चित्रकारों, विषय विशेषज्ञों, डी.टी.पी., डिजाइनकर्ताओं, पाठ नियोजन आदि में भाग लेने वाले सभी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष प्रतिभागियों का राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद धन्यवाद व्यक्त करती है। इस पुस्तक को सुंदर, आकर्षक, बच्चों के बहुआयामी विकास योग्य बनाने हेतु दिशा निर्देश करने वाले विविध विषय विशेषज्ञों को विशेष रूप से धन्यवाद। संपादक वर्ग को भी विशेष रूप से धन्यवाद। यह पाठ्यपुस्तक बच्चों में विज्ञान के अभ्यास के प्रति उत्साह और जिज्ञासा को बढ़ाने वाली, अच्छे गुणों का विकास करने वाली, जैव विविधता के प्रति जागरूकता को बढ़ाने वाली सिद्ध होगी, इस आशा के साथ...

दिनांक : 30.11.2012
स्थान : हैदराबाद

निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद,
तेलंगाणा, हैदराबाद।

SCERT TELANGANA

राष्ट्र-गान

- रवींद्रनाथ टैगोर

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

प्रतिज्ञा

- पैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

SCERT TELANGANA

अध्यापकों को सूचनाएँ

- पाठ्यपुस्तक का उपयोग करने से पहले पाठ्यपुस्तक में दिए अधिगम-दक्षताओं, आमुख, विषय सूची आदि को अनिवार्य रूप से पढ़ें। सामान्य विज्ञान (हमारे आस-पास का विज्ञान) को पढ़ाने के लिए सप्ताह में लगभग छः कालांशों के हिसाब से वर्ष में 220 कालांश होते हैं। इस पाठ्यपुस्तक में कुल बारह पाठ हैं। इस पाठ्यपुस्तक को 170 कालांशों में पढ़ाने के अनुरूप तैयार किया गया है। एक पाठ पढ़ाने के लिए लगभग बारह कालांश की आवश्यकता होगी। कम से कम दस से पंद्रह कालांशों में पाठों का विभाजन कर लेना चाहिए।
- पाठों के अंतर्गत क्रियाकलापों, परियोजनाओं, संग्रह करना आदि को विषय वर्णन से कम महत्व नहीं दिया जाये। अभ्यास कार्यों को करने के लिए समुचित समय दें। छात्रों को अभ्यास अपने निर्देशन में करवायें। उनकी गलतियों को सुधारने के प्रयत्न करें। परियोजना कार्य, संग्रह करने की प्रवृत्ति, अन्वेषण आदि जैसे कार्यों संबंधी सूचनाएँ पाठशालाओं में प्रदान करें। बच्चे पाठशाला के समय के बाद क्या करें, इसके बारी में सुझाव देना चाहिए। पाठों के अभ्यास के विषय में स्पष्ट रूप से जानकारी मिले ऐसा वर्णन चाहिए और ज़रूरी सूचनाएं भी देनी चाहिए। बच्चे स्वयं अपनी आलोचना से लिख सकें ऐसा प्रोत्साहन देना चाहिए। किसी भी स्थिति में बच्चों को गाइड में से देखकर लिखने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।
- सोचने को प्रोत्साहित करने वाले चित्र या किसी विशेष संदर्भ से पाठ की शुरुआत होती है। इससे संबंधित प्रश्न दिये गये हैं। इन प्रश्नों को पूरी तरह से कक्षा के कार्यों के अंतर्गत आयोजन किया जाना चाहिए। बच्चों द्वारा प्राप्त उत्तर श्यामपट् पर लिखना चाहिए। इससे संबंधित विषयों का बोध, पूर्वज्ञान के परीक्षण द्वारा उनकी मूल भावनाओं का परिचय करना चाहिए। इसके लिए पाठ में समूह कार्य, सोचिए, कहिए, ऐसा कीजिए, संग्रह कीजिए के नाम से अनेक क्रियाकलाप दिये गये हैं। इनका निर्वाह करते हुए पाठ पढाया जाना चाहिए। इन पाठों मे प्रश्न, प्रसंग, चित्र, क्रियाकलाप आदि करवाते समय उनको समझ में आया या नही, इसकी जाँच करते रहना चाहिए।
- पाठों में चित्र के पास या पाठ के बीच में 'सोचिए-कहिए' नामक कार्य है। इसको पूरी तरह से कक्षा के कार्यों के अंतर्गत आयोजन करना चाहिए। स्वतंत्र रूप से अपने अनुभवों के बारे में बोल सकने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके लिए पाठ में दिए गए प्रश्नों के अतिरिक्त प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं। अध्यापकों को अनिवार्य रूप से इनका आयोजन करना चाहिए।
- पाठ में सामूहिक कार्य भी दिये गये हैं। इनका आयोजन करने के लिए हमें बच्चों को सूचनाएँ (सलाह) देकर समूह बनाना चाहिए। आवश्यकतानुसार बच्चों को सुझाव, सूचनाएँ, संदर्भ पुस्तकें आदि प्रदान करनी चाहिए। समूह में लिखने के बाद बच्चों से उनका प्रदर्शन करवाना चाहिए। गलतियों को सुधरवाने का प्रयक्न किया जाना चाहिए।
- पाठों में आने वाले 'ऐसा कीजिए' का कार्य प्रयोगों से संबंधित है। इसको करने के लिए बच्चों को पाठशाला में या घर पर इसे कैसे किया जाये, इसके लिए क्या-क्या सामग्री की आवश्यकता होगी, अध्यापक को बताना चाहिए। कार्य करने के बाद बच्चों ने उस कार्य के लिए क्या किया, कैसे किया, उसे बताने के लिए कहना चाहिए। इस कार्य को व्यक्तिगत या समूह में किया जा सकता है।
- पाठों के अंतर्गत 'इकट्ठा कीजिए' का एक कार्य है। इसके अंतर्गत बच्चों को समाज में आसपास के वातावरण में जाकर विषयों की जानकारी इकट्ठी करनी होती है। इसके लिए बच्चे समाचार कैसे इकट्ठा करें, कौन से प्रश्न पूछें आदि, इसकी जानकारी देनी चाहिए। ज़रूरत पड़ने पर समाचार तालिका को कक्षा में ही बच्चों से बनवानी चाहिए। समाचार को इकट्ठा करने के बाद एक पीरियड में बच्चों से प्रदर्शित करवाना चाहिए। इसको समूह कार्य के रूप में आयोजन करवाना चाहिए। दो-तीन बच्चे मिलकर यह कार्य करें तो ठीक रहेगा।
- हर पाठ में मुख्य बिंदु है। पाठ की पूर्ति के बाद 'मुख्य शब्द' को व्यक्तिगत रूप से बच्चों से पूछना चाहिए। बच्चों को इन शब्दों का ज्ञान कितना है, इसकी जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। इसके लिए अलग से एक पीरियड रखना चाहिए। 'हमने क्या सीखा?' नामक शीर्षक से अभ्यास है। इसमें सामर्थ्य से संबंधित प्रश्न और कार्यों को बच्चे स्वयं कर सके, ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए। इनके आयोजन के लिए एक सामर्थ्य के लिए कम से कम एक पीरियड के हिसाब से छः पीरियड में बाँट लेना चाहिए। पाठ के अंत में 'क्या मैं यह कर सकता हूँ?' नामक अभ्यास स्वमूल्यांकन के उद्देश्य से रखा गया है। इस अभ्यास का प्रत्येक अंश बच्चे कर पा रहे हैं या नहीं, सुनिश्चित किया जाना चाहिए। 80% विद्यार्थी इसको कर पायें तब ही हमें अगले पाठ को पढ़ाना आरंभ करना चाहिए।

SCERT TELANGANA

सहभागी गण

श्री सुवर्णा विनायक,
शैक्षिक सलाहकार, पाठ्यपुस्तक विभाग,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

श्री बी. रामकृष्ण, एस.ए.,
जेड.पी.एच.एस. नलगुट्टा, हैदाराबाद

श्री बी. रामकृष्ण, एस.ए.,
जेड.पी.एच.एस.नल्लगुट्टा, हैदराबाद

श्री के. उपेन्दर राव, एस.जी.टी,
एम.पी.पी.एस, पीर्याताडा, तुर्कपल्ली, नल्लगोंडा

श्री के. बालाजी, प्राथमिक पाठशाला. पन्मत्ता
शेरीलिंगमपल्ली, रंगारेड्डी

श्री एम. अमरनाथ रेड्डी,
एम.पी.यू.पी.एस. लोलूरू, सिंगनमला, अनंतपूर

श्री वी. रवि,
जी.एस.एच.एस, सदाशिव पेट, मेदक

डॉ.टी.वी.एस.रमेश,
समन्वयक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद,
हैदराबाद

श्री.रतंगपाणि रेड्डी, एस.ए.,
जेड.पी.एच.एस.पोलकमपल्ली,अड्डकल,महबूब नगर

श्री इ.डी. मधूसूदन रेड्डी, एस.ए.
जेड.पी.एच.एस., कोस्ली (बालूरु), महबूबनगर

श्री के.बी. सत्नारायण, एस.ए.
जेड.पी.एच.एस.एलीदंडा, गरीडेपल्ली, नलगोंडा

श्री सल्लान चक्रवर्ती जगन्नाथ, एस.जी.टी.,
जी.एच.एस. कुल्सुमपुरा, हैदराबाद

श्रीमती भारतम्मा, प्रधानाध्यापिका,
जेड.पी.एच.एस बंजंगी, अमुदाल बलसा, श्रीकाकुलम

श्रीमती के. एस. वी. नर्समांबा, शिक्षक
ताल्लपुडी, पश्चिम गोदावरी

हिंदी अनुवाद समन्वयक

डॉ. राजीव कुमार सिंह,
यू.पी.एस., याडारम, मेडचल, रंगारेड्डी

हिंदी अनुवाद संपादक

डॉ. सुरभि तिवारी,
उप प्राचार्या, हिंदी महाविद्यालय,
नल्लाकुंटा, हैदराबाद।

डॉ. ज्योति श्रीवास्तव,
प्रवक्ता, हिंदी महाविद्यालय,
नल्लाकुंटा, हैदराबाद।

हिंदी अनुवाद समूह

डॉ. राजीव कुमार सिंह,
यू.पी.एस., याडारम, मेडचल, रंगारेड्डी

डॉ. शेख़ हाज़ी, ज़ेड.पी.एच.एस. चिट्याल, चिट्याल,
वरंगल, आंध्र प्रदेश।

श्री ए. रामचंद्रय्या, एस.ए., .
जेड.पी.एच.एस. रामपल्ली, कीसरा, रंगारेड्डी।

मो. सुलेमान अली 'आदिल',
यू.पी.एस. गाँधी पार्क, मिर्यालगुडा, नलगोंडा

डॉ. शेख़ अब्दुल गनी,
जी.एच.एस. भुवनगिरि, नलगोंडा।

सुश्री ऋतु भसीन, यू.पी.एस.,
दोड्डि अलवाल, रंगारेड्डी।

सुश्री के. भारती, यू.पी.एस. मदनपल्ली तांडा,
शमशाबाद, रंगारेड्डी।

सुश्री गौतमी नायडु, जी.एच.एस. लंगरहाउस,
हैदराबाद।

चित्रकार

श्री बी. किशोर कुमार, प्रधानाध्यापक
प्राथमिक उन्नत पाठशाला, उत्कूर, निड्मनूर, नलगोंडा

SCERT TELANGANA

विषय सूची

क्रम सं.		पाठ का नाम	कालांश	महीना	पृ.
1.		पारिवारिक व्यवस्था व परिवर्तन	10	जून	1
2.		विभिन्न खेल-नियम	10	जुन	10
3.		विभिन्न प्रकार के जानवर	12	जुलाई	19
4.		पशुओं की जीवनशैली, जैव विविधता	15	अगस्त	30
5.		हमारे आसपास के पेड़-पौधे	18	सितंबर	44
6.		रास्ता मालूम करें!	15	अक्तूबर	60
7.		सरकारी संस्थाएँ	18	नवंबर	74
8.		गृह-निर्माण-स्वच्छता	18	नवंबर	91
9.		हमारे गाँव-हमारे तालाब	15	दिसंबर	107
10.		हमारा आहार-हमारा स्वास्थ्य	15	जनवरी	121
11.		गाँव से दिल्ली तक	10	फरवरी	135
12.		भारत का इतिहास-संस्कृति	10	फरवरी	145
		पुनरावृति		मार्च	

SCERT TELANGANA

इस पाठ्य पुस्तक से बच्चों को प्राप्त होने वाले सामर्थ्य

1. विषय की समझ

- पाठयांश मे दिए गए मुख्य बिंदु, भावनाएँ, विषय की समझ आदि के बारे में बता सकेंगे। इससे संबंधित उदाहरण देना, कारण बोलना, विवरण देना एवं वर्गीकरण कर सकेंगे। उदाहरण के लिए किसानों का जीवनाधार, जीव वैविध्य, सुस्थिर व्यवसाय, पौधों को लगाते समय बरती जाने वाली सावधानियाँ, पौधों की उपयोगिता, उर्वरक पदार्थ, पौष्टिक भोजन के लिए उदाहरण, बाल अधिकार, ईंधन की बचत करना, वनों का वर्गीकरण करना, नदी के किनारे वाले प्रांतों के लोगों का जीवन शैली आदि के बारे में बता सकेंगे।

2. प्रश्न पूछना- अनुमान लगाना

- समाचारों को संग्रह करने के लिए बच्चे आवश्यकतानुसार प्रश्न पूछ सकते हैं। प्रयोगों से संबंधित संभावनाओं के बारे में उनुमान लगा सकेंगे। उदाहरण के लिए खिलाडियों से प्रश्न पुछना खेल मे होने वाले परिवर्तन विषय में प्रश्न करना वैद्य(डॉक्टर) से शरीर के भागों के परीक्षण पर प्रश्न करना, बीमारियों के लिए कारणों का अंदाजा लगाना, पौधों पर किए जाने वाले प्रयोगों पर कल्पना कर पाना आदि कर सकते हैं।

3. प्रायोगिक कार्य- क्षेत्र निरीक्षण

- भोजन सामग्री से संबंधित पेड़-पौधे आदि पर प्रयोग कर सकते हैं। प्रयोगों के आयोजन के लिए आवश्यक सामग्री को इकट्ठा कर सकते हैं। प्रयोग करने से पहले अनुमान लगा सकते हैं। प्रयोग करने के बाद अपने द्वारा किए गए अनुमान से तुलना करके देख सकते हैं। कारणों का विश्लेषण कर सकते हैं।
- किये गये प्रयोगों की पद्धतियों के बारे में विवरण दे सकेंगे। बाल अधिकार, फसल, रहन-सहन, प्राचीन निर्माण एवं स्थानों, वहाँ की सुरक्षा के बारे में क्षेत्र पर्यटन कर जानकारी एकत्र कर सकेंगे।

4. समाचार संकलन और परियोजना

- जीव-जंतुओं, खेती, फसल, पौष्टिक पदार्थ, रोग, वन उत्पाद, जल स्रोत, प्राचीन निर्माण का विवरण, विद्युत के उपयोग की जानकारी आदि संबंधी समाचार एकत्र कर सकेंगे। उनसे संबंधी सामान्य परियोजनाएँ तैयार कर सकेंगे।
- इकट्ठा किए गए समाचार को तालिका के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। समाचार तालिका से समाचार को ग्रहण करके उनका वर्णन कर सकते हैं। समाचार तालिका को देखकर उसका विश्लेषण कर सकते हैं, उसका निर्धारण करते हैं।

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

- मानव शरीर में अंगों के कार्य, बिजली की उत्पत्ति, काल चक्र आदि के चित्र बनाकर, उनके कार्य करने के विधि का वर्णन कर सकते हैं। नमूना तैयार करके भी वर्णन कर सकते हैं।
- भारत देश के नक्शे में राज्यों, प्रांतों, सरहदों आदि को पहचान सकते हैं। राज्य के नक्शे में फसल और नदियों के बारे में विवरण (जानकारी) आदि को मानचित्र में बता सकते हैं। विश्व के नक्शे में खंडो, देशों, समुद्रों आदि की पहचान करते हैं। इससे संबंधित चित्र निपुणता प्रदर्शित कर सकेंगे।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबंधी जागरूकता

- पक्षी, जंतुओं के प्रति दया रखते हैं। आसपास के परिसर, जैव वैविध्यता के प्रति जागरूकता होंगे। पेड-पौधों, पानी आदि की सुरक्षा के लिए की जाने वाली कार्यवाही का महत्व समझ सकेंगे। इनसे संबंधित अपनी व दूसरों की आदतों में सुधार का प्रत्यन कर सकेंगे।
- प्रदूषण को दूर करने के उपायों को समझकर, उनका पालन कर सकते हैं। नीति नियमों को समझकर उनको आचरण में ला सकेंगे।
- वनों का संरक्षण, ईंधन का सदुपयोग, बिजली की बचत, दूसरों की सहायता करना आदि का महत्व समझ सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर इनसे संबंधित नारे, लेख लिखना आदि के द्वारा उनमें रहने वाली सामाजिक जागरूकता को प्रदर्शित कर सकेंगे। समाज के लिए उपयोगी कार्यक्रम में भाग लेना सीख जाते हैं।
- अन्य लोगों की अच्छाई को ग्रहण करके उनको सम्मान देते हैं।

SCERT TELANGANA

1 पारिवारिक व्यवस्था व परिवर्तन
(Changing Family Structure)

साधारण रूप से हर परिवार में माता-पिता, दादा-दादी तथा छोटे बच्चे होते हैं। कुछ परिवारों में माता-पिता, चाचा-चाची, ताऊ-ताई, दादा-दादी और बच्चे रहते हैं। लेकिन आज की पारिवारिक व्यवस्था में अनेक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। आपके दादा-दादी, नाना-नानी आदि लोगों के परिवार कैसे थे, एक बार सोचिए। आजकल के परिवार कैसे हैं? क्या एक परिवार के सदस्य हमेशा एक साथ रहेंगे? क्या किसी परिवार में नए सदस्य भी शामिल होते हैं? परिवार में कब, क्यों और किस तरह परिवर्तन आते हैं, इसके बारे में सोचिए।

1.1. परिवार में नये सदस्य का आगमन

वंदना बहुत खुश है। वंदना की माँ ने एक शिशु को जन्म दिया है। वंदना के बहन हुई है।

चित्र देखिए, बताइए।

SCERT TELANGANA

- परिवार में बहन के आने से पहले कौन-कौन थे?
- वंदना के घर में अब शिशु आया है। इस शिशु के जन्म के पश्चात उनके परिवार में किस प्रकार के परिवर्तन आये होंगे? इस तरह नये सदस्य के परिवार में आने से कई प्रकार के परिवर्तन आये होंगे न! उनके बारे में अपने मित्रों से समूह में चर्चा कीजिए। कापी में लिखिए।

समूह में चर्चा कीजिए :

- वंदना अब दिन में क्या-क्या करती होगी?
- उसकी माँ पहले कौन से काम करती थी?
- शिशु के जन्म के कारण उसकी माँ के नये कामकाज क्या हैं?
- नये शिशु के आगमन से वंदना के घर में किनके कार्यों में परिवर्तन आए?

परिवार में नये शिशुओं के जन्म लेने से उस परिवार के सभी सदस्यों के क्रियाकलापों में परिवर्तन आ सकते हैं। शिशु को स्नान कराना, भोजन बनाना, भोजन करवाना, शिशु की देखभाल करना, संभालना, रोने की वजह जानकर चुप करवाना। इस तरह कई नये कार्य करने पड़ते हैं। ऐसा करते समय माँ के साथ-साथ परिवारजनों की सहायता आवश्यक है। शिशु के जन्म से पूर्व यह कार्य नहीं होते।

1.2. विवाह- पारिवारिक परिवर्तन

रानी के भाई श्रीनिवास की शादी होने वाली है। गृहालंकरण की पूर्ति की गई है। रिश्तेदार आ चुके हैं। घर में शादी का माहौल है। क्या आप कभी किसी की शादी में गये हैं? बताइए आपने वहाँ क्या-क्या देखा है?

SCERT TELANGANA

शादी के पश्चात वधू रानी के घर आई है। इसका मतलब है रानी के परिवार में भी नये सदस्यों का प्रवेश हुआ है। शादी के पूर्व रानी की भाभी कहाँ रहती थी? शादी के बाद कहाँ रहती है? आप अपने मित्रों के साथ समूह में बंटकर निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा कीजिए और कापी में लिखिए।

समूह में चर्चा कीजिए:

- शादी के कारण वधू के घर में कैसे परिवर्तन उत्पन्न हुए होंगे?
- भविष्य में रानी के घर में और क्या-क्या बदलाव आ सकता है?
- भविष्य में रानी के घर में कैसे बदलाव आ सकते हैं?
- नानी, दादी, दादा सब परिवार में मिलजुलकर रहना अच्छा लगता है, क्यों?

किसी भी परिवार में यदि किसी की शादी होती है, तो उसके बाद बच्चे होते हैं, जिससे परिवार में नये सदस्यों का प्रवेश होता है। ठीक इसी तरह यदि कोई सदस्य नौकरी के लिए या किसी कारणवश घर छोड़कर कहीं जाता है, घर में किसी भी मृत्यु हो जाती है तो उन परिवारों में कई प्रकार के बदलाव आते हैं। इसका मतलब है कि परिवार से कोई सदस्य जुड़ता है या कोई परिवार छोड़कर कहीं चला जाता है, तो कई प्रकार के परिवर्तन आते हैं।

सोचिए

किन अन्य कारणों से परिवार में बदलाव आता है?

1.3. नये प्रदेशों का संदर्शन

आदित्य का परिवार मेदक में रहता है। आदित्य के पिता को उनके कार्यालय से पत्र आया है। उसमें लिखा गया है कि उनकी पदोन्नति पर उनका **स्थानातंरण** निज़ामाबाद किया गया है।

आदित्य का संयुक्त परिवार है। उनके घर में माँ, बाप, बहन के साथ-साथ दादा, दादी, चाचा, चाची और उनके बच्चे भी मिलजुल कर रहते हैं।

SCERT TELANGANA

सोचिए ...

आदित्य के पिताजी ने जब अपने **स्थानातंरण** के बारे में बताया होगा तब परिवार की क्या प्रतिक्रिया रही होगी?

आदित्य के पिताजी घर खाली करके अपने परिवार के साथ नये गांव को चले जाते हैं। वैसे ही आदित्य के मित्र रमेश के पिताजी को भी पदोन्नति मिली है। उनका तबादला किसी दूसरे गाँव हुआ है, लेकिन रमेश के पिताजी अपने परिवार को अपने साथ नहीं ले गये। वे स्वयं कार्यालय जाते आते हैं। इस तरह नौकरी करनेवालों के परिवार में उत्पन्न परिवर्तन के बारे में समूह में चर्चा कीजिए।

आदित्य का परिवार	रमेश का परिवार
• पदोन्नति से पहले कहाँ रहता था?	• पदोन्नति से पहले कहाँ रहता था?
• पदोन्नति के पश्चात कहाँ रहता है?	• पदोन्नति के पश्चात कहाँ रहता है?
• नये गांव जाने के कारण आदित्य के घर में कैसे बदलाव आये होंगे?	• रमेश के पिता के दूसरे गांव नौकरी के लिए जाने-आने से क्या बदलाव आए होंगे?
• क्या पहले की तुलना में आदित्य की दिनचर्या में कुछ परिवर्तन आये होंगे?	• क्या रमेश की दिनचर्या में कोई परिवर्तन हुआ होगा?

- क्या किसी दूसरे प्रदेश से आकर आपकी कक्षा या पाठशाला में किसी ने दाखिला लिया है? उनसे बातचीत कीजिए। क्या उनके परिवार या उनमें कोई बदलाव आया? पता लगाकर बताइए।
- वे वह कहाँ से आया/आयी हैं?
- उनकी पूर्व पाठशाला कैसी थी?
- यहाँ क्या-क्या नई चीज़ें देखीं?
- यहाँ का वातावरण उन्हें पसंद आया या नहीं? क्यों?

SCERT TELANGANA

परिवार हमेशा एक जैसे नहीं होते। परिवारों में विभिन्न कारणों से कई बदलाव आते हैं। आप ये जान चुके हैं कि परिवारों में शादियां, बच्चों का जन्म, नये प्रदेशों को तबादला होने जैसे कारणों से कई परिवर्तन दिखाई देते हैं। इसके अतिरिक्त व्यापार, शिक्षा, रोजी-रोटी के लिए एक प्रांत से दूसरे प्रांत जाना, भूकंप एवं बाढ़ की स्थिति में यदि किसी परिवार के मुख्य सदस्यों की मृत्यु होती है, तो तब परिवार में कई विषम परिस्थिति उत्पन्न होती है। इनके अतिरिक्त पूर्वकाल की अपेक्षा वर्तमान काल के परिवारों में कई परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। इन विषयों का हमें कैसे पता चलेगा?

ऐसा कीजिए-

आपमें से तीन मिलकर एक समूह बन जाइए। एक-एक करके आपके पड़ोसी परिवार या आपके परिवार में से बूढ़े... जैसे दादी, नानी, दादा आदि लोगों से मिलिए। उन से बातचीत कीजिए और प्राप्त जानकारी को निम्न तालिका में लिखिए।

संग्रहित योग्य समाचार	विवरण
• आपका परिवार कितने वर्षों से यहाँ रह रहा है?	
• इसके पहले आप कहाँ रहते थे?	
• आपको यहाँ क्यों आना पड़ा?	
• यहाँ आने के पहले और आने के बाद आपके परिवार में कैसे बदलाव आये हैं?	
• दस वर्ष पूर्व आपके परिवार में कितने सदस्य थे?	
• अब आपके परिवार में कितने सदस्य हैं?	
• परिवार में सदस्यों की संख्या परिवर्तन के क्या कारण हैं?	
• परिवार में बदलाव को आप कैसे महसूस करते है?	

SCERT TELANGANA

1.4. परिवार कल-आज और कल

आप जान चुके हैं कि पिछले दिनों की अपेक्षा आज परिवारों में कई बदलाव दिखाई दे रहे हैं। क्या आपके परिवार में भी कोई बदलाव आया?

पुराने जमाने में संयुक्त परिवार अधिक होते थे। संयुक्त परिवारों में दादी, दादा, ताऊ, ताई, बच्चे आदि लोग मिलजुल कर रहा करते थे। इसलिए सब मिलकर काम करते थे। सुख-दुःख को आपस में बांटते थे। लेकिन आज के परिवारों में दिन-ब-दिन सदस्यों की संख्या घट रही हे।

आजकल अधिक परिवारों में माँ-बाप और उनके बच्चे ही दिखाई दे रहे हैं। इसे व्यष्टि कुटुम्ब कहते हैं। वे दादा, दादी आदि वरिष्ठ लोगों की देख-रेख सही नहीं कर रहे हैं। कुछ लोग तो अपने माँ-बाप को वृद्धाश्रमों में रख रहे हैं। यहाँ तक कि बच्चों को भी शिक्षा के लिए छात्रावासों में रखा जाता है। इस के बारे में अपने मित्रों से समूह में चर्चा कीजिए और अपने अभिप्राय लिखिए।

समूह में चर्चा कीजिए:

- पूर्वकाल में परिवार कैसे होते थे?
- संयुक्त परिवार से कैसे लाभ हैं?
- व्यष्टि परिवार के कारण क्या हैं?
- वृद्धाश्रमों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है, क्यों?
- इस परिवर्तन के बारे में आप क्या सोचते हैं? (अच्छा या बुरा) चर्चा कीजिए।
- भविष्य में परिवार व्यवस्था में और क्या परिवर्तन आ सकते हैं?
- मिलकर रहना सुखकारक है, अलग रहना दुःखकारक है। क्यों?

आप जान चुके हैं कि संयुक्त परिवारों में सब लोग मिलजुल कर रहते थे। इससे क्या लाभ था? बूढ़े लोग बच्चों का साथ देते थे। बच्चों के मनोरंजन के लिए कहानियाँ तथा अन्य ज्ञानवर्धक बातें सुनाते थे। सब मिलकर भोजन करते थे। इस तरह घर के कामकाज में एक-दूसरे का साथ देते हुए जीवन यापन करते थे।

युग बदला। परिस्थितियाँ बदलीं। परिवारों में कई परिवर्तन आये। नौकरियों की तलाश में दूसरे गाँव चले जाना, धन-संपत्ति का बंटवारा करना, बड़े परिवार के लिए घर में सुविधाओं का उपलब्ध न होना जैसे कारणों से संयुक्त परिवार के स्थान पर व्यष्टि परिवार होते गये।

आपका परिवार पहले कैसा था? अब कैसा है? क्या आपका परिवार संयुक्त परिवार है या व्यष्टि परिवार? आप किस प्रकार का परिवार पसंद करते हैं? क्यों?

SCERT TELANGANA

1.5. पारिवारिक जीवन : गृहोपयोगी साधन

पूर्व काल की अपेक्षा पारिवारिक जीवन में जैसे बदलाव आये हैं, ठीक उसी तरह हमारे दैनिक कार्यों में कई परिवर्तन हुए हैं। एक समय में हम अपना काम स्वयं करते थे या सब मिलकर एक-दूसरे का काम करते थे। आजकल परिवार में मुख्य रूप से कौन कामकाज करते हैं? कुछ परिवारों में तो कामकाज करने के लिए नौकर होते हैं। आजकल अनेक कामों के लिए मशीनें भी आ गई हैं। आजकल दैनिक कार्यों के लिए विद्युत से चलनेवाली मशीनों व साधनों का उपयोग भी बढ़ गया है।

निम्न चित्र देखिए। क्या इन्हें आप जानते हैं?

- इन साधनों का उपयोग क्यों करते हैं?
- बिजली का उपयोग दिन ब दिन क्यों बढ़ रहा है?
- इन साधनों के आविष्कार से पूर्व परिवार में कौन इन कार्यों को कौन करता था?
- इस तरह के बिजली संबंधी साधनों का उपयोग करना कहाँ तक उचित है? इससे लाभ-हानि बताइए।

SCERT TELANGANA

संग्रहण कीजिए:

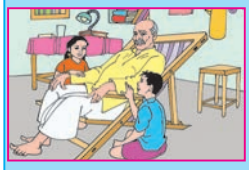

आप अपनी नानी, दादी तथा दादाजी के पास जाइए। उनके बचपन में घरों में किस प्रकार के साधन होते थे? क्या उन्हें वे उपयोग करते थे? इन उपकरणों के प्रचलन से पूर्व वे अपने कार्य कैसे पूरा करते थे? आजकल के साधनों के बारे में उनके विचार क्या हैं? पता लगाइए।

गृहोपयोगी साधनों से परिवार के कामकाज में तरह-तरह बदलाव आते हैं। आजकल घरों में अपना काम स्वयं करने की आदत खत्म हो रही है। हम लगभग प्रत्येक काम के लिए किसी न किसी साधन पर निर्भर रहते हैं। कपड़े धोना, आटा पीसना, घर की सफाई, पकवान करना जैसे दैनिक कार्य उपकरणों की सहायता से कर रहे हैं। अन्य कार्यों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहते हैं। किंतु यदि हर काम हम स्वयं कर लें तो अच्छा होगा। दैनिक जीवन में उपकरणों का उपयोग कम करना चाहिए। आजकल वाशिंग मशीन, मिक्सी, ग्राइंडर आदि बिजली से चलने वाले साधनों का उपयोग अधिक हो रहा है। उनकी जगह यदि हम स्वयं इन कार्यों को पूरा कर लें, तो बिजली की बचत होने के साथ शारीरिक व्यायाम भी हो जायेगा। इससे हम स्वस्थ रहेंगे। काम का महत्व भी समझ सकेंगे।

मुख्य शब्द

1. पारिवार के सदस्य
2. पारिवारिक परिवर्तन
3. पदोन्नति
4. संयुक्त परिवार
5. व्यष्टि परिवार
6. गृहोपयोगी साधन

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ।

अ) क्या सभी परिवार एक जैसे होते हैं? क्यों?

आ) पारिवारिक परिवर्तनों के क्या कारण हैं? लिखिए।

इ) घरों में किस प्रकार के गृहोपयोगी साधनों का उपयोग हो रहा है? क्यों?

ई) 'विवाह के कारण परिवार में किस प्रकार के परिवर्तन आयेंगे? क्यों? तीन कारण बताइए।

2. प्रश्न करना-अनुमान लगाना।

- आपकी गली या गाँव में एक नया परिवार आया है। उनके यहाँ आने से उनके परिवार में आए बदलाव जानने के लिए आप किस तरह के प्रश्न पूछेंगे?

SCERT TELANGANA

3. प्रायोगिक कार्य-क्षेत्र निरीक्षण

- घर में लड़के लड़कियाँ क्या अलग-अलग काम करते हैं? सब काम सबको करना चाहिए। आपके अड़ोस-पड़ोस के परिवारों में देखिए कि लड़के लड़कियों के द्वारा किए जाने वाले कामों में क्या कुछ अंतर है? लिखिए।

4. समाचार संकलन-परियोजना कार्य

अ) अपने किन्हीं पाँच मित्रों के घर जाइए। उनके घर में उपयोग में होनेवाले विभिन्न गृहोपयोगी उपकरणों की जानकारी इकट्ठा कीजिए और नीचे दी गई तालिका में लिखिए।

क्र. सं.	मित्र का नाम	गृहोपयोगी साधनों के नाम
1		
2		
3		
4		
5		

आ) आपके जन्म से पहले और बाद के परिवार के चित्र चार्ट पर चिपकाइए। परिवार में आए परिवर्तन लिखिए।

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

- आपके परिवार का फोटो चार्ट पर चिपकाइए। कौन-कौन क्या कार्य करते हैं, लिखिए और उसके बारे में बताइए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबंधी जागरूकता।

- आपके पड़ोस में कोई नया परिवार आया है, तो आप उनकी सहायता कैसे करेंगे? बताइए।
- यदि किसी परिवार में परस्पर सहयोग की भावना दिखाई पड़े तो आपके मन में किस प्रकार के विचार उत्पन्न होंगे?
- अपना काम स्वयं करते हुए दूसरों की कठिनाइयों को काम कर सकते हैं। इसके बारे में विस्तार से बताइए।

क्या मैं कर सकता हूँ?

1.	पारिवारिक बदलाव के कारण की चर्चा कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	परिवार में उत्पन्न परिवर्तनों को जानने के लिए प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	गृहोपयोगी साधनों की तालिका बना सकता हूं और बोल सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	परिवार के सदस्यों के चित्र खींचकर उनके कार्यों की जानकारी दे सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5.	पड़ोस में आए नए परिवारों को सहायता प्रदान कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

2 विभिन्न खेल-नियम

(Different games and rules)

बच्चों! हम सबको खेल बहुत पसंद है न! घर में हो या बाहर हम मित्रों के साथ खेलते रहते हैं। ये खेल बहुत पहले से खेले जाते हैं। लेकिन खेलने की पद्धति में कई प्रकार के परिवर्तन आए हैं। कुछ नए खेलों के साथ-साथ विदेशी खेल भी दिखाई दे रहे हैं। निम्न चित्र को देखिए।

SCERT TELANGANA

समूहों में चर्चा कीजिए-

- उपर्युक्त चित्र में बच्चे कौन से खेल खेल रहे हैं?
- आप कौन से खेल खेलते हैं?
- जब आप खेल खेलते हैं, आपको कैसे लगता है?
- आप खेल क्यों खेलते हैं?
- खेल कौन-कौन खेल सकते हैं?
- आप खेलते समय क्या अनुभव करते हैं?

2.1. खेल-नियम

आप तरह-तरह के खेल खेलते हैं न! खेलने से पहले समूहों में बंटना, खेलने के नियम जानना, उपयुक्त सामग्री के साथ-साथ खेलने की तैयारी करते हैं न!

क्या आप कबड्डी खेल के बारे में जानते हैं? देखेंगे कि यह खेल बच्चे कैसा खेलते हैं।

अध्यापक रहीम बच्चों को कबड्डी खिलाने के लिए मैदान में ले गए। एक-एक दल में सात बच्चों को लेकर दो दल तैयार किए। कबड्डी के मैदान एवं नियम संबंधी जानकारी दी। अपनी बारी खेलने वाले खिलाड़ी मुड़कर वापस आने से पहले सीमा रेखा को छूकर आना अनिवार्य है। यदि कोई सीमा रेखा छूए बिना वापस आएगा, वह आउट करार दिया जाएगा। अध्यापक रहीम और बच्चे, दोनों ने मिलकर कबड्डी का मैदान तैयार किया। वह चित्र देखिए।

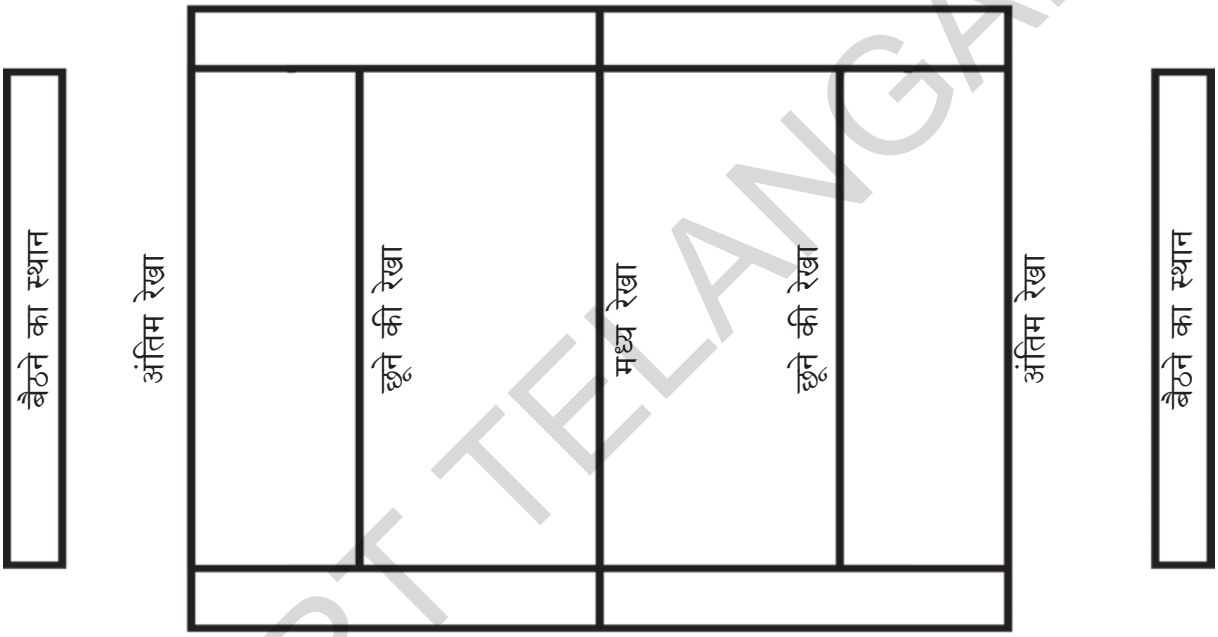

सुप्रजा और पिंकी के दल कबड्डी खेल रहे हैं। सुप्रजा अपनी बारी खेलने गई। उसे चार खिलाड़ियों ने घेर कर पकड़ लिया। लेकिन सुप्रजा उनसे बचते हुए मध्य रेखा तक पहुंच गई। इसलिए उनके दल के सदस्यों ने खुशी से पुकारा कि हमारे दल को चार अंक प्राप्त हुए। इतने में पिंकी के दल से एक लड़की ने सुप्रजा पर आरोप लगाया कि उसने अपनी आवाज रोक दी है। सुप्रजा कहने लगी कि उसने अपनी आवाज बंद नहीं की थी। दोनों दल के खिलाड़ी आपस में वाद-विवाद करते रहे। अंत में पिंकी के दल की खिलाड़ी परवीन आगे बढ़कर कहने लगी कि सुप्रजा ने अपनी आवाज बंद नहीं की। उसने अपने दल के सदस्यों को समझाया। इससे खेल फिर शुरू हुआ।

SCERT TELANGANA

आपने देखा कि सुप्रजा और पिंकी के दल कैसे कबड्डी खेल रहे हैं? इस खेल के बारे में अपने मित्रों के साथ समूह में चर्चा कीजिए।

समूह में चर्चा कीजिए-

- साधारणत: खेलों में झगड़े क्यों होते हैं?
- खेलों में झगड़े न होने के लिए क्या करना चाहिए?
- कबड्डी के क्या नियम हैं?
- खेल में किसकी प्रशंसा करनी चाहिए? क्यों?

कबड्डी के नियम-

- हर खिलाड़ी अपनी बारी मध्य रेखा से शुरू करके बिना आवाज़ रोके छूने की रेखा छूकर फिर वापस आना चाहिए। यदि कोई खिलाड़ी अपनी आवाज़ बीच में ही बंद कर देता है, तो वह आउट हो जाएगा।
- खेल के बीच में कोई खिलाड़ी मैदान की सीमा रेखाओं को पार करता है, तो वह आउट हो जाता है।
- आउट हुए व्यक्ति को रेखाओं के बाहर बैठने के स्थान में ही बैठने चाहिए।
- अपने दल को अंक मिलने पर आउट क्रम में पहला खिलाड़ी समूह में शामिल हो सकता है।
- खिलाड़ियों को नाखून नहीं बढ़ाना चाहिए।
- शरीर पर किसी भी प्रकार का तेल या चिकना पदार्थ नहीं लगाना चाहिए।
- लड़कियों को खेल में दूसरी लड़कियों की चोटी पकड़कर नहीं खींचनी चाहिए।

2.2. अन्य खेल और नियम

आप जान चुके हैं कि कबड्डी खेल कैसे खेला जाता है। किसी भी खेल के अपने नियम होते हैं। हर खेल नियमों के आधार पर खेले जाते हैं। आप भी नियम बनाकर ही खेलते होंगे न! आप जो खेल खेलते हैं, उनके नाम लिखिए। हर एक खेल के नियम अलग-अलग लिखिए और समूह में चर्चा करें।

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए-

- अपने मनपसंद खेल का नाम लिखिए।
- यह खेल कैसे खेला जाता है? लिखिए।
- उस खेल के क्या नियम है?

खेल का नाम	खेल की पद्धति	खेल के नियम

2.3. नियम क्यों?

आप खेल के नियम जान चुके हैं न!

सोचिए...

- क्या खेलों के ही नियम होंगे? या कहीं और स्थान पर नियमों का पालन होगा? बताइए।
- पाठशाला में आप किन नियमों का पालन करते हैं? बताइए।

आप खेल सही तरह से खेलने में नियम हमारी सहायता करते हैं। नियम खेले को नियंत्रित करता है। नियमों का अत्यंत महत्व है। खेलों की तरह अपने घरों, पाठशालाओं तथा अन्य कई स्थान पर नियमपालन किया जाता है।

उदाहरण : सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं के निवारण के लिए सड़क सुरक्षा नियम (Traffic Rules) लाल बत्ती के जलने पर रुक जाना, हरी बत्ती के जलने पर आगे बढ़ना भी एक मुख्य नियम है। इसे सिगनलिंग सिस्टम भी कहा जाता है। सड़क पर चलने वाले बाईं ओर, आने वाले दाईं ओर होते हैं। दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए चौराहों पर ऐसे ट्राफ़िक सिग्नल्स दिखाई देते हैं।

SCERT TELANGANA

ऊपर के चित्र देखिए। जहाँ पर बड़े निशान होंगे वहां से सड़क पार करना, ट्राफिक के समय वाहनों के आने जाने में बाधा न पड़ने के लिए नियंत्रित करते हैं। उसी तरह पाठशालाओं में समय पालन का नियम लागू किया जाता है।

यातायात नियमों की तरह ही पाठशाला में भी अनेक नियम होते हैं। उदाहरण के लिए छात्रों और अध्यापक सभी को पाठशाला की प्रार्थना में उपस्थित रहना चाहिए। कक्षाएँ समय सारणी के अनुसार चलनी चाहिए। बच्चे खेल की अवधि में खेलने चाहिए, मध्याह्न भोजन की व्यवस्था नियमित होनी चाहिए। अभिभावकों के साथ बैठक भी महीने में एक बार होनी चाहिए। इस प्रकार के नियम पाठशाला के विकास में सहायक होते हैं। इसी प्रकार सरकार हमारे देश को **सुचारु** रूप से चलाने व इसके विकास के लिए संविधान में कुछ नियम निर्धारित किये गये हैं। आप संविधान के बारे में अधिक जानकारी पाँचवीं कक्षा में प्राप्त करेंगे। दूसरों के साथ सुरक्षापूर्वक बातचीत करने के लिए, कुछ वैयक्तिक सुरक्षा नियम भी होते हैं। दूसरों के समक्ष शरीर के कुछ गुप्तांगों को ढककर रखना चाहिए, उन्हें स्पर्श करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए और अपरिचित व्यक्तियों से शारीरिक अंगों से संबंधित प्रश्न पूछने और चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहिए। किंतु जिनके साथ स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं उनके साथ चर्चा कर सकते हैं।

सोंचिए...

- हम प्रायः बातचीत करते समय या खेल खेलते समय एक-दूसरे को स्पर्श करते हैं। किंतु असुरक्षित तरीके से दूसरों को जानबूझकर छूने से रोकना चाहिए।
- यदि मैं स्वय और दूसरों के लिए इन नियमों का पालन करता/करती हूँ तो मैं एक सुरक्षित व्यक्ति हूँ। मैं दूसरों को असुरक्षित तरीके से स्पर्श या बातचीत या व्यवहार नहीं करता हूँ।

2.4.क्या खेल कोई भी खेल सकता है?

खेल सबको पसंद है। क्या खेल सबलोग खेल सकते हैं? रंगापुरम नामक गांव में लड़कियां केवल पारंपरिक ग्रामीण खेल खेलती हैं। लड़के क्रिकेट, वालीबॉल, फुटबाल, आदि खेलते हैं।

SCERT TELANGANA

सोंचिए...

- क्या लड़कियां, लड़के अलग-अलग खेल खेलना उचित है?
- क्या किसी भी खेल को कोई भी खेल सकता है? अपने विचार उदाहरण सहित बताइए।

निम्न चित्र देखिए। क्या इन्हें आप जानते हैं? इनमें से कौन-कौन, क्या-क्या खेलता है? उनकी विशेषताओं क्या है?

सायना नेहवाल

विश्वनाथन आनंद

मिताली राज

मेरीकॉम

कोनेरु हंपी

कर्णम मल्लेश्वरी

गगन नारंग

सानिया मिर्जा

इन खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धियों से भारत का गौरव बढ़ाया है! इन्होंने यह स्थान कैसे प्राप्त किया है? अगर वो प्रतिदिन नहीं खेलते तब वो सफ़ल खिलाड़ी नहीं बन पाते।

खेल हर कोई खेल सकता है। स्त्री, पुरुष का भेद नहीं है। पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं ने भी क्रीड़ा क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर देश के गौरव को ऊँचा किया। कई महिलाएँ राष्ट्रीय स्तर, एशिया, कॉमनवेल्थ तथा ओलंपिक्स में भाग लेकर विजयी हुए हैं। आज महिलाएँ शिक्षा, तकनीकी, खेल एवं सांस्कृतिक खेत्र में बहुत आगे बढ़ रही हैं।

2.5. खेलों में विजय-पराजय

हर कोई खेलना पसंद करते हैं। स्वाभाविक रूप से खेलों में हार जीत होते हैं। दो समूहों में किसी एक समूह को अनिवार्य रूप से हारना पड़ता है। जो जीतते हैं, वे विजेता कहलाते हैं। हारे हुए लोगों में कुछ परेशान हो जाते हैं, तो कुछ लोग रोने लगते हैं। खेलों में हार-जीत को न देखते हुए अपने कौशल प्रदर्शन पर ही ध्यान देना चाहिए। अनुशासन, लगन, कौशल, सहन, नियम जैसे विषयों को एक दूसरे से सीखना चाहिए।

जब खेल प्रतियोगिताएँ संपन्न होती हैं, तब एक-दूसरे का अभिनंदन किया जाता है। खेलों में हार-जीत दोनों का सम्मान करना चाहिए। इसी को 'क्रीड़ा-स्फूर्ति' कहते हैं। आप लोग पाठशाला से घर आने के बाद तथा छुट्टियों में खेलने के लिए जाते होंगे न। आप अक्सर कहाँ खेलने जाते हैं? क्या लड़कियाँ भी वहाँ खेलने आती हैं? लड़के-लड़कियाँ दोनों ही समान हैं। लड़कियों को भी खेलने मैदान में जाना चाहिए। क्योंकि वो भी स्वस्थ और चुस्त रह सकें।

SCERT TELANGANA

सोचिए...

- क्या आप खेलों में जीते हैं? आपने कैसे जीता?
- आप जीतनेवालों की प्रशंसा किस प्रकार करेंगे?
- आप हारने वालों से कैसा व्यवहार करेंगे?

खेलना बच्चों का अधिकार है-

सब बच्चों को हर दिन खेल खेलना चाहिए। यह बच्चों का अधिकार है। साधारणत: बच्चों को शाम चार बजे से छ: बजे तक खेलना चाहिए। खेल का यह समय ट्यूशन, गृहकार्य, आदि में लगाना उचित नहीं है। खेलों से उत्साह बडता है। शरीर स्वस्थ रहता है। शरीर में रक्त अच्छी तरह से प्रवाहित होता है। पसीना निकलने से शरीर से व्यर्थ पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। खेलते समय मित्रों से बातचीत, हंसना, छोटी-छोटी समस्याओं को सुलझाना, नियमों का पालन जैसे विषयों से खुशी और उल्लास छा जाता है। एकता भी बढ़ती है। मानसिक तनाव दूर होता है। हर दिन खेलने से शरीर मजबूत बनता है। मोटापा नहीं आता।

पाठशाला की समय-सारिणी के अनुसार निर्धारित कालांश में खेल अनिवार्य रूप से खेलना चाहिए। अध्यापकों को भी खेलों में शामिल करना चाहिए। पाठशाला की क्रीड़ा सामग्री का सदुपयोग करना चाहिए। हर तीन मास में एक बार पाठशाला में क्रीड़ोत्सव मनाना चाहिए। खेलों में निपुणता प्राप्त करना चाहिए। खेल के बाद स्नान करना चाहिए। बाद में पढ़ना और गृहकार्य पूरा करना चाहिए। ऐसा करने से शरीर तंदुरुस्त रहेगा और पढ़ाई भी अच्छी होगी।

सोचिए...

- कुछ लोगों का मानना है कि खेल खेलने से पढ़ाई नहीं आती। इसलिए कुछ घरों व पाठशालाओं में बच्चों को खेलने से मनाकर केवल पढ़ने के लिए कहा जाता है। क्या यह सही है? इस बात पर अपना विचार दीजिए।

2.6 खेल-परिणाम

क्या आपने हर दिन खेलने वालों को देखा है? वह तंदुरुस्त होते है न! खेलने से स्वस्थ रहते हैं। उल्लास और आनंद छा जाता है। खेलते समय एक-दूसरे से सहयोग करना, सहायता देना जैसे दृश्य हमें दिखाई देते हैं। इनसे दोस्ती और एकता की भावना जैसे उत्तम लक्षण सभी में प्रवेश करते हैं। खेल से अपनी पहचान बनती है। हमारे साथ-साथ हमारे परिवार, पाठशाला, गाँव, जिला, राज्य, देश की पहचान बनने के साथ-साथ हमारा मान भी बढ़ता है। हमारे

SCERT TELANGANA

देश की कबड्डी टीम ने स्वर्ण पदक जीता है। उसी तरह वर्ष 2010 में हमारे देश की क्रिकेट टीम ने 'विश्व क्रिकेट टीम' जीत लिया था। करणम मल्लेश्वरी, साइना नेहवाल, मेरी कोम, लियांडर पीस, गगन नारंग, विजेंदर सिंह जैसे खिलाड़ियों ने हमारे भारत देश की ओर से ओलंपिक्स में भाग लेकर कई पदक जीते हैं। इन खिलाड़ियों के कारण हमारे देश का कीर्ति ध्वज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लहराया है। इन खिलाड़ियों, इनके परिवारजनों से हमारे राज्य एवं देश को बहुत नाम मिला है। खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। हर दिन खेलने से हमें नित्य चुनौतियों का सामना करने व समस्याओं से उभरने की प्रेरणा मिलती है। दूसरों की सहायता करने की आदत भी बनती है। दूसरों से मिलजुल कर रहना, जीतने वालों को प्रशंसा करना, उन्हें प्रोत्साहित करना जैसे उत्तम लक्षण के प्रवेश करने से 'क्रीड़ा स्फूर्ति' बढ़ती है। इससे हार-जीत का सम भाव बढ़ता है। आप जान चुके हैं कि खेलों से क्या लाभ है? आप अब से कौन से खेल खेलेंगे? हर दिन खेलोगे न!

मुख्य शब्द

1. नियम	4. सड़क नियम	7. राष्ट्रीय स्तर
2. हार-जीत	5. संविधान	8. ओलंपिक खेल
3. क्रीड़ा स्फूर्ति	6. खिलाड़ी	9. गणतंत्र दिवस

हम ने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) हम खेल क्यों खेलते हैं? नियम के बिना खेल खेलने से क्या होगा?

आ) नियमों की आवश्यकता कहाँ पड़ती है? नियमों का पालन क्यों करना चाहिए?

इ) क्या 'खेल' बालकों का अधिकार क्यों है? कारण बताइए।

ई) कबड्डी खेल के पाँच मुख्य नियम लिखिए? कौन नियम बताएँगे?

2. प्रश्न पूछना - अनुमान लगाना

अ) लता ने एक अखबार में 'मेरीकॉम' का चित्र देखा। मेरीकॉम के पदक जीतने के प्रयासों की जानकारी प्राप्त करना चाहा, तो वह कैसे प्रश्न पूछेगी?

आ) खेलों में पूर्वकाल की अपेक्षा भविष्य में किस प्रकार के परिवर्तन आने की संभावना है? क्यों?

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र पर्यटन

- यदि कोई अपरिचित खेल आपकी गली में कोई खेल रहे हैं, तो देखिए। उस खेल के क्रम को लिखिए।

4. समाचार संकलन-परियोजना कार्य

SCERT TELANGANA

♦ हमारे देश या राज्य का गौरव बढ़ाने वाले किसी पाँच खिलाड़ियों की जानकारी लिखिए।

क्र.सं.	खिलाड़ी का नाम	खेल	सम्मिलित खेल	खेल परिणाम
• उपर्युक्त तालिका में किस खेल से संबद्ध खिलाड़ी अधिक हैं? क्या इनमें महिलाएं हैं?				

5. चित्रांकन, मानचित्र कौशल, नमूना द्वारा भाव विस्तार

अ) आप किसी खेल के कोर्ट का चित्र चार्ट पर उतार कर उसका विवरण दीजिए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबंधी जागरूकता।

अ) जीतने वालों से हमें क्या सीखना चाहिए? हारने वालों से कैसा व्यवहार करना चाहिए?

आ) 'खेल' खेलना बालकों का अधिकार है। इसलिए आप लगातार एक सप्ताह तक खेलकर आपने कैसा अनुभव किया अपने विचार प्रकट कीजिए।

मैं ये कर सकता हूँ?

1. मैं खेलों के नियमों और उनके उपयोग के बारे में बता सकता हूँ। हाँ/नहीं
2. मैं खिलाड़ी पदक जीतने के लिए जिन्होंने परिश्रम किया, उनकी जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रश्न पूछ सकता हूँ। हाँ/नहीं
3. मैं खेल को देखकर खेलने की पद्धति को क्रम में लिख सकता हूँ। हाँ/नहीं
4. मैं राज्य एवं देश का नाम ऊँचा करने वाले खिलाड़ियों के समाचार से एक तालिका बना सकता हूँ। हाँ/नहीं
5. मैं खेलों में जीतने वालों की प्रशंसा और हारने वालों से अच्छा व्यवहार कर सकता हूँ। हाँ/नहीं
6. मैं हर दिन शाम के साथ खेलूँगा। हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

3 विभिन्न प्रकार के जानवर
(Various types of Animals)

हमारे आस-पास कई जानवर हैं। कुछ जानवर जंगल में रहते हैं, तो कुछ घरों में हमारे ही साथ रहते हैं। क्या सभी जानवर एक जैसे ही होते हैं?

कुछ जानवर हमसे बड़े हैं, तो कुछ हमसे छोटे हैं। आँख, कान, नाक, पूँछ, पैर जैसे अवयव के निर्माण में कई विभिन्नताएं हैं। कुछ जानवरों के नाम हम उनके शरीर निर्माण के आधार पर बता सकते हैं। उदाहरण के लिए 1. हाथी **अन्य** जानवरों से अलग कैसे देख हैं? 2. इसकी **क्या विशेषता** है? 3. **इसके प्रत्येक भाग का वर्णन कीजिए?**

3.1. मेरे कान किसके पास है?

शरीर निर्माण के आधार पर ही हम जानवरों को पहचान सकते हैं। निम्न चित्र को देखिए।

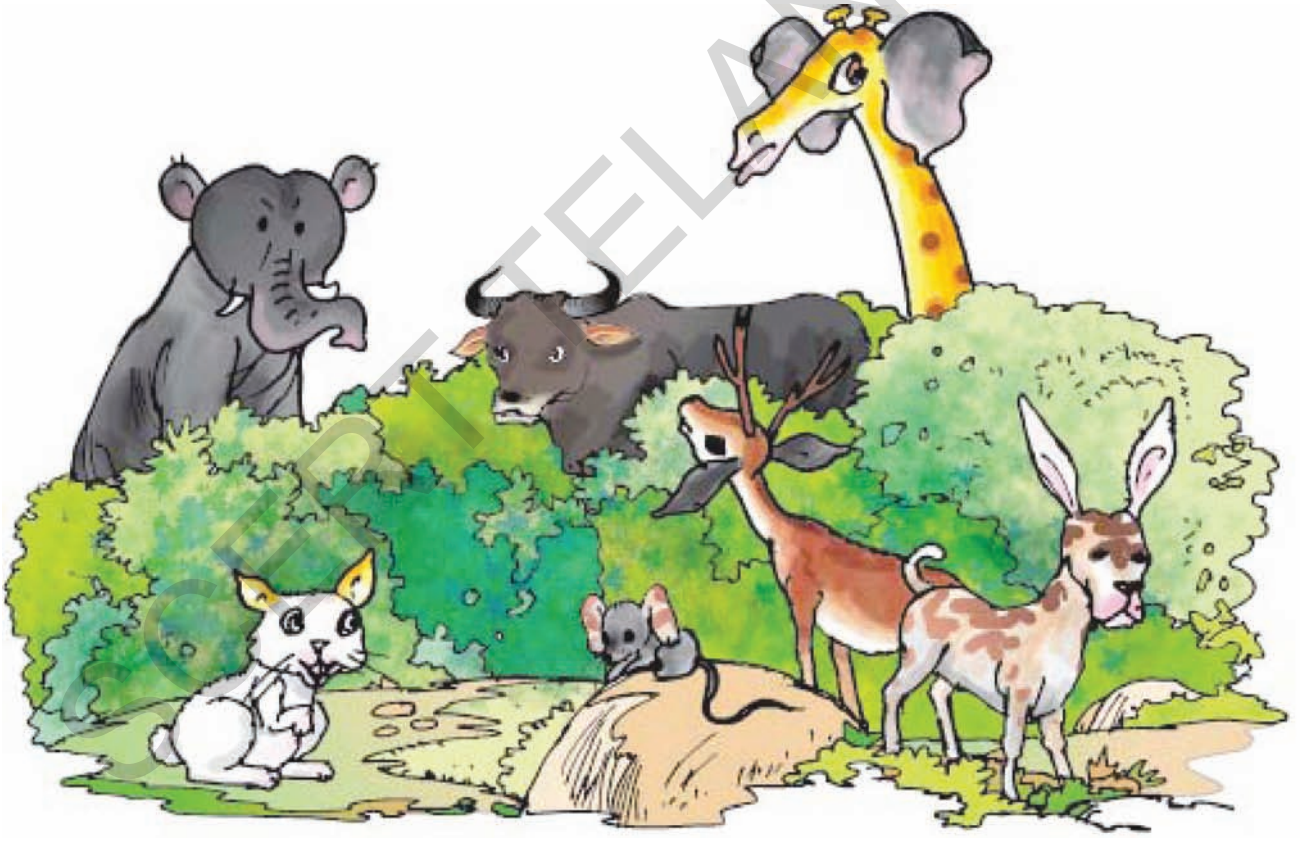

चित्र में विचित्र प्रकार के जानवर हैं न। इस चित्र में एक जानवर के कान दूसरे जानवर को **लग गये** है न! अच्छी तरह पहचान कर बताइए कि कौनसे जानवर के कान किस जानवर को है? जिराफी ने हाथी के कान लगा लिए हैं । एक तालिका में लिखिए।

© SCERT TELANGANA

नीचे दिये गये रिक्त स्थान में कौनसे जानवर के कान किस जानवर के होने चाहिए, बताते हुए इस तालिका को भरिए।

	जानवर	कान
1.	हाथी	छोटे चूहे के कान
2.	खरगोश	_____
3.	छोटा चूहा	_____
4.	जिराफी	_____
5.	कुत्ता	_____
6.	भैंस	_____
7.	हिरण	_____

3.2. कौन-कौन से जानवर के कान बाहर दिखाई देंगे?

कुछ जानवरों के कान बाहर दिखाई देंगे, तो कुछ जानवरों के नहीं। निम्न चित्रों को देखिए। अपने मित्रों से चर्चा कीजिए।

समूहों में चर्चा कीजिए-

- क्या सभी जानवरों के कान होते हैं? क्या सभी के कान बाहर दिखाई देते हैं? किन जानवरों के कान बाहर दिखाई दे रहे हैं? किनके नहीं?

SCERT TELANGANA

कान बाहर दिखाई देने वाले जानवर	कान बाहर नहीं दिखाई देने वाले जानवर

उपर्युक्त तालिका से आपने क्या सीखा?

3.3. कान बाहर नहीं दिखाई देने वाले जानवर

कुछ जानवरों के कान रहने पर भी बाहर दिखाई नहीं देते। क्या दिखाई नहीं देने का मतलब कान का नहीं होना है? सोचिए... निम्न चित्र देखिए। अपने मित्रों से समूहों में चर्चा कीजिए।

समूहों में चर्चा कीजिए-

- चित्र देखकर जानवरों के नाम बताइए।
- क्या उनके कान दिखाई दे रहे हैं?
- कान रहने पर भी दिखाई न देने वाले जानवरों के नाम बताइए।

हमारी तरह कुछ जानवरों के कान होते हैं। अन्य जानवरों के कान भी रहते हैं, पर दिखाई नहीं देते।

SCERT TELANGANA

आप जानते हैं कि कान से हम सुन सकते हैं। पक्षियों के कान बाहर दिखाई नहीं देते। पक्षियों के सिर के दोनों तरफ दो रंध्र होते हैं। ये रंध्र उनके परों से ढंके हुए होते हैं। ये सुनने के लिए हैं। यदि आप ध्यान से देखेंगे तो छिपकली के सिर पर दो छोटे रंध्र होते हैं। इसी तरह **यदि** के सिर पर भी कान के दो रंध्र होते हैं। मगर हम उन्हें आसानी से पहचान नहीं सकते। साँप के कान नहीं होते। साँप का चर्म ही कान का काम करता है। साँप अपने चर्म से ही सुन और महसूस कर सकता है।

3.4. यह किसका चर्म है?

आप जान चुके हैं कि कौनसे जानवर का कान कैसा होता है। कान के आधार पर जानवरों को पहचान सकते हैं। ठीक उसी तरह क्या हम चर्म के आधार पर जानवरों को पहचान सकते हैं? चित्र देखिए। यहां विभिन्न प्रकार के जानवर और उनके चर्म दिये गये हैं।

सोचिए...

कौनसा चर्म किस जानवर पर होता है, पता लगाकर जोड़िए।

चर्म शरीर के हर अंग की रक्षा करता है। यह प्राणी को आकार देता है। शरीर के ऊपर रहने वाले **बालों** का रंग तथा उसके निर्माण के आधार पर जानवरों को आसानी से पहचान सकते हैं।चर्म पर बिना **बाल** वाले जानवरों को क्या आपने कभी देखा? यदि चर्म पर **बाल** नहीं रहेंगे, तो ये जानवर कैसे दिखाई देंगे? सोचिए। चर्म पर **बाल** रहने से क्या लाभ है?

© SCERT TELANGANA

3.5. कान और चर्म के आधार पर जानवरों का वर्गीकरण :

निम्न तालिका में जानवरों के चित्र देखिए।

सभी जानवरों के कान, और चर्म एक जैसे नहीं होंगे। कुछ जानवरों के चर्म पर बाल हैं, कुछ जानवरों के चर्म पर 'पर' हैं। कुछ जानवरों के चर्म पर शल्क रहते हैं तो कुछ जानवरों की त्वचा शलकीय है? कुछ जानवरों के कान बाहर दिखाई देते हैं, तो कुछ जानवरों के कान दिखाई नहीं देते। आप पिछले पृष्ठ पर कुछ चित्र देख चुके हैं। इनमें से कौनसे जानवर के कान कैसे हैं? कौनसे जानवर का चर्म कैसा है? समूहों में चर्चा करके निम्न तालिका में लिखिए।

कान दिखाई न देने वाले जानवर	चर्म पर 'पर' रहने वाले जानवर
. . . . .	. . . . .
. . . . .	. . . . .
. . . . .	. . . . .
. . . . .	. . . . .
. . . . .	. . . . .
कान दिखाई देने वाले जानवर	**चर्म पर केश रहने वाले जानवर**
. . . . .	. . . . .
. . . . .	. . . . .
. . . . .	. . . . .
. . . . .	. . . . .
. . . . .	. . . . .

समूह में चर्चा कीजिए-

- कौनसे जानवर को पर होते हैं? और किसके कान नहीं दिखाई देते?
- किन जानवरों के कान बाहर दिखाई देते हैं? और किनके चर्म पर बाल हैं?
- चर्म पर शल्क वाले जानवर कौन से हैं?

आपने क्या पहचाना?

जिन जानवर के कान बाहर होते हैं जिनके चर्म पर बाल होते हैं, वही बच्चों को जन्म देते हैं। जिनके कान दिखाई नहीं देते और जिनके चर्म पर बाल नहीं हाते वह बच्चे न देकर 'अंडे' देते हैं। इस तरह कान और केश की सहायता से बच्चे देने वाले जानवरों का पता लगा सकते हैं। अंडे देकर बाद में बच्चों का पोषण करने वाले जानवरों को 'अंडोत्पादक' कहते हैं। जो सीधे बच्चों को जन्म दे सकते हैं, उन्हें शिशुत्पादक कहते हैं।

SCERT TELANGANA

संग्रहण कीजिए-

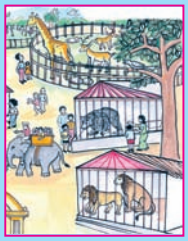

आपके या आपके मित्रों के घर में पाले जाने वाले जंतुओं को एक बार ध्यान से देखिए। उनके शरीर पर **बाल** हैं या नहीं देखिए। यदि आपके शहर में 'प्राणी संग्रहालय' है, तो वहाँ जाकर देखिए। देखिए कि उनके शरीर पर केश, कान हैं या नहीं।

3.6. जानवरों के उपयोग

जानवरों के चर्म और उनके **बाल** उन्हें सर्दी, गर्मी से बचाकर उनकी रक्षा करते हैं। ये मनुष्य की भी रक्षा करते हैं। जानवरों के **बाल** मनुष्य के लिए भी लाभदायक होते हैं।

दाईं तरफ के जानवर को देखिए। इसके **बाल** हमारे लिए कैसे उपयोगी हैं? क्या आप बता सकते हैं?

जानवरों का चर्म भी हमारे लिए बहुत उपयोगी है। जानवरों के चर्म से चप्पल और बाजे जैसे कई संगीत के उपकरण तैयार कर सकते हैं। जानवर हमें आहार भी देते हैं। जानवर कृषि एवं यातायात के लिए भी उपयोगी हैं।

समूह में चर्चा कीजिए-

- कौन-कौन से जानवर आहार देते हैं?
- कौन-कौन से जानवर कृषि में उपयोगी आते हैं?
- अन्य लाभदायक जानवरों के बारे में बताइए?

अपने मित्रों से बातचीत करकर जानवरों के नाम और उनसे होने वाले लाभ की एक तालिका बनाइए।

आहार देने वाले जानवर	कृषि में उपयोग में आने वाले जानवर	अन्य लाभदायक जानवर

SCERT TELANGANA

संग्रह कीजिए-

क्या आपने कोई जानवर पाला हैं? क्या आपके जान-पहचान वालों में से कोई किसी जानवर को पाल रहा है? उनके पास जाइए और निम्न तालिका भरिए।

देखे गये अंश	विवरण
• घरेलु जंतु	
• क्या उसे कोई नाम दिया?	
• उसका क्या नाम है?	
• क्या वह जानवर अंडे देता है?	
• क्या वह बच्चे देता है?	
• क्या उसके बच्चे है?	
• वह क्या खाता है?कौन उन्हें आहार देते हैं?	
• क्या उसके चर्म पर बाल हैं? या पर?	
• वह जानवर क्यों पसंद है?	
• वे लोग उस जानवर को क्यों पाल रहे हैं?	
• क्या उसके कान बाहर दिखाई दे रहे हैं?	
• उस जानवर की रक्षा के लिए क्या उपाय करते हैं?	
• क्या वह जानवर क्रोध में आता है?	
• जब क्रोध में आता है, तो वह जानवर क्या करता है?	
• उस जानवर को उस परिवार में कौन-कौन पसंद करते हैं?	

SCERT TELANGANA

क्या आप जानते हैं?

हमारी तेलंगाना सरकार ने 'हिरण' को 'राज्य पशु' स्वीकार किया है।

हमारे राज्य के नल्लमला जंगलों में हिरण अधिक रहते हैं। सुंदर सींगों, बड़ी-बड़ी आँखों से यह भोली, सुंदर आकर्षक और चुस्त रहती है। बच्चों और बडों का मनोरंजन करती है।

यह चित्र में जो जानवर है, उसे देखिए। क्या इसका नाम आप जानते हैं? यह बाघ है। यह हमारे देश का 'राष्ट्रीय पशु' है। भारत में ये जानवर कम होते जा रहे हैं। इनकी संख्या **इस तरह क्यों** कम होती जा रही है? चर्चा कीजिए।

3.7. अब हम एक पक्षी बनायेंगे!

पशु-पक्षी हमें बहुत पसंद हैं। क्या हम **उनका नमूना** बनायेंगे? इसके लिए पहले हम कुछ कागज या गत्ते के टुकड़े लेंगे। चित्र में दिये गये आकार में तैयार कीजिए। इनसे विभिन्न आकार वाले पक्षियों को तैयार कर सकते हैं। आप अपने मित्रों के साथ मिलकर तैयार करके देखिए। अपनी कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

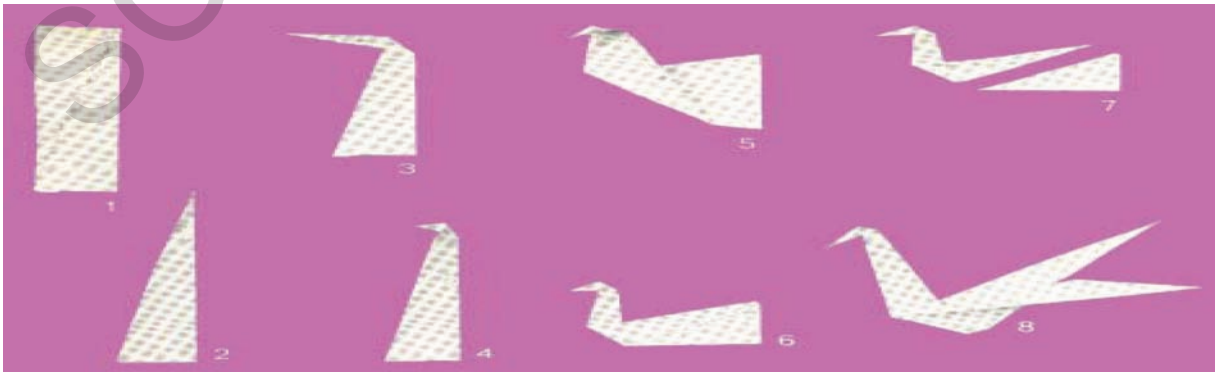

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द :

1. चर्म
2. कान बाहर दिखना
3. कान बाहर नहीं दिखना
4. अंडे देने वाले जानवर
5. बच्चे देने वाले जानवर
6. अंडोत्पादक
7. शिशुत्पादक
8. प्राणी संग्रहालय

हमने क्या सीखा?

1 . विषय की समझ

अ) कान बाहर दिखाई देने वाले किन्ही दस जानवरों के नाम लिखिए।

आ) अंडे और बच्चे देने वाले जानवरों में क्या अंतर है?

इ) कुछ जानवर अंडे देते हैं, लेकिन उनके पंख (पर) नहीं होते। उनके नाम बताइए?

ई) पशु और पक्षियों से क्या लाभ हैं?

2. प्रश्न पूछना - अनुमान लगाना

♦ रहीम, रजनी, मनोज, संहिता और उनके मित्र मिलकर रविवार के दिन प्राणी संग्रहालय गये थे। उनके बारे में जानकारी लेने के लिए उन्होंने तरह-तरह के प्रश्न पूछे। वह प्रश्न क्या हो सकते हैं? लिखिए।

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र निरीक्षण

अ) क्या आपके प्राँत में बच्चे देने वाले जानवर अधिक हैं या अंडे देने वाले? ध्यानपूर्वक देखकर लिखिए।

आ) बच्चे देने वाले तथा अंडे देने वाले जानवर जब अपनी संतान के साथ होते हैं, तो अपने बच्चों को आहार कैसे देते हैं? क्या-क्या करते हैं? लिखिए।

SCERT TELANGANA

4. समाचार निपुणता-प्रोजेक्ट कार्य

- किन्ही दो जानवरों की जानकारी से एक तालिका बनाइए।

जानवर का नाम	केश हैं?	क्या वे अंडे देते हैं?	क्या खाते हैं?	कहाँ रहते हैं?

- उपर्युक्त तालिका से आपने क्या सीखा?
- अंडे देने वाले जानवरों के बारे में दो वाक्य लिखिए?

5. चित्रांकन, मानचित्र कौशल, नमूना द्वारा भाव विस्तार

- आपके मनपसंद जंतुओं का चित्र बनाइए जो बच्चों को जन्म देते है और उनमें रंग भरिए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबंधी जागरूकता

अ) हमे जीवित रहने के लिए आहार, पानी और आवास की आवश्यकता होती है। फिर आपके आस-पास के पशु पक्षी के जीवने के लिए आप **कैसे सहायता** करेंगे?

आ) जैसे हमें जीने का अधिकार है, ठीक उसी तरह पशु-पक्षियों को भी है। उनको किसी प्रकार की क्षति न पहुँचे और उनकी सुरक्षा भी हो, इसी उपलक्ष्य में कुछ नारे लिखिए।

इ) जानवर, पक्षी और उनके बच्चों को देखने पर आपको कैसे लगता है? लिखिए।

मैं यह कर सकता हूँ?

1.	**मैं** जानवरों के लक्षण और अंतर लिख सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	**मैं** जानवरों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	**मैं** जानवरों की जानकारी का संग्रहण करके एक तालिका बना सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	**मैं** जानवरों के चित्र खींच सकता हूँ। रंग भरकर उनका विवरण दे सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5.	जानवर हमारे लिए कैसे उपयोगी हैं **मैं इसका** विवरण दे सकता हूँ।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

4 पशुओं की जीवनशैली, जैव विविधता

(Discover the Life style of the Wild – Biodiversity)

मनुष्य अपने परिवार के साथ गाँव या शहर में रहते हैं। इस तरह समाज के साथ जुड़े रहने के कारण मनुष्य को 'सामाजिक प्राणी' कहा गया है। मनुष्य का जीवन परस्पर सहयोग से चलता है। मनुष्य रोटी, कपड़ा, आवास तथा यातायात जैसी सुविधाएँ अपने आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्थापित कर लेते हैं। लेकिन पशु कैसे जीवन बिताते हैं? क्या करते हैं? उनकी जीवनशैली कैसी होती है? इन विषयों की जानकारी प्राप्त कीजिए। आपकी जिज्ञासा पूर्ति के लिए निम्न चित्र देखिए।

समूहों में चर्चा कीजिए-

- क्या आपने चित्र में दिये गये पशुओं को कभी देखा है?
- इस समूह में कितने हाथी हैं? वे कहाँ जा रहे हैं?
- हाथी समूहों में क्यों रहते हैं? समूह में रहने से उन्हें क्या लाभ है?

4.1. पशुओं की जीवनशैली

जंगली हाथी समूह में होते हैं। एक समूह में 10 से 12 हाथी होते हैं। समूह में उनकी संतान भी होती है। इन समूहों में मादा हाथी अधिक होते हैं। नर हाथी छोटी आयु में समूह में रहकर 15 वर्ष की आयु में समूह छोड़ देते हैं। साधारणतः हाथियों में सबसे बड़ी मादा हाथी इस समूह का नेतृत्व करती है।

SCERT TELANGANA

यह मादा हाथी सुबह सबेरे ही घींकार नाद करके जँगल में चली जाती है। समूह के सारे हाथी इसी का अनुसरण करते हैं। अधिक चारा उपलब्ध होने वाले प्रांत में हाथी अलग-अलग अपनी आवश्यकता के अनुसार पत्ते और छोटी-छोटी डालियाँ खाते हैं। दोपहर के समय निकटवर्ती जलाशय जाकर आनंद से तैरने लगते हैं। अपने बच्चों को भी तैरना सिखाते हैं। खेल खेलते हैं। इस तरह सामूहिक जीवन बिताने से हाथी अपने बच्चों की रक्षा कर पाते हैं। चारा ढूँढ़ना, शत्रु को डराना जैसे क्रियाकलापों से वे जीते हैं तथा अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित कर लेते हैं।

आप हाथियों के जीवनशैली को समझ गये हैं! ना! आपको अपने घरों में पाले जाने वाले पालतु जानवरों के बारे में पता होगा न! कुछ जँगल में तो कुछ गलियों में जीने वाले जानवर को क्या आप जानते हैं? वे क्या खाते हैं? कहाँ रहते हैं? क्या करते हैं? इन विषयों के बारे में अपने मित्रों से चर्चा कीजिए। आप अपने बड़ों से पूछिए। अधिक जानकारी के लिए अपनी पाठशाला के ग्रंथालय से जंतु ज्ञान संबंधी पुस्तकें पढ़िए। आपके घर में टी.वी. है, तो नेशनल जियग्राफिकल चैनल देखिए। डिस्कवरी चैनल भी देख सकते हैं। आपने जिन जंतुओं की जानकारी प्राप्त की है, उनकी जीवनशैली के संबंध में मित्रों से चर्चा कीजिए और जानकारी लिखिए। कुछ जानवर अकेले ही जीवन यापन करते हैं। ऐसे जानवरों के बारे में अपने अध्यापक से जानकारी प्राप्त कीजिए।

समूहों में चर्चा कीजिए-

- हाथियों के अतिरिक्त कौन-कौनसे जंतु समूहों में जीते हैं?
- क्या आपने बंदरों के समूह को देखा है? वे समूह में ही क्यों रहते हैं?
- कौन-कौन से जंतुओं की जीवनशैली किस प्रकार होती है?
- जंतुओं के सामूहिक जीवन के क्या कारण हो सकते हैं?

क्या आप जानते हैं?

बाघ अच्छी तरह शिकार कर सकते हैं। उनके बच्चे शिकार करना नहीं जानते। बाघों के समूह से ही उनके बच्चे शिकार करना सीखते हैं। बाघों के साथ खेलते-खेलते वे शिकार करना और अन्य विषय भी सीख लेते हैं।

आपने जानवरों की जानकारी प्राप्त की है। अब पक्षियों के बारे में भी कुछ जानकारी लेंगे। वे कहां रहते हैं? क्या करते हैं? क्या आप इन्हें जानते हैं? क्या ये भी समूहों में रहते हैं? क्या आपने पक्षियों के समूह को आकाश में उड़ते देखा है? किस काल में इस दृश्य को देख सकते हैं? यह चित्र देखिए।

© SCERT TELANGANA

समूहों में चर्चा कीजिए-

- कौन से समय पक्षी सामूहिक रूप से उड़ते हैं?
- किन-किन आकारों में पक्षी आकाश में घूमने लगते हैं?
- आकाश में घूमने वाले पक्षियों को देखकर आपके मन में कैसे विचार आते हैं?
- कौए क्यों समूह में रहते हैं? सोचिए।
- यदि किसी कौए की मृत्यु हो जाती है, तो दूसरे कौए क्या करते हैं?

ऐसा कीजिए-

निरुपयोग कागज का उपयोग करते हुए पक्षी बनाकर उड़ाइए।

पशु एवं पक्षी सामूहिक प्राणी हैं। समूह में रहकर जीवन जीते हैं तथा अपनी सुरक्षा का प्रबंध कर लेते हैं। पशुओं की संतान भी बड़े जानवरों से जीवनशैली को अपनाती है जैसे शत्रु से बचना, आहार प्राप्त

SCERT TELANGANA

करना, जल कूपों की तलाश, जैसे **आदी**।

पक्षी आहार की तलाश में सामूहिक रूप से आकाश में उड़ते हैं। आकाश से ही फसल की पहचान कर लेते हैं। आहार और आवास के लिए हजारों मील तक यात्रा करने की क्षमता पक्षियों में होती है। आहार के लिए फ़सल, बाग, कृषि क्षेत्र आदि तक जाते हैं।

कुछ पक्षी कीड़े-मकोड़े, छोटे-छोटे जलचर ओर मछलियों को आहार के रूप में लेते हैं। इनके लिए झरने, नदी, तालाब, जलाशय आदि में पहुंच जाते हैं। अपने आहार को पाते हैं। इस तरह पक्षी आहार की तलाश सामूहिक रूप से करते हैं।

क्या आप जानते हैं?

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम समुद्री तट पर जाकर आकाश में उड़ते पक्षियों के समूह को देखते थे। उनके आकाश में उड़ने की क्षमता के बारे में सोंचा करते थे। **उनके लगातार अवलोकन से उन्हें बहुत सहायता मिली।** ये सोंच ही **रॉकेट पर उनके भावी शोध** कार्य के मूल स्तंभ हैं। ध्यान से देखना, जानकारी प्राप्त करना, एक लक्ष्य निर्धारित कर लेना, उस लक्ष्य साधना के लिए परिश्रम करने जैसे सद्‌गुण उन्हें महान व्यक्ति के रूप में खड़ा किया है। यदि हम भी पशु-पक्षियों को ध्यानपूर्वक देखने लगेंगे तो कई नये विषयों को जान **पायेंगे**।

4.2. पक्षी-घोसलें

जीव-जंतुओं को भी मनुष्य की तरह आवास की आवश्यकता होती है। तीसरी कक्षा में आप जान चुके हैं कि गर्मी, सर्दी, बरसात से रक्षा पाने के लिए पशु-पक्षियों को आवास की आवश्यकता होती है। हमारे आसपास में कई पक्षी हैं। लेकिन वे कहां वास करते हैं? निम्न चित्र देखिए। वे किन पक्षियों से सम्बद्ध हैं पहचानिए।

SCERT TELANGANA

पक्षी बहुत सुंदर घोसले बना लेते हैं। इनमें से आपने कौन-कौन से घोसले देख चुके हैं? कहाँ देख चुके हैं? बताइए। हमारी तरह पक्षी भी आवास का निर्माण कर लेते हैं। लेकिन वे किन वस्तुओं की सहायता से इनका निर्माण करते हैं? कैसे करते हैं? विषयों पर अपने मित्रों से चर्चा कीजिए।

समूह में चर्चा कीजिए-

- क्या पक्षियों के घोसले आपको पसंद आये? क्यों?
- इन घोसलों के निर्माण में पक्षियों ने किन वस्तुओं का उपयोग किया?
- क्या आपने बुनकर पक्षी को देखा है? छोटी होकर भी इस पक्षी ने इतने बड़े घोसले का निर्माण कैसे किया होगा?
- कुछ पक्षी पेड़ों में छेद करके उनमें आवास करते हैं। इसी तरह कोई अन्य पक्षी हैं? बताइए।

यह घोसला देखिए। पत्तों से कितना सुंदर दिखाई दे रहा है। बुनकर पक्षी धागे और पत्तों से घोसला बनाती है।

ऐसा कीजिए-

1. आपके आस-पास के किसी पक्षी के घोंसले को ध्यान से देखिए। घोसले को मत हिलाइए। बाद में मधुमक्खी रहित छत्ते को देखिए। उसका निर्माण उन्होंने कैसे किया होगा? किस तरह उनका उपयोग किया होगा? ध्यान पूर्वक देखें और उन विषयों को अपनी नोट बुक में लिख लीजिए।
2. छोटी-छोटी काड़ियाँ, धागे, घाँस के कपड़ों के टुकड़े, पत्ते, आदि की सहायता से आपका मनपसंद घोंसला बनाकर प्रदर्शन दीजिए।

आप देख चुके हैं कि घोंसला बनाना कितना **कठिन** है। ठीक इसी तहर पक्षी भी अपने और अपने बच्चों के लिए घोंसला बनाने के लिए बहुत परिश्रम करते हैं। अपनी निपुणता दिखाते हैं।

पक्षी साधारणतया काड़ियाँ, घास, धागे, कागज के टुकड़े, कपडे के टुकड़े, पत्ते आदि का उपयोग करके घोसले का निर्माण कर लेते हैं।

आप यह जान चुके हैं कि तरह-तरह के पक्षी विभिन्न प्रकार के घोंसले बना लेते हैं। बुनकर पक्षियों में नर पक्षी ही घोंसला बनाता है। मादा पक्षी उस घोंसले में अंडे देती है। साधारण रूप से पक्षी जब अंडे देने

SCERT TELANGANA

का समय आता है, तब घोसला बना लेते हैं। आपने बच्चों के पर आकर हवा में उडने पर पक्षी वह घोंसला छोड़ देते हैं। फिर अंडे देने का समय आ जाता है, तो नये घोंसले का निर्माण कर लेते हैं। इससे पता चलता है कि घोंसले बनाने के लिए पक्षी निरंतर परिश्रम करते हैं।

समूह में चर्चा कीजिए-

- पक्षी अपने बच्चों को क्या खिलाते हैं? कैसे खिलाते हैं?
- क्या आपने किसी पक्षी को अपने बच्चों को आहार देते हुए देखा? वह तुम्हें कैसा लगा?

कुछ बच्चे घोंसले गिराने या अंडे तोड़ने जैसे नटखट कार्य करते हैं। जब हमारे घर पर कोई हमला करता है, तो हमें बहुत कष्ट होता है न। वही कष्ट पक्षियों को भी होता है। इसलिए पक्षी और उनके अंडों को नष्ट न करें।

सोचिए...

- क्या सब पक्षी घोंसलों में ही अंडे देते हैं?
- मुर्गी कहाँ अंडे देती है?

क्या आप जानते हैं?

सलीम अली! ये पक्षी वैज्ञानिक हैं। इन्होंने पक्षियों पर कई शोध किये और रचनाएँ भी की है। विश्व भर में इनके शोध कार्य पर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। ये हमारे भारतीय हैं।

नीलकंठ (पालिपट्टा)

नीलकंठ तेलंगाना राज्य का राज्य पक्षी है। दशहरा के दिन नीलकंठ को देखना तेलंगाना संस्कृति का अंश है । हमारे पूर्वजों का मानता है कि इसको देखना शुभ और सौभाग्य का सूचक है। यह एक दुर्लभ पक्षी है।

पेड़ काटने, कीटक नाशकों का अधिक उपयोग करने जैसे कार्यों से पक्षियों की संख्या घटती नजर आ रही है। हाल में यह सिद्ध हुआ कि सेलफोन टावर से निकलने वाले रेडियेशन से छोटे पक्षियों पर बुरा प्रभाव पड़ा। जिसके कारण वे लुप्त होने की स्थिति में पहुँच गये हैं। पक्षियों के लुप्त होने से कैसी समस्याएँ उत्पन्न होंगी? पक्षियों की रक्षा हम सबका दायित्व है।

4.3. कीट - सामूहिक जीवन

विजया ने अपने घर के आंगन के एक कोने में गीलि मिट्ठी का ढ़ेर देखा। तभी उसमें से 'ज़ ज़ ज़...' आवाज सुनाई दी। जो एक कीट था और वह उस ढ़ेर में चला गया। कुछ देर बाद फिर बाहर आया। अब विजया बड़ी उत्सकुता के साथ उसके पास जाकर देखने लगी। उस पदार्थ में कई कीट दिखाई दिए।

SCERT TELANGANA

जब उनके पिता घर की सफाई कर रहे थे, तो उन्होंने एक लकड़ी से इसे निकाला। जब उसमें देखा तो 'खाने' थे। ऐसे छत्ते को क्या कभी आपने देखा? ततियों के कई किस्म होते हैं। ततिया रहने के परिसर के अनुसार अपना छत्ता बना लेते हैं। मादा ततिया ही छत्ता बनाती हैं। ततिया समूह में मिलजुलकर जीवन यापन करते हैं।

रामू के घर के आँगन में एक बड़ा पेड़ है। उस पर मधुमक्खियो का छत्ता है। क्या आपने ऐसे छत्ते को देखा है? उनके खाने कैसे हैं? सैकड़ों मधूमक्खियाँ मिलकर रहते हैं और अपने मुँह से निकलने वाले स्राव से छत्ते का निर्माण करती हैं। इस तरह मिलकर रहने को ही सामूहिक जीवन कहते हैं।

सोचिए...

- रामू शरारती लड़का है। वह मधुमक्खी के छत्ते पर पत्थर फेंकता है। बाद में क्या हो सकता है। सोचकर लिखिए। ऐसा कर सकते हैं। क्यों कर नहीं सकते हैं?

डिकोरी और मधुमक्खियों के छत्ते को हिलाने पर वे आदमियों पर हमला करती हैं। ये डंक मारकर विष पदार्थ को शरीर में भेजती हैं। इससे प्राणों को खतरा हो सकता है। इसलिए उन्हें न छेड़ें।

मधुमक्खियों की तरह चींटियाँ भी समूह में जीती हैं। चींटियाँ भले ही छोटी हों, लेकिन उनसे हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। निम्नलिखित पद्धति के अनुसार चींटियों पर ध्यान दीजिए।

ऐसा कीजिए-

- आपके घर में या पाठशाला में किसी एक कोने में गुड़, चीनी जैसे पदार्थ रखिए। कुछ देर के बाद देखिए। चीटियों को जब उन पदार्थों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाते समय दूरबिन वाले लेंस से ध्यान से देखिए। लेकिन चींटियों को हानि नहीं पहुँचानी चाहिए।
- चींटियों के शरीर के भाग को ध्यान से देखिए। वे कैसे चल रही है?
- चींटियाँ खाने के पदार्थ कहाँ ले जा रही हैं?

SCERT TELANGANA

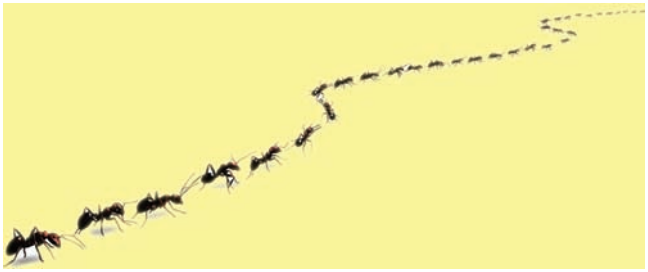

सामाजिक जीवन के लिए चींटियाँ आदर्शनीय माने जाते हैं। वे अपने कार्य को आपस में बांटकर अनुशासन के साथ काम करती हैं। चीटियां मुख्य रूप से तीन प्रकार की होती हैं। मजदूर, नर, रानी चींटियाँ इनमें से हैं। मादा चींटिया अंडे देती हैं और उनकी रक्षा करती हैं। चींटियों को उनके बच्चों का आहार देना, बिल बनाना और उसको मरम्मत करना जैसे कार्य मजदूर चींटियां करती हैं। चींटियाँ उनके घरोंदे को मिट्टी से बनाती हैं। घरोंदे में एक-एक स्थान को अपने निर्दिष्ट कार्यक्रमों के लिए उपयोग करती हैं। चींटियाँ आहार पदार्थों को दाँतों से टुकड़े-टुकड़े बनाती हैं।

कुछ प्रकार की चींटियाँ अपने बिल से दूर जाते समय एक प्रकार की गंध वाले प्रदार्थ को छोड़ते हुए चलती हैं। उस गंध के आधार पर वे अपने रास्ते को पकड़ सकती हैं। जब वे अपने बिल को लौटती हैं, इसी गंध के आधार पर पहुँच जाती है। चींटियाँ जब आमने-सामने होती हैं, उनके सिर टकराते हैं। ऐसा आपने भी देखा होगा? लेकिन वे ऐसा क्यों करती हैं?चींटियाँ आहार मिलने वाले स्थान के बारे में आने-जाने के मार्ग संबंधी समाचार का विनिमय करती हैं।

क्या आप जानते हैं?

एक चींटी अपने से 50 प्रतिशत अधिक वजन वाली वस्तु को ढो सकती है। चींटी के साथ सभी कीड़े-मकोड़ों को छः पैर होते हैं। चींटियों के सिर पर दो फीलर्स (एंटिना जैसे) होते हैं। ये आहार का पता लगाने, दूसरी चींटियों को समाचार देने में उपयोगी है।

चींटियों की तरह मधुमक्खियाँ भी समूहों में जीती हैं। कार्य विभाजन भी पाया जाता है।

हम जान चुके हैं कि हाथी, बाघ, बंदर जैसे जानवर और पक्षी को भी मिल जुलकर जीवन आवश्यक है। एक दूसरे की सहायता करना, जब कोई समस्या आती है, तो मिलकर सुलझाना चाहिए। इससे एक-दूसरे में प्रेम भावना बढ़ जाती है।

SCERT TELANGANA

4.4. पशु-पक्षियों पर करुणा

सोचिए...

- उपर्युक्त चित्रों में आपने क्या देखा?
- उपयुक्त चित्रों में जैसा आपने देखा, क्या कभी आपने पशु-पक्षियों को भोजन दिया है?
- क्या आपको पशु-पक्षियों को आहार देना, उनकी रक्षा करने पर कैसा लगेगा?

क्या आपने किसी पशु के (बिल्ली, कुत्ता, बैल, गाय) घायल होने पर इलाज करवाया? आपको कैसा लगा?

जानवर भी हमारी तरह प्राणी हैं। उन्हें कष्ट न दें। पत्थर न मारें। उनकी जरूरत पहचानकर उन्हें आहार, पानी देते हुए सहयोग करना चाहिए।

भूख से तड़पते कुत्ते, बिल्लियों आदि जानवरों को देखते ही आपको क्या लगता है। जानवरों को बांधकर न रखें। पक्षियों को दाना डालना चाहिए। जानवर और उनके बच्चों की देखरेख अच्छी तरह से करें।

SCERT TELANGANA

4.5. जैव विविधता

एक प्राँत में रहने वाले पेड़-पौधे और जानवर विविध प्रकार के होते हैं। इसी को 'जैव विविधता' कहते हैं। जमीन पर पाये जाने वाले हर जानवर को जीने का अधिकार है। सारे जानवर एक-दूसरे पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निर्भर होकर जीवन बिताते हैं। इसी को 'जैव विविधता' कहते हैं। इसलिए हर जानवर की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। मनुष्य का बिना सूझबूझ के पेड़ों को काटना, जंतुओं को मारना, जैसे अमानुषिक कार्यों से प्रकृति का संतुलन खोता जा रहा है। इसीसे जैव विविधता नष्ट हो रही है।

सोचिए...

- चित्र में आपने कौन-कौनसे जानवर देखे हैं? लिखिए।
- तालाब में कौन-कौन से जानवर हैं?
- इतने प्रकार के जानवर क्या आपने कभी देखे? कहां?
- इस तरह के जानवर यदि आप अपने प्रांत में देखा हे, तो उस संदर्भ को लिखिए।
- इतने प्रकार के जानवर क्या आज भी हैं? अगर नहीं तो क्या हुए?

खेतों में जाने पर तरह-तरह की फसलें, पेड़-पक्षी तथा कीड़े-मकौड़े दिखाई देते हैं। वे देखने में बहुत सुंदर होते हैं। नालियों में बहता पानी, नहरों में रहने वाली मछलियों से बहुत आनंद मिलता है। हमारे आस-पास के पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, पहाड़, नहर, नदी, पर्वत और समुद्र जैसी सारी चीजें जैव विविधता के अंतर्गत ही आती हैं।

SCERT TELANGANA

इस ज़मीन पर रहने वाले सभी प्रकार के जानवर और पेड़ की तरह मनुष्य भी जैव विविधता का एक हिस्सा ही है। पेड़ और जानवर उनके आवास, आहार लेने की आदतें तथा शरीर निर्माण में विलक्षणता दिखाते हैं। यही विलक्षणता विविधता को सूचित करती है।

ऐसा कीजिए-

- आपके गाँव के किसी इलाके को चुनिए। वहां के पेड़-पौधे, जानवर, पानी के स्रोत, पहाड़ जैसे विभिन्न प्रकार के चीजों पर ध्यान दीजिए। उनके बारे में लिखिए।
- जैव विविधता के बारे में आप क्या समझते हैं? लिखिए।
- आपके प्राँत में पूर्व काल में होकर आज न पाए जाने वाले पेड़-पौधों और जानवों के नाम अपने बड़ों से पूछकर लिखिए।

जैव विविधता के अंतर्गत आने वाले जीव-जंतु एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। जैव विविधता हमारे नित्य जीवन के लिए उपयोगी है। जल, हवा, आहार, आवास, इस तरह हर विषय में जीव-जंतु परस्पर एक-दूसरे पर निर्भर हैं। मनुष्य द्वारा किये जाने वाले कालुष्य के कारण कार्बनडाई आक्साइड, कार्बन मोनाक्साइड आदि वायु में फैल रहे हैं। इन्हीं से वातावरण पर बुरा असर पड़ रहा है। यह जैव विविधता के लिए खतरा है। हवा, जल, तापमान, समुद्री जीव, समुद्र तट जैसे इस प्रदूषण से प्रभावित हो रहे हैं। बहुत सारे जीव-जंतु वातावरण के इस बुरे प्रभाव के कारण विलुप्त होते जा रहे हैं।

आज की इस जैव विविधता हजारों वर्ष पूर्व पनपी है। हमारे जीवन के लिए उपयोगी हर सुविधा को यह जैव विविधता उपलब्ध कराती है। आहार, ईंधन, औषधि, सूखी लकड़ी, फल, फसल, जलचर, सूक्ष्मजीव, आदि उपलब्ध हो रहे हैं।

समूह में चर्चा कीजिए-

- विविध प्रकार के पेड़-पौधों को नष्ट होने से क्या समस्याएं हैं? जलचर केसे नष्ट हो रहे हैं?
- जैव विविधता की रक्षा के लिए आप क्या करेंगे?
- जंगलों के घटने से जैव विविधता को किस तरह नष्ट होंगे?

सभ्यता, नगरीकरण, मजदूर क्राँति और मनुष्य के स्वार्थ के कारण जैव विविधता का संतुलन नष्ट हो रहा है। कई पेड़-पौधे, पशु, वन्यप्राणी दिन-ब-दिन घटते जा रहे हैं। कई जीव जातियां लुप्त होती जा रही हैं।

SCERT TELANGANA

यह जमीन सब प्रकार के प्राणियों के लिए है। ये जीवन अपने आस-पास के सजीव-निर्जीव पर्यावरण पर निर्भर है। मनुष्य पहाड़, झरने, नदी, समुद्र जैसे सहज वस्तुओं के ढांचे में बदलाव का कारण बन रहा है। ऐसा करने से जमीन पर जीव जंतु हो रहे हैं।

हर प्राणी को जीने का अधिकार है। इस अधिकार को सुरक्षित रखना है। जैव विविधता की रक्षा के लिए पेड़-पौधों को लगाना, जंतुओं की सुरक्षा के उपाय करना, प्रकृति को नष्ट नहीं करना चाहिए। जल प्रदूषण को रोकना है। जैव विविधता की रक्षा ही मनुष्य की रक्षा है। जैव विविधता को क्षति पहुंचेगी तो मानव के लिए जीना मुश्किल हो जाएगा।

4.5.1. लुप्त होती संपत्ति

चित्र में दिखाई दे रहे डायनासोर के बारे में आप क्या जानते हैं। वे अब जमीन पर नहीं हैं। ठीक उसी तरह हजारों जानवर, पक्षी, कीड़े-मकोड़े दिखाई नहीं दे रहे हैं। एक जमाने में हमारे देश में बाघ, शेर, जैसे जानवर जंगलों में हजारों की संख्या में होते थे। जंगलों के नष्ट होने से उनका अस्तित्व ही संदेह में पड़ गया है। कुछ प्रकार के बाघ तो न के बराबर हो चुके हैं। इनकी रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। जंगलों के काटने से क्या होगा? इसका प्रभाव किन-किन विषयों पर पड़ता है।

ऐसा कीजिए-

आपके गांव के वयोवृद्धों से पूछताछ करके पूर्वकाल में रहकर आज न दिखाई देने वाले पशु-पक्षी एवं कीड़े-मकोड़े आदि का समाचार संग्रहण कीजिए। बाद में एक तालिका बनाइए।

लुप्त होते जानवर	पक्षी	कीड़े-मकोड़े

इस चित्र में दिखाई देने वाले सफ़ेद बाघ जानवर लुप्त होने को हैं। मानव की सूझबूझ के अभाव से यह बुरे परिणाम हमारे सम्मुख आ गये हैं। लुप्त होने की संभावना वाले पशु-पक्षियों की रक्षा के लिए सरकार जंगलों की सुरक्षा के पर्याप्त कदम उठा रहे हैं। पशु-पक्षी को हमारी अपनी संपदा मानकर उनकी सुरक्षा करना चाहिए।

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द:

1. जीवनशैली	5. शत्रु से रक्षा पाना	9. सूक्ष्म जीव
2. जैव विविधता	6. पक्षियों के घोसले	10. जीवाणु
3. जंतुओं का झुंड	7. पक्षियों के आवास	11. अनुसंधान
4. रक्षा पाना	8 सामूहिक जीवन	12. लुप्त होना

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) किन्हीं दो जानवरों की जीवन शैली लिखिए?

आ) मकड़ी के घोसले और पक्षी के घोसले में क्या अंतर है?

इ) घोंसले बनाने में पक्षी किन वस्तुओं का उपयोग करते हैं?

ई) पक्षी और पशु घोंसले क्यों बनाते हैं?

उ) पशु-पक्षियों की जीवनशैली में क्या-क्या समानताएँ और असमानताएँ हैं?

ऊ) जैव विविधता किसे कहते हैं? पशु-पक्षियों को जीने का अधिकार है। इसका समर्थन तुम कैसे करोगे?

2. प्रश्न करना- अनुमान लगाना

- रामू ने खेत में एक मधुमक्खी के छत्ते को देखा। वह उसकी अधिक जानकारी प्राप्त करना चाहता है। रामू अपने पिताजी से कौन-कौनसे प्रश्न पूछता होगा?

3. प्रायोगिक कार्य-क्षेत्र निरीक्षण

अ) पक्षी के घोंसले के निर्माण पर ध्यान दीजिए। उसके संबंध में क्रम में लिखिए।

आ) पक्षी आहार लेते समय देखिए। आपके द्वारा देखे गये विषयों को लिखिए।

4. समाचार संकलन-परियोजना कार्य

अ) विभिन्न प्रकार के पक्षियों के घोंसले के नमूने बनाइए। उनसे Scrap Book तैयार कीजिए।

आ) आपके आस-पास के विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षियों के आवास और निर्माण के लिए उपयोग किये गये वस्तुओं का विवरण देते हुए तालिका बनाइए।

SCERT TELANGANA

क्र.सं.	पक्षी-पशु का नाम	आवास का नाम	उपयोग किये गये वस्तु

5. चित्रांकन, मानचित्र कौशल, नमूना द्वारा भाव विस्तार

अ) तुम्हारे मनपसंद पक्षी के घोंसले का नमूना तैयार करके उसका विवरण दीजिए।

आ) किसी पक्षी के चित्र को उतारकर उसे रंगों से भरिए। उसका विवरण दीजिए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबंधी जागरूकता।

अ) हरिता तोते को पिंजरे में रखकर उसे फल खिलाती है। क्या इस तरह पक्षी को पिंजरे में रखना उचित है? क्यों? **यदी आप नव्या की जगह होते तो क्या करते?**

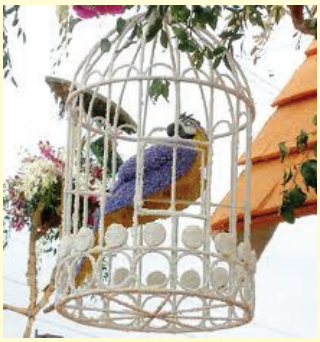

आ) सभी प्राणियों को जीने का अधिकार है। इनकी रक्षा करना हम सबका दायित्व है। इस पर जोर देते हुए नारे लिखिए। उनकी रक्षा के लिए हमें क्या करना चाहिए, इसका भी विवरण दीजिए।

मैं यह कर सकता हूँ?

1.	मैं पशु-पक्षियों की जीवनशैली का विवरण दे सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	जैव-विविधता का वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	मैं पशुओं के आवास संबंधी आवास के नमूने तैयार करके प्रदर्शित कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	मैं पक्षियों के घोंसले संबंधी स्क्रैप बुक तैयार करके प्रदर्शित करता हूँ।	हाँ/नहीं
5.	मैं पशु-पक्षियों के प्रति करुणापूर्वक व्यवहार करूँ गा। उन्हें आहार दूँगा।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

5 हमारे आसपास के पेड़-पौधे
(Plants around us)

हमारे आस-पास अनेक पेड़-पौधे हैं। उन्हें देखकर हमारे मन में आनंद और उल्लास छा जाता है। धरती पर मनुष्य और पशु-पक्षियों का जितना महत्व है, उतना ही पेड़-पौधों का भी है। इनमें कुछ छोटे हैं, तो कुछ बड़े। कुछ पेड़ तो बहुत बड़े होते हैं। पशुओं की तरह पेड़-पौधों में भी कई प्रकार पाये जाते हैं।

पिछले पृष्ठ में आपने कुछ चित्र देखे हैं, इनमें कुछ पेड़ बहुत ऊँचे होते हैं तो कुछ झाड़ियों के रूप में फैले हुए हैं, इनमें कुछ लताएँ भी हैं। अपने मित्रों से चर्चा करके चित्र में दिये गये पेड़-पौधों को अलग करके तालिका में उचित स्थान पर लिखिए। इसी प्रकार आप अपने दैनिक जीवन में देखने वाले विविध पेड़-पौधों के नाम भी लिखिए।

समूह में चर्चा कीजिए:

- कौन-कौन से पेड़-पौधे हैं? क्या सभी एक ही तरह के हैं?
- इनमें क्या अंतर है?
- किनमें लताएँ होती हैं? कौनसी झाड़ियाँ है? कौन से पेड़ ऊँचे होते हैं? क्या आप जानते हैं कि इन्हें क्या कहते हैं?

5.1. लताएँ, झाड़ियाँ, पेड़

तुरइ, करेला, चमेली जैसे पौधों के तने कमजोर रहने के कारण ये किसी के सहारे ऊपर चढ़कर फैल जाती हैं। इसलिए इन्हें फैलने या चढ़ने वाले पौधे (लताएँ) कहते हैं। गेंदा, मिर्ची, गुलाब के पौधे झाड़ियाँ कहलाते हैं। इसके ऊपरी भाग (तना) से शाखाएँ अधिक मात्रा में आती हैं। इमली, पीपल, आम आदि ऊँचे और बड़े होते हैं।

इन्हें वृक्ष कहते हैं। इनके तने मज़बूत और लंबे होने के कारण हमें इनसे लकड़ियाँ प्राप्त होती हैं। ये छायादार होते हैं। झाड़ियाँ, लताएँ, वृक्ष संबंधी जानकारी आपने प्राप्त कर ली है। अब इसके दो या तीन उदाहरण लिखिए।

लताएँ	झाड़ियाँ	पेड़

5.2. पौधे और उनके भाग

हमारे चारों ओर लताएँ, झाड़ियाँ, पेड़-पौधे आदि होते ही हैं। इनमें से कुछ फूल, कुछ फल, कुछ सब्जियाँ और कुछ लकड़ियाँ देते हैं। तो इनमें क्या-क्या भाग होते हैं, आपको मालूम है?

SCERT TELANGANA

इस पौधे पर ध्यान दीजिए :

इसमें आपको क्या-क्या दिखाई दे रहा है? क्या आप इनके भागों के नाम जानते हैं? इनमें कौन से भाग मिट्टी के भीतर दबे हैं और कौन से ऊपर हैं? लिखिए।

पौधों में साधारणतया जड़, तना, पत्ते, शाखाएँ, फूल, फल आदि होते हैं। इनकी जड़ें धरती के भीतर होती हैं। तना, पत्ते, फूल धरती के ऊपर होते हैं।

पौधे के भागों को आपने पहचाना ही होगा, कौन सा भाग पौधे को किस प्रकार सहायता देता है, मालूम करेंगे।

इस प्रकार कीजिए।

अपनी पाठशाला के चहारदीवारी में एक फूल का पौधा उगाइए और उसका परीक्षण कीजिए। इस पौधे की तुलना चित्र में दिए गये पौधे से कीजिए। क्या इस पौधे में भी चित्र में दिखाए पौधे के भाग ही हैं? क्या सभी पौधों के भाग ये ही होते हैं। आपके मित्रों ने भी इसी प्रकार का निरीक्षण किया होगा, उनसे इस संबंध में चर्चा कीजिए और बताइए कि पौधों में कौन-कौन से भाग होते हैं।

5.2.1. जड़

आप जान चुके हैं कि पौधों के जड़ होते हैं, इनसे पौधों को क्या लाभ है? आपलोग मिलकर कुछ पौधों जैसे-धान, जवार, मिर्ची, कपास आदि की जड़ें एकत्र कीजिए। उन्हें ध्यान से देखकर उनके चित्र उतारिए। क्या इन पौधों की जड़ों के बीच कोई अंतर है? वे क्या हैं? लिखिए।

धान की जड़े	जवार की जड़े	शिमला मिर्च की जड़े	कपास की जड़े

SCERT TELANGANA

हेमंत को आश्चर्य हुआ कि उसके आँगन के नीम के पेड़ की जड़ें उसके घर की दीवारों तक पहुँच गई हैं। उसके मन में कुछ प्रश्न उठे। वे प्रश्न क्या होंगे? अपने मित्रों से चर्चा कीजिए।

समूह में चर्चा कीजिए।

- उतनी दूरी तक जड़ें कैसे गई होंगी?
- पेड़ को पानी कैसे मिलता है?
- सड़क के किनारे एवं जंगल के पेड़ों को पानी कैसे मिलता होगा?

क्या आपको पता है कि जड़, पेड़ के लिए किस प्रकार सहायक हैं? धरती के भीतर के पेड़ के भाग को जड़ कहते हैं। जिस प्रकार नींव दीवार को मजबूत रखती है, उसी प्रकार जड़े पेड़ को बल देते हैं। ये उसे सीधे खड़े रहने में सहायता देती हैं। जड़ों के माध्यम से ही पेड़, जल एवं पोषक तत्व ग्रहण करते हैं।

5.2.2. तना

जड़ों से निकले हुए धरती से ऊपर के पेड़ के भाग को तना कहते हैं। इस तने से डालियाँ, शाखाएँ आदि पेड़ के अन्य भाग निकलते हैं। क्या सभी पौधों के तने इस तरह के होते हैं?

इस प्रकार कीजिए।

अपने आसपास के पौधों को ध्यान से देखिए। उनके तने कैसे हैं? आपने जो जानकारी प्राप्त की, उसे निम्न तालिका में लिखिए। सही के लिए '✓' का निशान लगाइए।

क्र. सं.	पौधे का नाम	तने का स्वभाव		तने का रूप					पेड़ की किस्म		
		मुलायम	कठोर	पतला	स्टाउट	छालदार	काँटेदार	रंग	लता	ब्रश	पेड़

आपने अपने आसपास के ही मचार-पाँच पौधों का निरीक्षण कर चुके हैं। इस जानकारी द्वारा आपने क्या सीखा? आपके मित्रों ने भी पौधों की जानकारियाँ एकत्र की होंगी। उनसे मिलकर चर्चा कीजिए।

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए।

- तालिका के पौधों में छालदार तने किन के हैं? उनके रंग क्या हैं?
- मुलायम तनों वाली लताओं के पौधे कौन से हैं?
- कठोर तनों वाले काँटेदार पौधे कौन से हैं?
- मुलायम तनों वाले काँटेदार पौधे कौन से हैं?
- पतले तने वाली लताएँ किन पौधों की हैं?
- तने, पौधों के लिए किस प्रकार उपयोगी हैं?

पौधों के तने एक ही तरह के नहीं होते। कुछ तनों के काँटे, कुछ तने मुलायम, कुछ तने खुरदरे भी होते हैं। कुछ तनों में छाल भी रहता है। पौधों के तने उन्हें खड़े होने के लिए शक्ति देते हैं। जड़ द्वारा ग्रहण किया जल और पोषक पदार्थ तनों के द्वारा ही पेड़ के अन्य सभी भागों में पहुँचते हैं। इसके बारे में अधिक जानकारी आप आगे की कक्षाओं में प्राप्त करेंगे।

5.2.3. पत्ते-फूल-फल

आपको मालूम है कि पौधों में जड़, तने के साथ पत्ते, फूल भी रहते हैं। क्या सभी पौधों के पत्ते समान रंग, आकार व परिमाण में होते हैं। वे पौधों को किस प्रकार उपयोगी होते हैं?

संग्रह कीजिए।

- अपने आसपास देखिए। चार-पाँच प्रकार के पौधों के पत्ते एकत्र कीजिए। उनके चित्र उतारिए। क्या वे एक ही प्रकार हैं। क्या-क्या अंतर है? लिखिए।

पौधों में आहार निर्माण करने वाले भागों को ही पत्ते कहते हैं। पत्तों के हरे रहने का कारण उनमें निहित पर्णहरित ही है। पौधों में जितने अधिक पत्ते हों तो वे उतना ही अधिक आहार निर्माण करते हैं। इसीलिए पौधों से पत्ते अनावश्यक नहीं तोड़ने चाहिए। पत्तों को तोड़ने से पौधे का ठीक से विकास नहीं हो पाता।

सूर्य से आनेवाली धूप एवं रोशनी एक तरह की उर्जा है। इस शक्ति को पत्ते ग्रहण करके आहार का निर्माण करते हैं। इन पौधों के द्वारा बीज, फल आदि उपजाने की शक्ति इसी उर्जा द्वारा प्राप्त होती है। इन्हें खाने से मनुष्य और पशु-पक्षियों को भी शक्ति प्राप्त होती है।

सोचिए।

- मानव और पशु-पक्षियों को शक्ति कहाँ से मिलती है?
- सूर्य एक उर्जास्रोत है। इसका उपयोग हम किस प्रकार कर सकते हैं?

SCERT TELANGANA

आपने पौधों के पत्तों के बारे में जाना। पत्तों के जैसे ही पौधों में फूल, फल आदि भी लगे होते हैं।

समूह में चर्चा कीजिए।

- उपर्युक्त चित्र में कौन-कौन से फल और साग-सब्जियाँ हैं?
- फल और साग-सब्जियाँ हमें कहाँ से प्राप्त होती हैं?
- पौधे कहाँ से आते हैं?
- क्या सभी पौधे बीजों से ही पनपते हैं?
- बीज कहाँ से आते हैं?

नीचे दिया गया चित्र देखिए। अपने मित्रों से इसके बारे में चर्चा कीजिए और लिखिए।

हमको आवश्यक फल-फूल, साग-सब्जियाँ पौधों से ही प्राप्त होता है। ये जिससे पनपते हैं वे बीज

SCERT TELANGANA

ही हैं। बीजों के मूल फूल ही हैं। फूलों को किन-किन संदर्भों में उपयोग किया जाता है, मालूम करेंगे।

फूलों को आपने देखा ही होगा। ये फूल फूलने से पहले कैसे रहते हैं? इन फूलों से हम क्या करते हैं? फूल और कली के बीच क्या संबंध है? क्या आपको पता है कि कलियों को फूल के रूप में आने

इस प्रकार कीजिए।

- अपने घर, गली, पाठशाला व आसपास के पौधों में लगने वाले फूलों को देखिए। उनकी कलियों का निरीक्षण कीजिए।
- इन कलियों को फूल बनने में कितने दिन लगेंगे? अनुमान लगाइए।
- आपने किन फूलों की कलियों का निरीक्षण किया? उनके फूल किस रंग के होते हैं?
- फूलों में कुछ में एक ही फूल खिलता हैं। कुछ फूलों में फूलों के गुच्छे खिलते हैं। आप द्वारा निरीक्षण की गई कलियों में इस प्रकार के फूल हैं क्या?
- आप द्वारा देखे फूलों में किसका तना अधिक लंबा है?
- क्या सभी फूल सुबह में ही खिलते हैं?
- क्या किसी फूल की डाली में काँटे होते हैं? वे क्या हैं?
- आप द्वारा देखे गये फूलों में कुछ लताओं में खिलने वाले फूल भी होते हैं। वे क्या हैं?
- कौन से फूल किस काल में खिलाते हैं?

तक कितना समय लगता है? इसके लिए नीचे दिये अनुसार कीजिए।

फूलों के बारे में आप अनेक जानकारियाँ प्राप्त कर चुके हैं। साधारणत: फूल किस मौसम में अधिक खिलते हैं? फूलों के अनेक रंग एवं गंध होते हैं न! कुछ फूल छोटे तथा कुछ बड़े होते हैं न! कुछ फूल ही फल के रूप में विकसित होकर हमारी आवश्यकता पूरी करते हैं। फूल अपनी शोभा से हमारा मन मोह लेते हैं। हमारी पाटशाला, घर के आँगन और सड़क के किनारे यदि फूलों के पौधे हों तो बहुत अच्छा लगता है। फूल के पौधों के बीच में खेलना कितना अच्छा लगता होगा न। फूलों को सजाने व पूजा करने के लिए भी उपयोग में लाते हैं। कुछ प्रकार के फूलों से सुगंधद्रव्य निकालते हैं। अपने घर में फूलों के पौधे लगाइए।

क्या आपको मालूम है?

संसार में सबसे बड़ा फूल रफ्लीशिया है। इसका व्यास लगभग एक मीटर तथा भार चार किलोग्राम तक रहता है। इसके फूलों की महक सड़े गले मांस की तरह होती है जो दो किलोमीटर दूरी तक फैली होती है।

SCERT TELANGANA

अपनी अनुभूत डायरी में लिखिए।

5.3. फूल-रोजगार

फूलों के आधार पर जीने वाले लोग भी हैं। इसका व्यापार भी होता है। सबके घर में फूलों के पौधे नहीं होते हैं। ऐसे लोग फूलों को खरीदते हैं। आपने भी फूल खरीदा ही होगा। फूल कहाँ-कहाँ बिकते हैं? उन्हें वे फूल कहाँ से प्राप्त होते हैं? इस जानकारी को मालूम करने के लिए फूल बेचने वाले से मिलकर निम्न समाचार प्राप्त कीजिए।

संग्रह कीजिए।

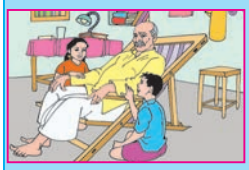

- चाचाजी! आपका नाम क्या है?
- यह व्यापार आप कब से कर रहे हैं?
- आप कौन-कौनसे फूल बेचते हैं?
- कौन-कौन फूल खरीदते हैं **और कब? इन्हें वे क्यों खरीदते हैं?**
- आपको इस काम से कितना लाभ होता है?
- आपको किस-किस अवसर पर अधिक लाभ होता है?
- किस प्रकार के फूल बेचने पर आपको अधिक लाभ होता है?
- आपके द्वारा बेचे गये फूल क्या इसी क्षेत्र से आते हैं?
- क्या आप दूसरे राज्यों से भी फूल लाकर बेचते हैं?
- इन फूलों को नष्ट होने से बचाने के लिए आप क्या करते हैं?
- आपके परिवार में कौन-कौन इस काम में आपकी सहायता करते हैं?

इस प्रकार के कुछ और प्रश्न भी आप अपनी ओर से बनाकर पूछिए।

क्या आप इन फूलों के बारे में जानते हैं?

प्यासीफ्लोरा

बॉटल ब्रस

SCERT TELANGANA

5.4. फूलों से फलों तक

फूल ही फल के रूप में बदलते हैं। क्या आपने इन्हें बदलते हुए कभी देखा है? फूलों को फल के रूप

में बदलने की प्रक्रिया नीचे चित्र में है। उन्हें देखकर क्रम दीजिए।

चित्र में आपने अनार के फूलों से फल बनते हुए देखा। आपके आसपास भी अनेक फूल अमरूद, पपीता, तुरई, करेला, सेम आदि से आते ही होंगे। उनका निरीक्षण कीजिए। उनके चित्र उतारकर अपने मित्रों को बताइए।

फूल केवल हमारे लिए ही उपयोगी हैं क्या? क्या आपने बगीचे में फूलों को देखा है? बगीचे में फूलों पर भौंरे, तोते, तितलियाँ, मधुमक्खियाँ आदि बैठती हैं। क्या ऐसा आपने कभी देखा है? वे फूलों के ऊपर क्यों बैठते हैं?

© SCERT TELANGANA

निम्न चित्र में क्या-क्या है? इसमें क्या हो रहा है? बताइए।

चित्र को आपने देखा। भौंरे, तोते, तितलियाँ, मधुमक्खियाँ, आदि फूलों के ऊपर बैठकर उनका मकरंद (रस) चूस रही हैं। फूलों से वे आहार ग्रहण करते हैं। इससे पौधों को भी लाभ होता है। इस प्रकार फूलों को फल के रूप में विकसित होने में भौंरे, तोते, तितलियाँ, मधुमक्खियाँ आदि भी सहायक होती हैं। इसके बारे में आप अधिक जानकारी अगली कक्षाओं में प्राप्त करेंगे।

5.5. फल और बीज

पौधों को उगाने के लिए बीज की आवश्यकता होती है। ये बीज कहाँ से आते हैं, क्या आपको मालूम है? बीज कैसे होते हैं और वे कैसे विकसित होते हैं, क्या आपको मालूम है? चित्र देखें और मित्रों से चर्चा

समूह में चर्चा कीजिए।

- आपके द्वारा खाये गये किन-किन फलों में बीज रहते हैं? क्यों?
- क्या सभी फलों में एक समान बीज रहते हैं?
- किसमें कितने बीज रहते हैं? क्या आपको मालूम है?
- क्या सबमें बीजों की संख्या समान होती है?
- एक ही बीजवाले फलों और सब्जियों के नाम बताइए।
- अनेक बीजवाले फलों और सब्जियों के नाम बताइए।
- बीजरहित फलों और सब्जियों के नाम बताइए।

SCERT TELANGANA

कीजिए।

5.6. क्या सभी बीज एक ही तरह होते हैं?

क्या सभी बीज एक ही तरह के होते हैं? तो क्या उनके बीजों और पौधों के परिमाण में कुछ संबंध है? क्या सभी पौधे बीजों से ही आते हैं? बिना बीजों के पनपने वाले पौधों के बारे में क्या आप जानते

बरगद का पेड़

नारियल का पेड़

हैं? क्या बड़े पेड़ों के बीज बड़े होते हैं? सोचिए।

पेड़ों के आकार से कोई संबंध नहीं रखते हुए कुछ बीज छोटे तो कुछ बड़े होते हैं। कुछ बीज छिलके वाले तो कुछ मुलायम होते हैं। कुछ पौधे जैसे- जवार, मक्का, अनार आदि अधिक बीज उगाते हैं। सेब, सेम, आदि में दो-चार या छः बीज ही होते हैं।

5.7. बीजों का अंकुरण

बीजों के बारे में आप बहुत कुछ जान चुके हैं। तो बताइए कि बीज कैसे **अंकुरित होते** हैं? क्या आप इस बारे में जानते हैं? क्या आपने कभी कोई बीज बोया है? ऐसा करने पर क्या होता है? बीज कितने

इस प्रकार कीजिए।

आप सभी समूह में विभाजित होकर दस-दस मूँग के बीज, पानी वाले डिब्बे, भीगे हुए कपड़े में और खाली डिब्बे में रखिए। कपड़े को पानी से भिगाते रहिए। दो दिनों तक उनका निरीक्षण करके अपने निरीक्षण तालिका में लिखिए। इस प्रकार अलग-अलग समूह, अलग-अलग अनाज जैसे-चना, मटर आदि के साथ कीजिए।

SCERT TELANGANA

	डिब्बा- 1	डिब्बा - 2	डिब्बा - 3
मूँग के बीजों को हवा लगना			
क्या इन बीजों को पानी दिया गया है?			
आपके द्वारा प्राप्त बदलाव			
बीजों का **अंकुरण**			

दिनो में पनपते हैं? बोये गये सभी बीज क्या उगते है? इनके बारे में मालूम करने के लिए निम्न प्रकार कीजिए।

- किस डिब्बे के बीज उगे हैं? पनपने वाले बीजों के डिब्बे और अन्य डिब्बों में क्या अंतर है?

बीज अंकुरित के लिए हवा, पानी और रोशनी की आवश्यकता है।

बीज कैसे **अंकुरित** होते हैं आपको मालूम हो ही गया होगा। हमारे भोजन में धान की फसल का

संग्रह कीजिए।

- दान पनपने के लिए क्या करते हैं?
- धान के बीज कितने दिन में पनपते हैं?
- धान के बीजों को **अंकुरित होने** के बाद क्या करते हैं?

अधिक महत्व है। धान द्वारा ही चावल आता है। इसे हम पकाकर खाते हैं। क्या आप जानते हैं कि धान कैसे पनपते हैं? इसके बारे में आप बड़ों व किसानों से पूछ कर पता करें।

5.8. क्या सभी बीज अंकुरित होते हैं?

रहीम ने एक दिन कुछ इमली के बीज तथा धनिया के बीज अपने आँगन में छींटे। इमली के बीजों पर छिलके कठोर रहता है। धनिया के ऊपर कोमल होता है। उन्हें बोने के बाद वह उन्हें रोज पानी देता था। बोने के बाद बीज किस दिन उगेगा उसकी प्रतीक्षा वह बड़ी आतुरतां के साथ कर रहा था। एक-एक दिन क्या हो रहा था, नोटबुक में लिख रहा था। थोड़े दिन के बाद वे बीज अंकुरित हुए। लेकिन बोये गये सभी नहीं **अंकुरित हुये**। थोड़े बीजों में **अंकुरण** के बाद पत्ते भी आये। कुछ बीज जो नहीं **अंकुरित हुए** उनके

SCERT TELANGANA

न **अंकुरण** का क्या कारण रहा होगा? सोचिए, बीज **अंकुरित होने** के लिए उसके भीतर क्या रहता होगा। आप भी इस प्रकार कीजिए और अपना निरीक्षण कक्षा में चर्चा कीजिए।

अच्छी उपज लायक स्थितियों में बोने से बीज अच्छी प्रकार **अंकुरित होते** हैं, तो मिट्टी किस प्रकार उपजाऊ बनती है, क्या आपको मालूम है? मरे हुए जीव-जंतु, पेड़ों से झड़े हुए पत्ते, जंतुओं के विसर्जित

क्या आपको मालूम है?

पार्थीनियम पौधे को काँग्रेस वीड (खर-पतवार) कहते हैं। यह आस्ट्रेलिया से गेहूँ आयात के समय खर-पतवार के रूप में गलती से यहाँ आ गई। सड़क के बाजू में, खेल स्थानों में, खेतों में जहाँ-तहाँ ये पनपाते हैं। आजकल यह हमारे देश के लिए बड़ी बाधा के रूप में मौजूद है। इसके परागों द्वारा फेफड़ों, आँखों और चर्म की बिमारी होती है।

पदार्थ आदि में निहित सूक्ष्म जीवाणुओं आदि के द्वारा मिट्टी उपजाऊ बनती है। कुछ जीव-जंतु मिट्टी के भीतर रहते हैं, ये इसे उपजाऊ बनाने में सहायक हैं। केंचुए को किसानों का मित्र कहा जाता है, मालूम है क्यों?

5.9. बीजों की यात्रा (बीजों की व्याप्ति)

© CERT TELANGANA

एक बार बोया गया बीज कहीं जाता तो नहीं होगा। लेकिन उसके बीज कहीं भी जा सकते हैं। यह कैसे संभव होता है, क्या आपको मालूम है? क्या आपने बीजों को हवा में कभी उड़ते हुए देखा है। आपके द्वारा संग्रह किया गया कोई भी बीज हवा में उड़ता है क्या? कुछ बीज कहीं भी सहज रूप से उग आते हैं। पेड़ों से गिरते समय कुछ पेड़ों के बीज हवा में उड़कर उनसे दूर चले जाते हैं और उग आते हैं, जैसे- मदार/आक आदि।

पशुओं जैसे- बकरियाँ, गाय, भैंस, बैल आदि खेतों में जब चरने जाते हैं तब उनके बालों में थोड़े बीज चिपक जाते हैं। उन्हीं के साथ वे दूर चले जाते हैं और वहीं उग आते हैं, उदाहरणतः पल्लेरु (एक प्रकार का काँटेदार पौधा), भटकोई आदि। हम जब खेतों में बैठते हैं तो वहाँ घास के बीज हमारे कपड़ों में चिपक जाते हैं। कपड़ों को झाड़ते समय वे दूर गिरकर उग आते हैं। क्या आपने कभी पशुओं के बालों में बीजों को चिपके देखा है? कुछ पौधों के फल अधिक सूख जाने के कारण फूट जाते हैं, जिससे उनके बीज फैल जाते हैं। यदि बीज ऐसे ही एक ही जगह पर इकट्ठे रह जायें तो क्या होता होगा? कुछ पेड़ों के बीज जल द्वारा बहकर दूर चले जाते हैं। वे वही मिट्टी में दबे रहते हैं। कभी-कभी वहीं उनके पौधे पनप जाते हैं। इस प्रकार बीज जंतुओं, पशुओं, मनुष्यों, जल, वायु आदि द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचते हैं। इस कारण अनेक प्रांतों में हम ऐसे पौधों को देख सकते हैं।

5.10. नर्सरी

यदि आपको फूलों या फलों के पौधे घर में लगाने हों तो आप उन्हें कहाँ से खरीदेंगे? निम्न चित्र देखिए।

हम घर, बगीचे, पाठशाला आदि में लगाये जाने वाले पौधे नर्सरी से ही आते हैं। विविध प्रकार के पौधों का उत्पादन करने वाले केंद्र को नर्सरी कहा जाता है। नर्सरी से पौधों को पनपाकर आपूर्ति की जाती है। वन विभाग भी नीम, गुलमोहर, सागौन आदि के पौधे लोगों को लगाने के लिए यहीं से मुहैया कराता है।

हम देख सकते हैं कि पौधों की हज़ारों किस्में रेगिस्तानी पौधों से अलग-अलग होती हैं, जैसे- कैक्टेस से लेकर बोन्साई का पौधा, जैसे विभिन्न तरीके से ग्राफ्टिंग टिश्युओं से पौधे पैदा होते हैं। नियंत्रित जलवायु परिस्थितियाँ एक स्थान पर एक शेड नेट और पॉली हाउस में पौधों को उगाना एक प्रकार की जैव विविधता है। यह बढ़ते प्रदूषण को रोकता है और पर्यावरण की रक्षा करने में नर्सरी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नर्सरी

SCERT TELANGANA

5.11 पाठशाला, घर के आँगन में पौधे लगाना

बच्चो, हरियाली-सफाई कार्यक्रम के अंतर्गत आप पाठशाला में पौधे लगा रहे हैं ना। निम्न बातें दलों में चर्चा कीजिए।

''पेड़-पौधे लगाओ - देश को हरा-भरा बनाओ।'' नारा आपने सुना। इसका अर्थ क्या है? आप अपने घर के आँगन में कोई पौधा लगाइए। वे किस तरह के पौधे हैं?

पेड़ों से होनेवाले लाभ के बारे में अपने मित्रों से चर्चा करके तालिका में लिखिए।

मनुष्य को होने वाले लाभ	जानवरों को होने वाले लाभ	पक्षियों को होने वाले लाभ

पौधों से इतने उपयोग हैं ना। फिर आप अपने क्षेत्र के नर्सरी कादर्शन करके वहाँ से कुछ पौधे लाकर अपनी पाठशाला और घर के आँगन में उनका रोपण कीजिए।

मुख्य शब्द :

1. लताएँ
2. झाड़ियाँ
3. वृक्ष
4. पौधों के भाग
5. जड़
6. तना
7. पर्णहरित
8. बीज
9. जीवनाधार
10. अंकुरण
11. नर्सरी
12. पर्यावरण संरक्षण

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) लताओं, झाड़ियों और पेड़ों के बीच में समानता और अंतर लिखिए।

आ) पौधों के कौन-कौन से भाग हमारे उपयोग में आते हैं? दो-दो उदाहरण लिखिए।

इ) फूल जीवन का आधार है। आप यह कैसे कह सकते हैं?

ई) नर्सरी किसे कहते है? वे किस लिए होते हैं?

उ) बीज कब अंकुरित होते हैं?

SCERT TELANGANA

2. प्रश्न करना - परिकल्पना करना

- राजु ने एक गुलाब का पौधा बोया। वह ठीक प्रकार नहीं बढ़ा। वह सूख गया। इसके कारण का अनुमान लगाइए। आपने जो अनुमान लगाया है क्या वह सही है? पता लगाइए।

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र पर्यटन

- बीजों से पौधे बनने के सोपानों को क्रम में लिखिए।
- किसी भी प्रकार के कुछ बीज मिट्टी में बोइए। उन्हीं के कुछ बीज एक डिब्बे, रेत में बोइए। उन सबको रोज पानी दीजिए। पाँच दिन के बाद क्या हुआ? बताइए।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

- अपने किसी पहचान के किसान के पास जाइए। वे सब्जियों को उपजाने के लिए क्या-क्या करते हैं? मालूम करके क्रम में लिखिए।

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) एक फूल से फल बनने की प्रक्रिया को चित्र द्वारा बताइए।

आ) अपनी पसंद के किसी फूल का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए। उसके बारे में लिखिए।

इ) आपके आसपास मिलने वाले फूलों, घासों, पत्तों आदि से एक गुलदस्ता तैयार कीजिए। इसे आपने कैसे तैयार किया? अपनी कक्षा में सुनाइए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबंधी जागरूकता।

अ) आपकी एक दोस्त पाठशाला में कुछ पौधों को बोकर उनकी देखभाल कर रही है। एक साल के बाद उसने उन पौधों का जन्मदिवस भी मनाया। उसके पौधों के प्रति प्रेम को देखकर आप को कैसा लग रहा है।

आ) पेड़-पौधों को हमें क्यों लगाने चाहिए? और उनका संरक्षण क्यों करना चाहिए? इस संबंध में कुछ नारे लिखिए।

मैं यह कर सकता हूँ?

1.	मैं लताओं, झाड़ियों, पेड़ों संबंधी उदाहरण दे सकता हूँ। समानता और भेद बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	मैं पौधों के विविध भागों व उनके उपयोगों को बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	मैं बीजों को उपजाने की विधि प्रयोग करके बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	मैं सब्जियाँ, अनाज आदि उपजाने के लिए किसान क्या करते हैं, मालूम कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5.	मैं पेड़-पौधों को लगाने व संरक्षण करने के महत्व के बारे में नारे बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

06 रास्ता मालूम करें!
(Find the Way/Directions)

तीसरी कक्षा में आपने गाँव के बारे में जाना कि बच्चे बड़े सब मिलकर परिवार में रहते हैं। अनेक परिजनों के आवास स्थान को गाँव या ग्राम कहते हैं। निम्न चित्र देखिए। यह रम्या का गाँव है। इस गाँव में क्या-क्या है बताइए।

समूह में चर्चा

- रम्या के गाँव और तुम्हारें गाँव में क्या अंतर हैं बताइए ।
- पर्वत गाँव के किस ओर हैं ?
- तालाब गाँव के किस ओर हैं?
- खेत गाँव के किस ओर है?
- गाँव में किस तरह जा सकते हैं ?

SCERT TELANGANA

6.1. क्या दिशाओं को पहचान सकते हैं?

कस्तूरी अपने मित्र कमला के घर जाना चाहती थी। रम्या से पूछा कि कमला का घर कहाँ है। रम्या नें कहा कि डाकघर के दक्षिण दिशा में है। कस्तूरी ने कहा कि दक्षिण किसे कहते हैं मुझे नहीं मालूम। तब रम्या उदित होते हुए सूर्य की ओर मुख करके खड़ी हुई। दोनों हाथ दोनों ओर फैलाया। मुख के सामने पूरब, पीछे पश्चिम, दाहिने हाथ की ओर दक्षिण, बाएँ हाथ की ओर उत्तर कहकर चार दिशाओं के नाम बताएँ।

निम्न चित्र देखिए चार दिशाओं में पहचानकर नाम लिखिए।

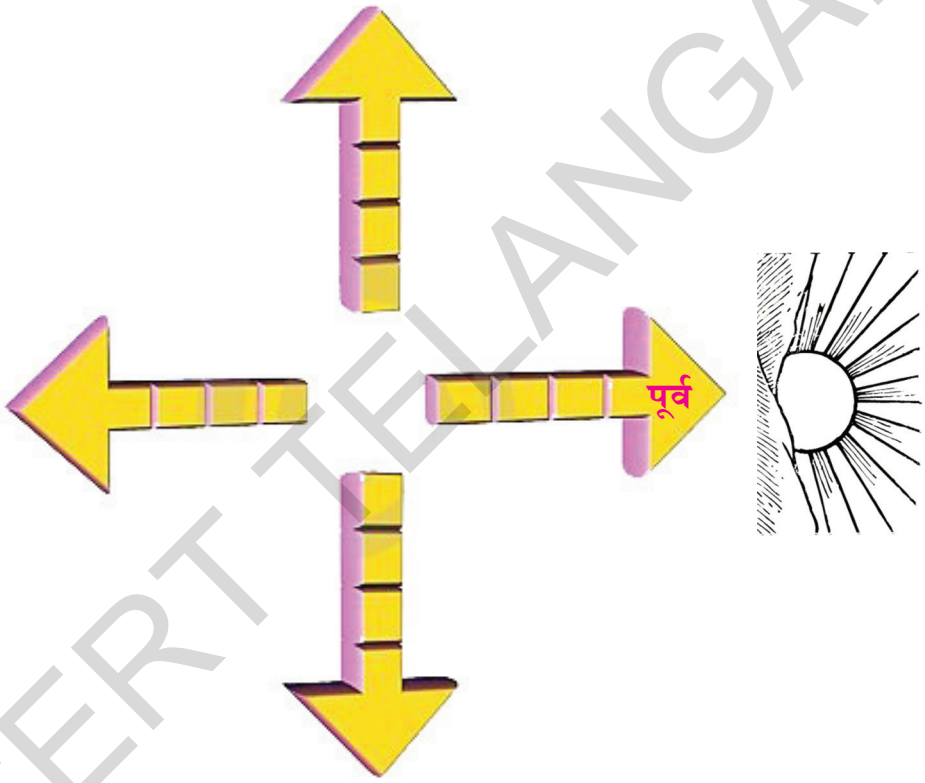

ऐसा कीजिए

- आप अपनी कक्षा में उठकर खड़े हो जाइए । सूर्य उदय होने की ओर मुख करके दोनो हाथ फैलाएं। कक्षा में पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण दिशाएँ दर्शाएँ ।

SCERT TELANGANA

निम्न चित्र देखिए। चित्र के बीच कस्तूरी उत्तर दिशा में मुख किए खड़ी है।

कस्तूरी के किस ओर क्या-क्या है? लिखिए।

- कुआँ .....दिशा में है।
- बस स्टेशन.....दिशा में है।
- आम का पेड़ .....दिशा में है।
- पाठशाला.....दिशा में है।
- तुम भी तुम्हारें गाँव में घर के सामने कस्तूरी की तरह खड़े होकर किस ओर क्या है? लिखिए।

आपने उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम दिशाओं के बारे में जान लिया हैं ना। इन दिशाओं के आधार पर घर के, मोहल्ले के गाँव के किस ओर क्या है आप बता सकते हैं? उसी तरह खाली जगहों के किस दिशा में क्या है बता सकते हैं? **जब हम किसी क्षेत्र या भवन या गाँव के दिशाओं को पहचान पाते है तो उसे सीमा कहते हैं।** सीमाओं के आधार पर एक प्राँत का स्थान या भवन के अस्तित्व को पहचान सकते हैं। इस तरह जानने के लिए दिशाओं के साथ और क्या रहते हैं। क्या तुम्हें मालूम है?

SCERT TELANGANA

6.2. दिशाएँ-कोने

आपने दिशाओं के बारे में सीख लिया है न! निम्न आरेख देखिए।

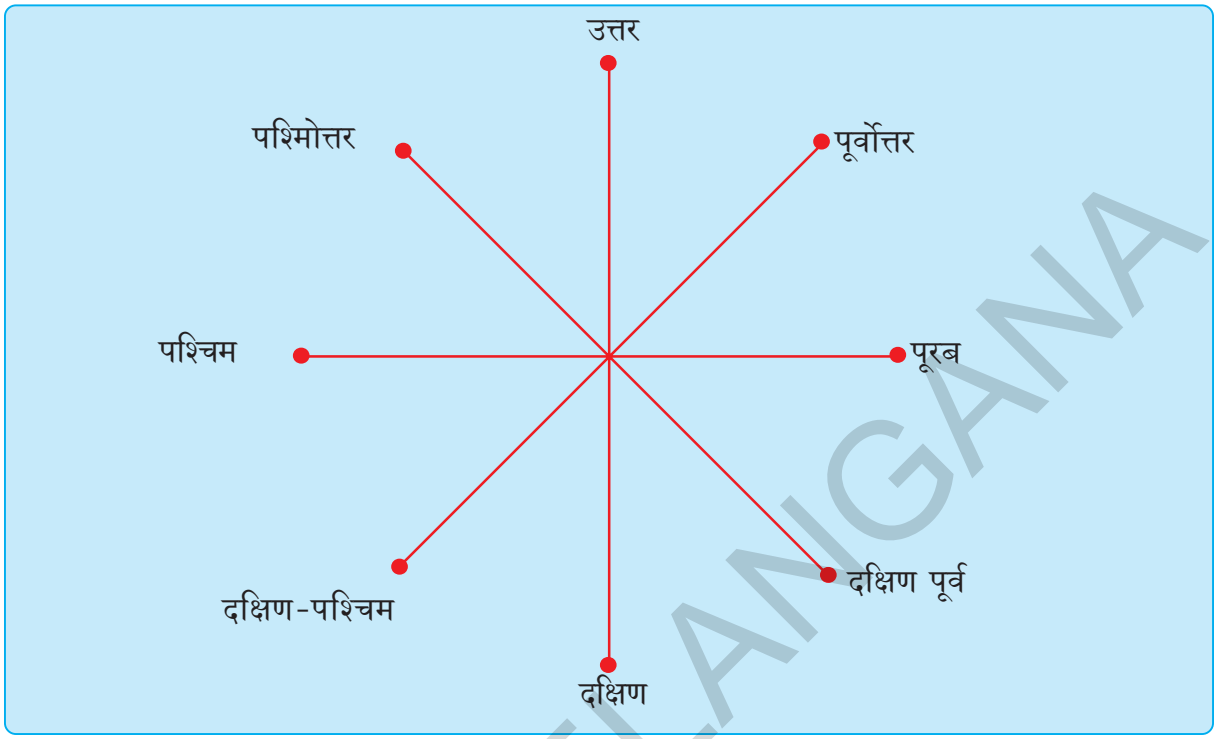

दिशाओं को ध्यान से देखिए।

समूह में चर्चा कीजिए।

- दिशाओं के साथ और क्या दिखाई दे रहे हैं?
- दो दिशाओं के बीच के स्थान को हम कोना कहते हैं?
- कोने कितने हो सकते हैं? निम्न तालिका पूर्ण कीजिए।

दिशाओं के बीच	कोना
पूर्व दक्षिण के बीच	
दक्षिण पश्चिम के बीच	
पश्चिम उत्तर के बीच	
उत्तर पूर्व के बीच	

- दिशाएँ, कोने बताने वाले चित्र पार्ट पर खींचकर अपनी कक्षा में लगाइए। अपने गाँव का चित्र खींचकर विभिन्न दिशाओं, कोनों में जो है लिखिए।

SCERT TELANGANA

6.3. मानचित्र कैसे बनाएँ

एक दिन अध्यापक ने कक्षा में कुछ मानचित्र बताए। वो देखकर कस्तूरी ने पूछा कि मानचित्र कैसे तैयार करते हैं ? बड़े-बड़े प्रांतों को छोटे कागज पर कैसे खींचते हैं। तब अध्यापक ने कहा कि वह समझने के लिए हम अपनी कक्षा का मानचित्र बनाएँगे। आप लोग मीटर वाली लकड़ी और माचिस की तीलियाँ लाइए।

6.3.1 कक्षा कक्ष का माप

अध्यापक ने बताया कि पहले कमरे की लंबाई, चौड़ाई माप लें। तब कस्तूरी और उसके मित्रों ने कक्षा के उत्तर की ओर दीवार का मापन मीटर वाली स्केल से लिया। वह छः मीटर हैं।

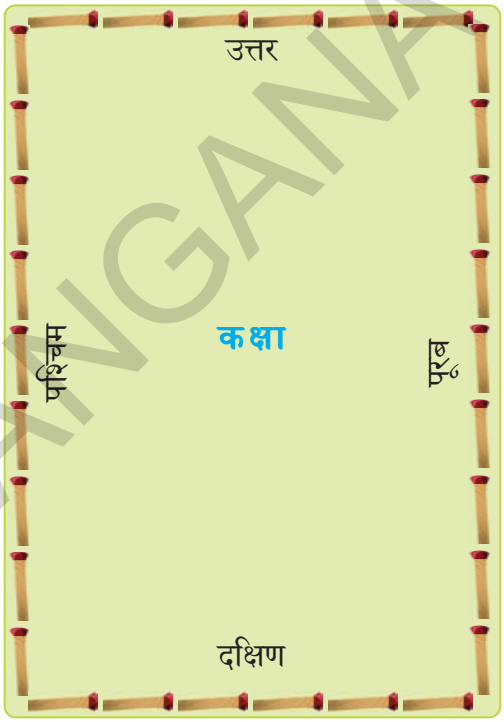

स्केल : 1 मीटर = माचिस की तीली

अध्यापक ने कहा कि उत्तर दिशा की दीवार छः मीटर लंबी होने के कारण मानचित्र में छोटा बताने के लिए एक मीटर के बदले में माचिस की तीली को लेंगे। तब कस्तूरी ने कक्षा के बीच में उत्तर दिशा की ओर छः माचिस की तीलियाँ रखी। उसी तरह पूरब की ओर की दीवार की लंबाई नौ मीटर है। पहले रखी गई तीलियों को मिलाते हुए पूरब दिशा में नौ माचिस की तीलियाँ रखा गयी।

साधारण कागज पर मानचित्र खींचते समय उत्तर दिशा कागज के ऊपरी भाग पर रहना चाहिए।

दूसरे मापने पर दक्षिण दिशा की दीवार छः मीटर, पश्चिम दिशा की दीवार भी नौ मीटर है। बच्चे माप के आधार पर दक्षिण की ओर छः तीलियाँ , पश्चिम की ओर नौ तीलियाँ रखें। इस तरह चारों दिशाओं में रखी गयी तीलियों के साथ खड़िया से खींचकर तीलियों को हटा दिया गया। अब कक्षा के कमरे का मानचित्र तैयार हुआ।

इस तरह बड़े-बड़े प्रांतों को दिशाओं मापन से कागज पर जो खींचा जाता है, उसे मानचित्र कहते हैं। माचिस की तीलियों की सहायता से बच्चे अपने कक्षा का मानचित्र बनाये हैं ना। एक मीटर के बदले एक सेंटीमीटर समझकर तीलियाँ प्रयोग किये बिना सीधे लकीर खींचकर कक्षा कमरे का मानचित्र बना सकते हैं। अब अपने मित्रों से चर्चा करके अपनी कक्षा का मानचित्र चार्ट पर बनाकर प्रदर्शित करे।

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए।

- कक्षा के कमरे का मानचित्र खींचते समय कस्तूरी ने मीटर के समान माचिस की तीलियों का प्रयोग किये हैं ना। उसके कारण उनको क्या लाभ हुआ?
- अपनी कक्षा के कमरे का मानचित्र खींचकर दिशाओं को दशाएँ।
- कक्षा कक्ष के किन दिशाओं में क्या-क्या है? लिखिए।

6.4. गाँव

दिशाओं, कोनों के बारे में **आप ने जान** लिया हैं ना। उसी तरह हर गाँव के भी किस दिशा और कोनों में क्या-क्या है पहचान सकते हैं। इससे उस गाँव के अस्तित्व को पहचान सकते हैं। गाँव के निकट विभिन्न दिशाओं में जा रहते हैं उसे ग्राम सीमा कहते हैं। गाँव में सड़कें, भवन, पाठशाला, डाकघर, बस स्टेशन, खेत, ग्राम के निकटतम तालाब आदि गाँव की किस ओर हैं जानने के लिए दिशाएँ कोने उपयोगी होते हैं। उसी तरह गाँव के अंदर किसी प्रदेश को पहचानने या किसी के घर जाना हो तो दिशाएँ कोने जानने पर आसानी से पहुँच सकते हैं।

निम्न मानचित्र देखिए। गाँव में क्या-क्या है? कहाँ-कहाँ है? बताइए।

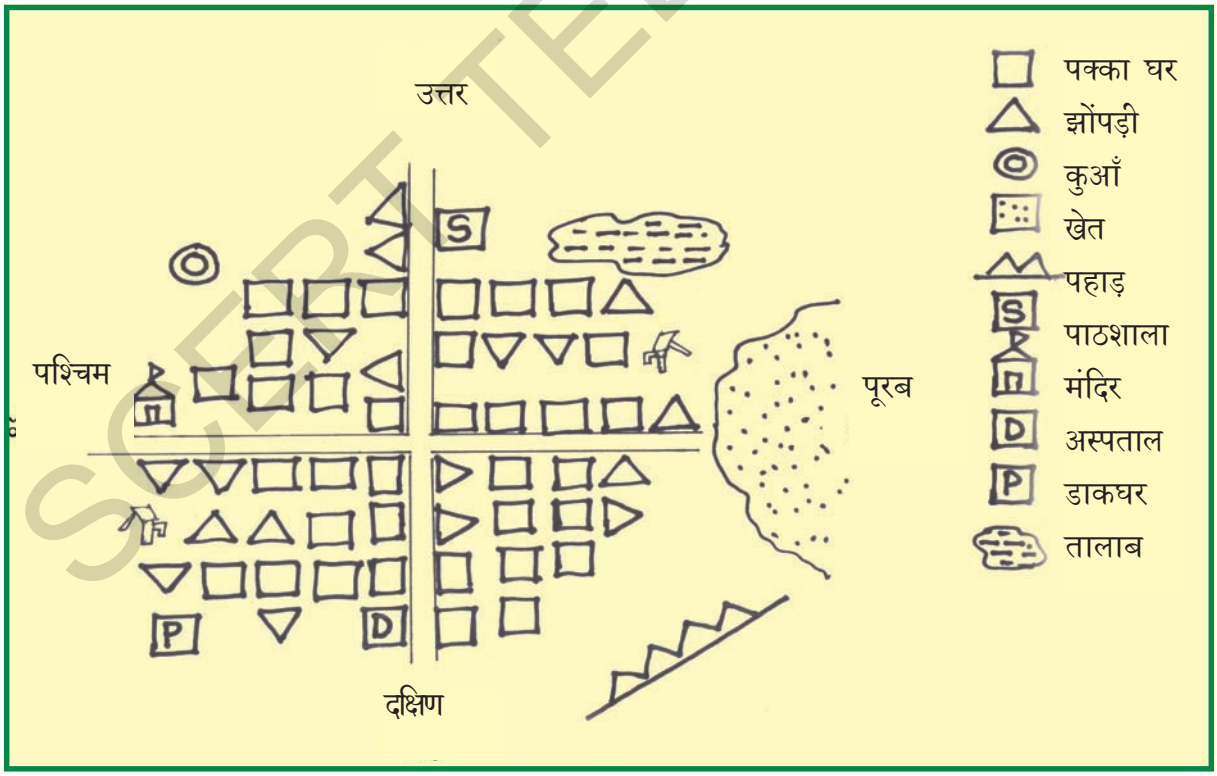

SCERT TELANGANA

गाँव का मानचित्र देखे हैं ना। इस मानचित्र के आधार पर समूह में चर्चा करके निम्न रिक्त स्थान भरिए।

समूह में चर्चा कीजिए।

- उत्तर में ..... हैं।
- दक्षिण में ..... हैं।
- पूरब में ..... है।
- पश्चिम में ..... है।
- उत्तर पूर्व में ..... है
- दक्षिण पूर्व में ..... है।
- पश्चिमोत्तर में ..... है।
- दक्षिण पश्चिम में..... है।

ऐसा कीजिए

अपने अध्यापक की सहायता से निम्न बिंदुओं के आधार पर जमीन पर गाँव का मानचित्र खींचिए।

- आपके गाँव में क्या-क्या है? तालिका बनाइए।
- आपके गाँव के किस दिशा में क्या है? लिखिए।
- आपके गाँव की प्रधान सड़क जमीन पर चूने से दर्शाए।
- उसी तरह इस सड़क के आधार पर गाँव के किन दिशाओं में क्या है? चूने से दर्शाएँ।
- अपने गाँव के मानचित्र को इस तरह चूने से जमीन पर भी खींचिए।
- तुम्हारी तरह दूसरे समूह वाले भी खींचे हैं ना। वो सही है या नहीं देखकर बनाइए।

6.5. मंडल

कुछ ग्रामों के समूह को मंडल कहते हैं। एक मंडल में हजारों की जनसंख्या रहती है। मंडल में मंडल परिषत कार्यालय, मंडल राजस्व कार्यालय, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पुलिस थाना, कृषि विभाग कार्यालय बिजली विभाग कार्यालय जैसी सामाजिक संस्थाएँ रहती है। मंडल में सभी ग्रामों की जनता विभिन्न कामों के लिए मंडल केंद्र आते हैं, क्या आपको मालूम है? पता करके बताइए। कक्षा का मानचित्र, गाँव का मानचित्र बनाना सीख लिया हैं ना। इस तरह हर गाँव के मानचित्र की तरह अनेक गाँवों से मिलकर मंडल का भी एक मानचित्र होता है।

SCERT TELANGANA

एक मंडल का मानचित्र देखेंगे? मंचिर्याल जिले में 18 मंडल है। इसमें कुछ मंडल वाले मानचित्र देखेंगे। यह मानचित्र मंचिर्याल जिले के लक्सेट्टिपेट मंडल का है। इस मानचित्र में गाँवों का निरीक्षण कीजिए।

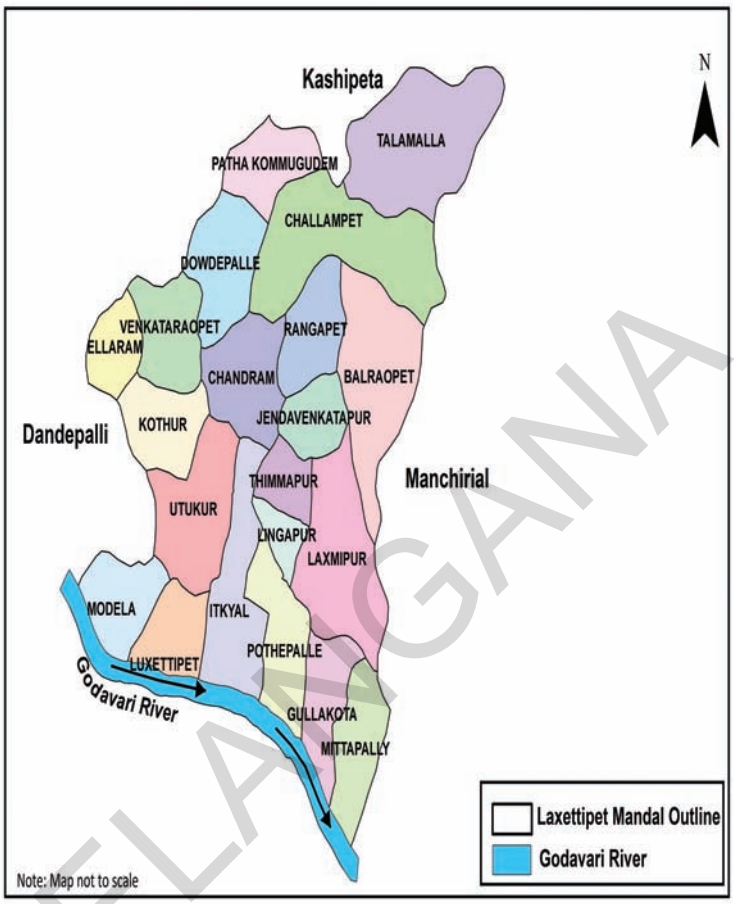

समूह में चर्चा

- रंगापेट गाँव की चार दिशाओं में कौन से गाँव हैं?
- उट्कूरु मंडल के किस ओर लक्सेट्टिपेट मंडल हैं?
- तिम्मापूर गाँव के दक्षिण में कौन-सा गाँव है?
- गोदावरी नदी से आसन्न कौन से गाँव हैं? वे नदी की किस दिशा में है?
- गोदावरी नदी बहने की दिशा बताती है। इसके आधार पर नदी किस दिशा से किस दिशा की ओर बह रही है। बताइए ।
- जेंडा वेंकटापूर गाँव तिम्मापूर गाँव की किस दिशा में है।
- गोदावरी नदी लक्सेट्टिपेट मंडल के किस दिशा में है?

ऐसा कीजिए

- आपके मंडल के मानचित्र का संग्रह कीजिए । उसमें आपके गाँव को दर्शाएँ और सीमाएँ लिखिए।

SCERT TELANGANA

6.6. जिला

मंडल में ग्रामों की तरह जिले में मंडल रहते हैं। जिला केंद्र में जिलाधीश कार्यालय, जिला परिषद कार्यालय, जिला अस्पताल जैसे अनेक सामाजिक संस्थाएँ रहती है। जिले में रिक्त सभी मंडलों के गाँवों की जनता विविध कार्यों के लिए जिला केंद्र आते है। अपने राज्य में 31 जिले हैं। हर जिले का एक मानचित्र रहता है। प्रत्येक जिले के मानचित्र में उस जिले के मुख्य स्थान, संस्थाएँ कार्यालय दर्शाते हैं। निम्न जिला मानचित्र देखिए।

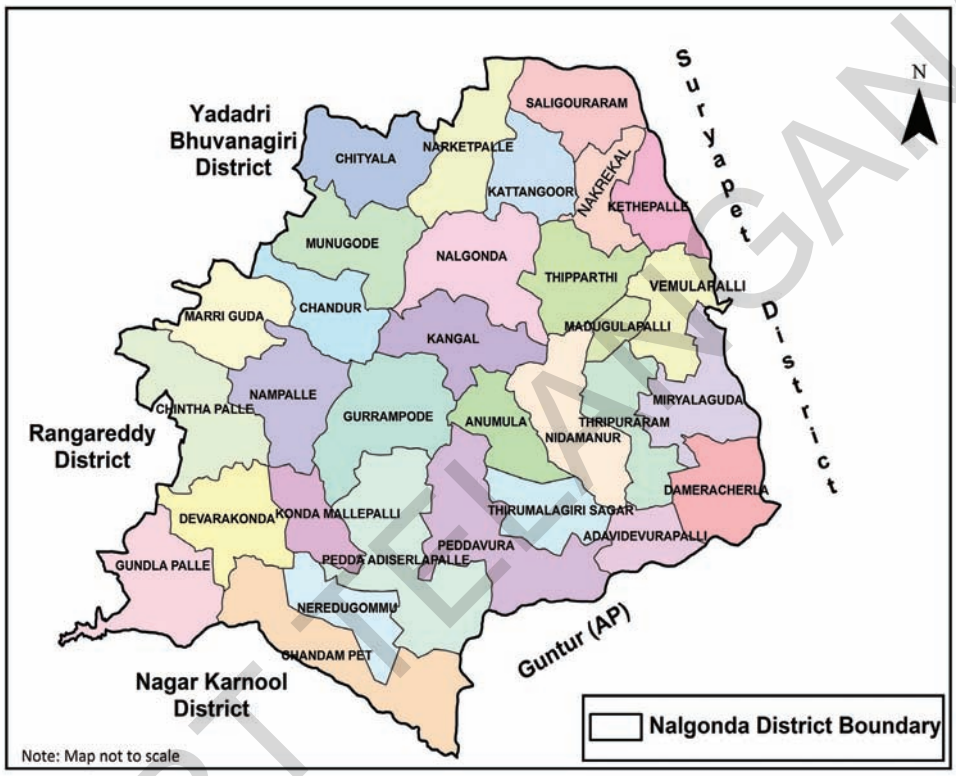

समूह में चर्चा :

- नलगोंडा जिले के किस दिशा में क्या है? लिखिए।
- नलगोंडा जिले में तिरुमलगिरि सागर किस दिशा में है?
- नलगोंडा जिले के कुछ मंडलों के नाम लिखिए ।
- नलगोंडा जिले में चिट्याल मंडल की सीमाएँ लिखिए ।
- नागर कर्नूल जिला, नलगोंडा जिले की किस दिशा में है?

ऐसा कीजिए

- आपके जिले के मानचित्र में अपने मंडल को दर्शाएँ। उसकी सीमाएँ लिखिए ।

SCERT TELANGANA

6.7. अपना राज्य

भारत का मानचित्र

अपने राज्य का नाम तेलंगाना है। कई गाँव मिलकर मंडल, कई मंडल मिलकर जिला, कई जिले मिलकर राज्य बनता है। अपने राज्य में 31 जिले हैं। अपने राज्य की राजधानी हैदराबाद है। तेलंगाना में लोग विभिन्न प्रकार के त्यौहार मनाते हैं। विभिन्न प्रकार के आचार-विचार और परंपराओं का पालन करते हैं। हमारे राज्य में गोदावरी, कृष्णा, तुंगभद्रा, जैसी नदियाँ बहती है। आदिलाबाद, निर्मल, आसिफ़ाबाद, मंचिर्याल, पेद्दापल्ली जयशंकर, महबूबाबाद, कोत्तगूडेम, नागर कर्नूल जिलों में जंगल फैले हुए हैं। अपने राज्य में धान, ज्वार, मक्का, ईख आदि की फसले उगाई जाती है। क्या अपने राज्य का मानचित्र देखेंगे।

क्या आप जानते हैं?
2 जून, 2014 के दिन तेलंगाना राज्य का भारत के 29 वें राज्य के रूप में गठन हुआ।

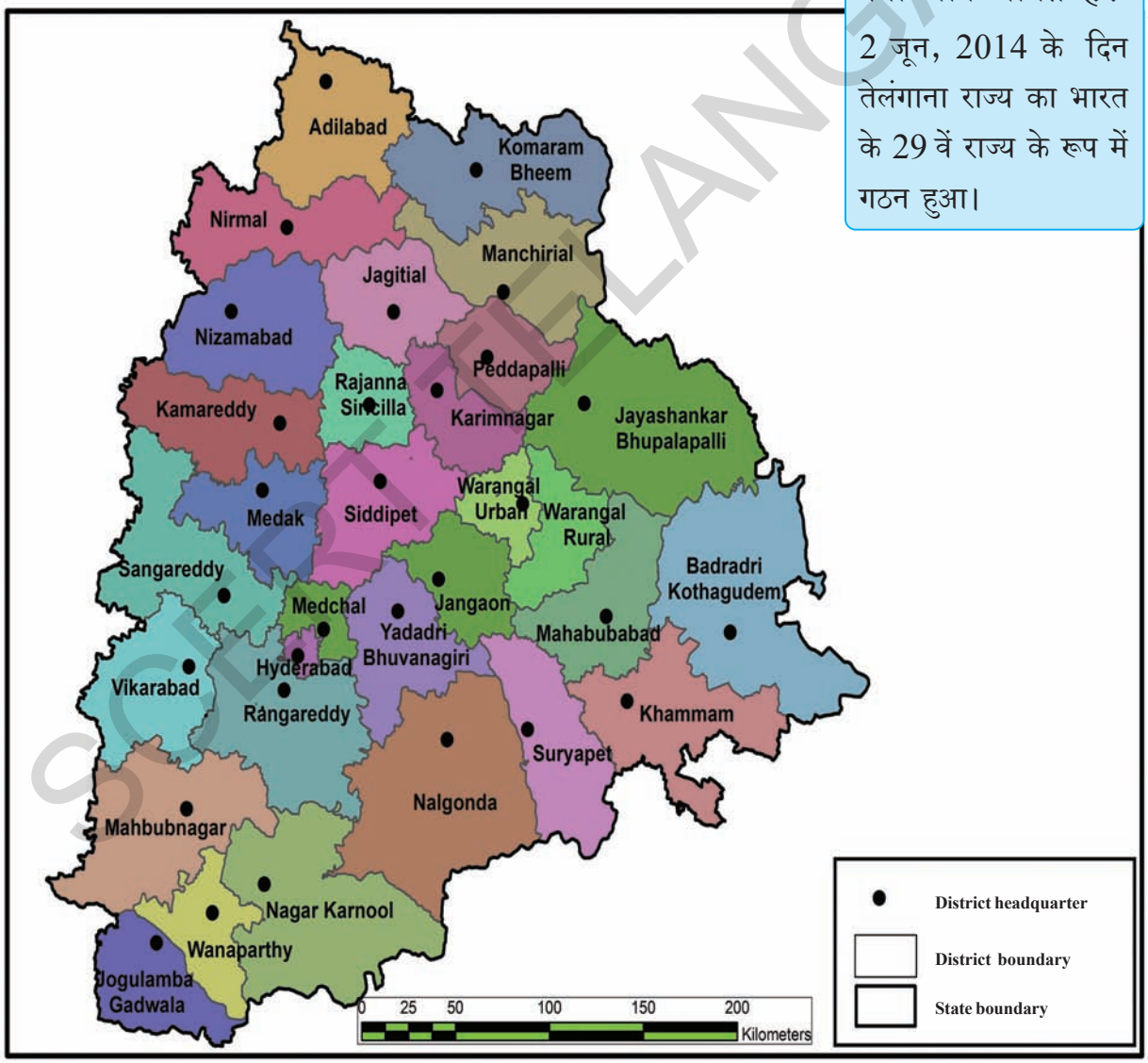

SCERT TELANGANA

अपने राज्य का मानचित्र देखें है ना। इसी तरह हर राज्य का मानचित्र रहता है। भारत के मानचित्र में अपने राज्य को दर्शाएं। अपने राज्य से लगे हुए दूसरे राज्यों को दर्शाएं। अपने राज्य के किन दिशाओं में क्या हैं दर्शाने से अपने राज्य की सीमाएं हम जान सकते हैं। अपने मित्रों से समूह में चर्चा करके लिखिए।

समूह में चर्चा

- अपने राज्य के चार दिशाओं में क्या-क्या है?
- राज्य के मानचित्र में आपका जिला कहाँ है दशाएँ ।
- आपके जिले की सीमाएं बताइए ।
- छत्तीसगढ़ राज्य से लगे हुए जिले कौन से हैं?
- हैदराबाद के चारों ओर कौन से जिले हैं?
- अटलस लीजिए । विभिन्न प्रकार के मानचित्रों से युक्त पुस्तक की अटलास कहते हैं । इसमें मार्ग, प्रमुख नदियाँ, पर्वत, खेत आदि के विवरण रहते हैं। अटलास में अपने राज्य का मानचित्र देखिए। गोदावरी नदी किन-किन जिलों से बहती है? बताइए।
- अट्लास देखकर अपने राज्य के मुख्य नगर क्या है? बताइए । उनने वाली फसलें दर्शाएँ ।

ऐसा कीजिए

- भारत के मानचित्र में अपने राज्य की सीमाएं दर्शाए ।
- अपने देश के किस दिशा में क्या है दर्शाए ।

इस पाठ में ग्राम मंडल, जिला राज्य के मानचित्रों के बारे में जान लिए है ना। इन मानचित्रों को विभिन्न संदर्भों में जरूरत पड़ने पर प्रयोग करना चाहिए। हम नए प्रांत को जाने पर मानचित्र में देखकर गम्य स्थान पहचान सकते हैं। साधारणतया विदेशी यात्री अपने देश को आते हैं तो किसी से पूछे बिना मानचित्र के आधार पर दर्शनीय प्रांत, मार्गों के विवरण जान लेते हैं। बड़े रेलवे स्टेशनो में पर्यटन स्थलों में उस प्रांत से संबंधित मनचित्र प्रदर्शित किये जाते हैं। इसमें देखकर वहाँ के मुख्य स्थान पहचान सकते हैं। मानचित्र के आधार पर किसी प्रांत के तापमान, गर्मी सर्दी जानकारी आप आगे की कक्षाओं में और विस्तार से जानेगें। आप अपनी कक्षा में तेलंगाना राज्य के मानचित्र, भारत के मानचित्र को जब भी मौका मिले देखिए। क्या-क्या उसमें है जानकारी प्राप्त करें।

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द

1. मानचित्र
2. ग्राम (गाँव)
3. मंडल
4. जिला
5. राज्य
6. देश (राष्ट्र)
7. सीमाएँ
8. दिशाएँ
9. कोने

हमने क्या सीखा ?

1. विषय क्या सीखा

अ) आपके घर की चार दिशाओं में क्या-क्या है?

आ) आपके पाठशाला की चारों तरफ क्या है?

- पूर्व _____
- पश्चिमोत्तर _____
- पश्चिम _____
- दक्षिण पूर्व _____
- उत्तर _____
- उत्तर पूर्व _____
- दक्षिण _____
- दक्षिण पश्चिम _____

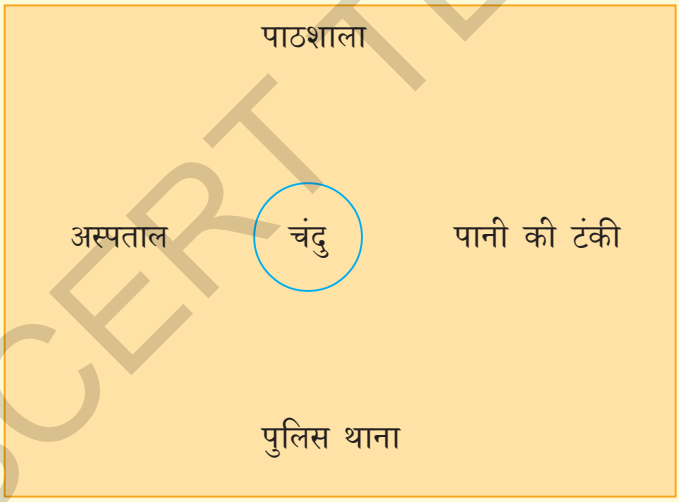

चंदु के किस ओर क्या -क्या है?

इ) सीमाएँ किसे कहते है? आपके गाँव की सीमाएँ बताइए ।

ई) मंडल और जिले में क्या भेद हैं?

ऊ) गाँवों और मंडलों के बीच क्या संबंध है?

SCERT TELANGANA

2. प्रश्न करना - अनुमान लगाना

♦ तेलंगाना का मानचित्र देखिए । आपको जो संदेह आ रहे हैं उसके बारे में प्रश्न लिखिए।

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र निरीक्षण

अ) आपके कक्षा का मानचित्र तीलियों की सहायता से खींचिए। कक्षा में प्रदर्शन कीजिए ।

आ) आप अपने पाठशाला से गाँव में किसी मुख्य स्थान तक पहुँचने को चिह्नों के द्वारा दर्शाएं। उसको अपने मित्र को दीजिए । उस मुख्य स्थान को पहचान सका या नहीं पूछिए । उसी तरह तुम्हारें मित्र द्वारा दर्शाए स्थान के बारे में आप बताइए ।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

♦ आपके पास के घरों को जाइए । आपके निरीक्षण निम्न तालिका में दर्ज कीजिए।

निरीक्षण	दर्ज करने योग्य अंश		
	घर 1	घर 2	घर 3
• घर का प्रवेश द्वार किस दिशा में है?			
• घर में कुआ/नलकूप/बोरिंग/पानी का संप आदि किस दिशा में है?			
• घर में रसोई किस कोने में है?			
• घर में खाली जगह किस दिशा में है?			
• घर की खिड़कियाँ, दरवाजे किन-किन दिशाओं में हैं।			
• सड़क घर के किस ओर है?			

♦ क्या सभी घरों में सुविधाएँ एक जैसी है?

♦ सामान्यतः पानी की सुविधा या रसोई घर सामान्यतः घर में किस दिशा/कोने में है?

♦ क्या आपने घरों में पानी के स्थान व रसोई घर की स्थिति व अन्य व्यवस्थाओं का दिशाओं/कोनों से किसी संबंध को पहचाना?

SCERT TELANGANA

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

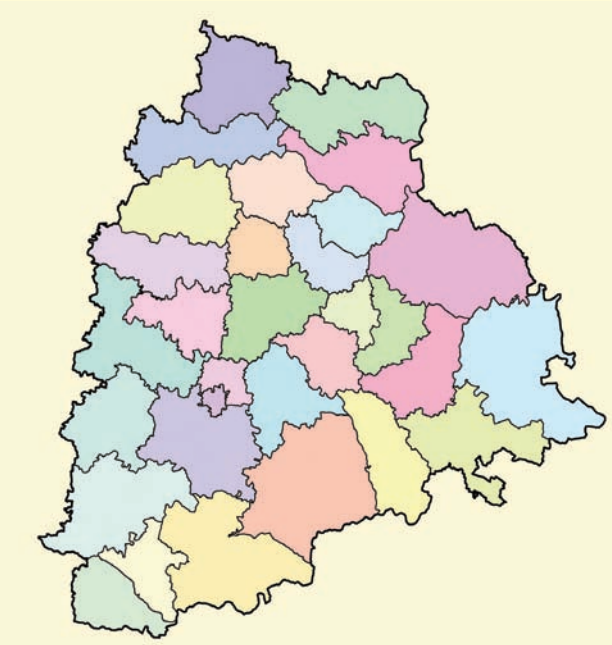

क. अपने मित्रों के साथ मिलकर गत्ते से एक नमूना तैयार कीजिए। इनमें दिशाएँ इंगित कीजिए।

ख. एक घर का मानचित्र बनाइए और इसमें कमरे दर्शाइए।

ग. अपने गाँव का मानचित्र बनाइए।

घ. अपनी मंडल का मानचित्र बनाकर उसमें अपना गाँव दर्शाइए।

च. दिए गये तेलंगाना के मानचित्र में अपने जिले का नाम लिखिए। उन जिलों के नाम भी लिखिए जो आपके जिले से संलग्न हों।

छ. इस मानचित्र की सहायता से समुद्र तटीय जिलों के नाम बताइए।

ज. तेलंगाना का मानचित्र बनाइए और इसे अपने नोटबुक में चिपकाइए। अपने राज्य की सीमाएँ बनाइए और जिलों के नाम लिखिए।

झ. अपने जिले का मानचित्र उतारिए और उसमें अपना मंडल पहचानिए।

6. प्रशंसा, मूल्य और जैव विविधता संबंधी जागरूकता

अ. हम मानचित्र का उपयोग किन परिस्थितियों में करते हैं?

आ. मानचित्र के द्वारा हमें किस प्रकार की जानकारी मिलती हैं?

अ. मानचित्र की क्या आवश्यकता है और क्यों?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	मैं दिशाओं के बारे में बता सकता हूँ। किसी वस्तु, अपने गाँव, पाठशाला, घर की किस दिशा में है बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	मैं राज्य के मानचित्र संबंधी नये प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	मैं पाठशाला का नमूना गत्ते से तैयार कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	मैं मानचित्र का प्रयोग आवश्यकतानुसार कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

7 सरकारी संस्थाएँ (Government Institutions)

रंगापुर ग्राम के चारों तरफ पहाड़ हैं। गाँव के पास नदी बहती है। अधिक वर्षा के कारण नदी में बाढ़ आई है। बाढ़ का पानी रंगापुर ग्राम में पहुंचा। जिसके कारण गाँव की गलियाँ पानी से भर गई हैं। बाढ़ के कम होने के बाद गलियाँ कीचड़ से भर गई। बिजली के तार गिर गए हैं। नलकूप फूट गए हैं। नल में पानी नहीं आ रहा है। इसके कारण गाँव में अनेक समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं। इस तरह गाँव की समस्याओं का परिष्कार कौन करेंगे? कौन श्रद्धा लें? इस तरह बाढ़ आने पर गाँव में कौन-कौनसी समस्याएँ उत्पन्न हुई होंगी? आदि विषयों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए और उसके बारे में लिखिए।

समूह में चर्चा कीजिए-

- रंगापुर की गलियों का कीचड़ कौन हटायेगा?
- बिजली के तारों की मरम्मत कौन करेगा?
- नलकूपों की मरम्मत कौन करता है?
- गाँव में समस्याएँ उत्पन्न हों तो उसे दूर करने के लिए किससे कहें?

गाँव की समस्याओं के परिष्कार के लिए गाँव में सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायत रहती है। ग्राम स्तर पर पाठशाला, पशु चिकित्सालय, आँगनवाड़ी केंद्र जैसी अन्य संस्थाएँ भी रहती हैं। इनके कारण जनता को लाभ होता है। इस तरह समाज में जनता के आवश्यक कार्यों को करने वाली संस्थाओं को सरकारी संस्थाएँ कहते हैं।

7.1. सरकारी संस्थाएँ- ग्राम पंचायत

मोहन ने राशन कार्ड के लिए आवेदन देना चाहा। राशन कार्ड के लेने से राशन की वस्तुएँ मिलेंगी। पुत्री अरुणा को साथ लेकर ग्राम राजस्व सचिव से मिलने गया और कहा कि 'मेरा नाम मोहन है।'

मुझे पत्नी, पुत्र और पुत्री है। मेरे पास आहार सुरक्षा कार्ड नहीं है। उसके लिए मैं आवेदन देने आया हूँ।

SCERT TELANGANA

सचिव ने बताया कि सफ़ेद कागज़ पर लिखकर आवेदन दीजिए। इसके बाद खेती के विवरण दर्ज करने के लिए आने वालों को ग्राम सचिव ने अंदर बुलाया। पहानि (अडंगल) के आधार पर रसीद जारी किया। ग्राम स्तर पर ग्रामसचिव की तरह अन्य अधिकारी भी होते हैं।

ग्राम पंचायत के स्तर पर विभिन्न अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले कुछ कार्य निम्न तालिका में दिए गए हैं। वह काम कौनसे अधिकारी करते हैं। अपने अध्यापक से पूछकर निम्न तालिका में दर्ज करें और उस पर चर्चा करें।

क्र.सं.	काम का नाम	जिम्मेदार अधिकारी
1 .	खेतों का विवरण	ग्राम राज्य अधिकारी (वी.आर.ओ)
2 .	घर का कर वसूल करना	
3 .	गलियों में बिजली लाइट की व्यवस्था करना	
4 .	भू-विवरण का निर्वाह	
5 .	जनम-मरण दर्ज करना	
6 .	राजस्व कार्यालय के कामों की जिम्मेदारी लेना	
7 .	मंडल परिषद कार्यालय के कार्यों की जिम्मेदारी लेना	
8 .	नल कूपों के बिल वसूल करना	
9 .	डाक बांटना	
10 .	विद्यालय का निर्वाह	
11 .	नालियों की सफाई	
12 .	टीके, दवाइयां देना	

संग्रहण कीजिए-

- अगर आप शहर में निवास करते हैं, तो तालिका में सूचित विषयों की जिम्मेदारी कौन लेता है? अपने माता-पिता से या अध्यापकों से पूछकर जानकारी प्राप्त करें और अपनी पुस्तिका में लिखें।
- आपके ग्राम विकास के लिए, विभिन्न कामों के लिए ग्राम पंचायत में कभी समीक्षा हुई? हुई है तो किन विषयों की चर्चा हुई। सरपंच और ग्राम सचिव से समाचार प्राप्त करें।

SCERT TELANGANA

अरुणा ने आवेदन पत्र लिखा। तहसीलदार कार्यालय के कर्मचारी सभी विवरण आनलाइन (online) में दर्ज किया।

मोहन के द्वारा दिए गए विवरण का अपने कार्यालय में उपलब्ध जानकारी से जाँच की गई। विवरण जिला सिविल सप्लाई अधिकारी को भिजवाए गये। कुछ दिनों के बाद 'आहार सुरक्षा कार्ड' जारी करके तहसीलदार के पास भिजवाया। तहसीलदार के जरिये मोहन ने 'आहार सुरक्षा कार्ड' प्राप्त किया। अब मोहन 'आहार सुरक्षा कार्ड' के द्वारा खाद्य सामग्री ले रहा है।

SCERT TELANGANA

क्या आप जानते हैं?

आइरिश कैमरे से चित्र निकालना

आजकल आधार कार्ड जारी करते समय व्यक्तियों के आँखों की आइरिस कैमरे में चित्र निकाल रहे हैं। आदमी के आँख की पुतली के ऊपर के गोल भाग को आइरिस कहते हैं। आइरिस कैमरा आइरिस भाग का चित्र निकालकर सुरक्षित रखता है। इसका आविष्कार मिमिजोय ने किया है। एक बार जिन्होंने चित्र खिंचवाया है, दुबारा आने पर वह तुरंत पहचान लेता है।

ऐसा करिए-

- आपके घर में स्थित आहार सुरक्षा कार्ड का निरीक्षण करें। क्या-क्या समाचार आपने देखा है अपनी पुस्तिका में लिखिए।

मोहन को खाद्य-सुरक्षा प्रावधान से सामान मिल रहा है।

आहार सुरक्षा कार्ड धारकों को गांव की राशन दुकान से सामग्री मिलती है। इन सामग्रियों को सरकार द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार बेचते हैं।

संग्रह कीजिए-

अपने मित्रों के साथ मिलकर राशन दुकान पर जाइए। निम्न समाचार प्राप्त करें।

क्र.सं.	विवरण	हां/नहीं
1.	सूचना पटल	
2.	कार्य समय सूचना पटल	
3.	बेचने के सामान की सूची जो सूचना पटल पर लगाई गई है।	
4.	कीमत की सूची	
5.	एक महीने की सामग्री न लेने पर अगले महीने में देते है?	

SCERT TELANGANA

राशन सामग्री नियमित रूप से न मिलने पर क्या करेंगे मालूम है? गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले गरीबों के लिए सरकार राशन दुकानों के द्वारा सामग्री विपणन करती है। वह गरीबों तक पहुंचना बहुत जरूरी है। नियमित रूप से अगर नहीं पहुंच रही हैं, तो तहसीलदार के पास शिकायत करें।

7.2. सरकारी संस्थाएँ-मंडल केंद्र

यह जानलिए हैं कि मंडल केंद्र में तहसीलदार कार्यालय रहती है। इसी को मंडल राजस्व कार्यालय भी कहते हैं। यह मंडल की सीमा में आने वाले ग्रामों के परिवारों को राशन कार्ड जारी करना, भू-कर अर्थात खेती होने वाली भूमि पर कर वसूल करना जैसे कार्य संपन्न करती है। इसके लिए हर गांव में राजस्व कार्यालय की ओर से कार्य करने के लिए कौन-कौन रहते हैं, मालूम है क्या? मालूम करके बताइए। मंडल स्तर पर मंडल राजस्व कार्यालय के साथ जनता की सेवा के लिए अन्य कार्यालय भी रहते है।

मंडल केंद्र में और कौनसी संस्थाएँ रहती हैं, मालूम है क्या? निम्न तालिका में विवरण पढ़िए।

मंडल स्तर की संस्था	उसके कार्य
मंडल परिषद कार्यालय	♦ प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराना। ♦ कृषि, पशुपालन, मछली और मुर्गीपालन का विकास करना। ♦ मंडल में रास्तों का निर्माण करना और उनकी मरम्मत करना। ♦ सिंचाई जल की व्यवस्था करना। स्वास्थ्य शिशु कल्याण, सफाई के कार्यक्रम आदि करना।
पुलिस थाना	♦ शांति व्यवस्था बनाए रखना। ♦ अपराधों की संख्या घटाना। ♦ जनता से सत् संबंध स्थापित करना। ♦ जनता की शिकायतें स्वीकार करना तुरंत समाधान करना। ♦ शिकायतों का परीक्षण और रिकार्ड करना। ♦ जनता की सुरक्षा के लिए नियमों का पालन कराने में सहायता करना । ♦ बच्चों से संबंधित अंश और बाल सुरक्षा संस्थाओं का संरक्षण आदि।

SCERT TELANGANA

मंडल स्तर की संस्था	उसके कार्य
तहसीलदार कार्यालय	♦ ग्राम राजस्व अधिकारियों और मंडल कार्यालय के कर्मचारियों के कार्य का पर्यवेक्षण करना। ♦ जनता से प्राप्त शिकायतों की सुनवाई करना। ♦ सरकारी योजनाएँ जनता को उपलब्ध हो रही हैं या नहीं देखना। ♦ जाति, आय प्रमाण पत्र जारी करना। ♦ बेगार से जनता को मुक्त करना। ♦ किसानों को पट्टादार पास पुस्तक मंजूर करना। ♦ भू-विवादों का परिष्कार करना।
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र	♦ मंडल की सीमा में जनता के साधारण बीमारियों की दैनिक जांच करना। ♦ उप-स्वास्थ्य केंद्रों के निर्वाह का निरीक्षण करना। ♦ राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को मंडल में लागू करना। ♦ माता-शिशु संरक्षण के अधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ही प्रसूति करना। ♦ बीमारी की तीव्रता के आधार पर जिला अस्पताल को भेजने की सिफारिश कर सकते हैं।
बैंक	♦ जनता से जमा राशि स्वीकार करना। ♦ मंडल की सीमा में किसानों को ऋण देना। ♦ दैनिक जमा राशि स्वीकार करना। ♦ मंडल के महिला संघों को कर्ज देना।

© CERT TELANGANA

मंडल स्तर की संस्था	उसके कार्य
मंडल संसाधन केंद्र	♦ मंडल में सौ प्रतिशत बच्चों को पाठशाला में प्रवेश दिलाना। ♦ पाठशाला में प्रवेश लेने वाले बच्चों को गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध कराना। ♦ पाठशालाओं का पर्यवेक्षण करना। ♦ समय पर न आने वाले अध्यापकों पर अनुशासन परक कार्यवाही करना। ♦ मध्याह्न भोजन योजना का सही निर्वाह हो रहा है या नहीं देखना।
पशु चिकित्सालय	♦ पशुओं के स्वास्थ्य का संरक्षण करना। ♦ पशुओं को होने वाली बिमारियों को पहचानकर उनकी चिकित्सा करना। ♦ पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाली बिमारियों को पहचानकर उनके रोकथाम की व्यवस्था करना। ♦ पशुपालन के बारे में मालिकों को सूचना और सुझाव देना। ♦ पशुओं को दी जाने वाले पोषक आहार के बारे में किसानों में जागृति उत्पन्न करना।

मंडल केंद्र में कौनसे कार्यालय हमें किस तरह सहायता करते हैं जान लिया है ना? मंडल क्षेत्र के सभी विकास कार्यक्रमों पर हर तीन महीनों में सम्मेलन होते हैं। इसमें मंडल स्तर के सभी कार्यक्रमों के अधिकारी भाग लेते हैं। ये किसके तत्वावधान में होते हैं, मालूम है? गाँव के लिए सरपंच की तरह मंडल के लिए मंडल अध्यक्ष होता है। यह चुनाव द्वारा चुने जाते हैं। इनकी अध्यक्षता में विकास सम्मेलन होते हैं। गाँव और मंडल का विकास सेवाभाव एवं नेतृत्व गुण वाले सरपंच मंडल अध्यक्ष और गाँव और मंडल में कार्यरत अधिकारियों पर निर्भर है।

SCERT TELANGANA

यह कीजिए-

- आपके मंडल का नाम क्या है?
- आपके मंडल अध्यक्ष/अध्यक्षा कौन है?
- वे किस गांव के निवासी हैं?
- आपके मंडल में विकास सम्मेलन कब-कब होते हैं?
- आपके गांव से इस सम्मेलन में कौन भाग लेते हैं?
- सम्मेलन में किन-किन विषयों पर चर्चा होती है।
- ग्राम पंचायत की कार्यशैली पर गाँव के अन्य सामाजिक संस्थाओं की कार्य शैली पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

मंडल परिषद कार्यालय में होने वाले विकास सम्मेलन के लिए पहले मंडल अध्यक्ष के नाम से सूचना पत्र सदस्यों को भिजाया जाता है। रंगारेड्डी जिले के कोत्तूर मंडल विकास कार्यालय में होने वाले साधारण सदस्यों के सम्मेलन से संबंधित पत्र देखिए।

मंडल विकास कार्यालय, कोत्तूर मंडल, जिला रंगारेड्डी

पत्र संख्या : 2/ख/2011. दिनांक : 02-01-2011

सदस्यों के सम्मेलन के लिए निमंत्रण

विषय : दिनांक 28-01-2011 को होने वाले साधारण सदस्यों के सम्मेलन के लिए सदस्यों को निमंत्रण

\- - -

मंडल परिषद विकास कार्यालय, कोत्तूर मंडल के जिला परिषद प्रादेशिक सदस्यों (जेड.पी.टी.सी.) मंडल परिषद प्रादेशिक स्दस्यों (एम.पी.टी.सी.), मनोनित सदस्यों और सभी ग्राम पंचायत के सरपंचों को सूचित किया जाता है कि मंडल परिषद कोत्तूर के सदस्यों का सम्मेलन दिनांक 28-01-2011 के दिन सुबह 11.30 बजे मंडल विकास कार्यालय कोत्तूर में आयोजन का निर्णय लिया गया है। इसलिए सभी सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि इस सम्मेलन में उपस्थित रहें।

अध्यक्ष
मंडल विकास अधिकारी
मंडल परिषद, कोत्तूर मंडल,
जिला रंगारेड्डी

SCERT TELANGANA

साधारण सदस्यों के सम्मेलन से संबंधित निमंत्रण पत्र देखे हैं ना। इसमें सम्मिलित होने वाले सदस्य किन विषयों पर चर्चा करते हैं, क्या तुम्हें मालूम है? उन्हें कार्य सूची अंश कहते हैं। कोत्तूर साधारण सदस्यों के सम्मेलन से संबंधित कार्यसूची विषय पढ़िए।

कार्यसूची

- कृषि
- पशु विकास विभाग के कार्य स्थिति
- पंचायती राज और ग्रामीण विकास
- पेंशन
- पीने के पानी की योजना
- फलों के खेत
- प्राथमिक शिक्षा
- महिला शिशु कल्याण
- जल संरक्षण
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की कार्यस्थिति
- बिजलीकरण
- गृह निर्माण
- मार्ग और भवन
- उद्योग और प्रदूषण निवारण
- अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से

विषय देखे हैं ना। इस बैठक में कौन-कौन सदस्य उपस्थित होते हैं, क्या बात करते होंगे? समूह में चर्चा कीजिए।

समूह में चर्चा कीजिए-

- मंडल परिषद विकास सम्मेलनों में कौन-कौन उपस्थित होते हैं?
- वे किन विषयों के बारे में चर्चा कर सकते हैं?
- अगर आप ही ग्राम के सरपंच होते, तब ग्राम से संबंधित किन विषयों की चर्चा मंडल विकास सम्मेलन की बैठक में करते?
- मंडल परिषद साधारण सदस्यों के सम्मेलन में कौन-कौन अधिकारी उपस्थित होते हैं?
- बाल सुरक्षा, खतरे में है। बालक की सहायता कौन करेंगे? बालक की सहायता करने के विभिन्न तरीके कौन से हो सकते हैं?

मंडल स्तर के विकास सम्मेलनों में विभिन्न गांवों की समस्याओं के बारे में सरपंच, एम.पी.टी.सी. सदस्य चर्चा करते हैं। उनके द्वारा उठाये गये प्रश्नों का उत्तर देते हैं। मंडल विकास अधिकारी सम्मेलन के संयोजन में सहायता करते हैं। मंडल राजस्व अधिकारी, कृषि विभाग अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, मंडल शिक्षाधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के वैद्य आदि इस सम्मेलन में भाग लेते हैं। सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अधिकारी उत्तर देते हैं।

समूहों में चर्चा कीजिए-

- मंडल परिषद विकास सम्मेलन में सदस्यों द्वारा पूछे गए कुछ प्रश्न तालिका में दिये गये हैं। उन प्रश्नों को पढ़िए। इन प्रश्नों के उत्तर कौनसे अधिकारी देते हैं, समूह में चर्चा करके लिखिए।

SCERT TELANGANA

क्र.सं.	प्रश्न	उत्तर देने वाले अधिकारी
1.	किसानों को बीजों का वितरण कब करते हैं?	
2.	गाँव की सड़क लंबी है। गड्ढे हैं। आने जाने में कष्ट हो रहा है। कब मरम्मत करेंगे?	
3.	हमारे गाँव में मध्यह्न भोजन बनाने वालों को पैसों का भुगतान कब करेंगे?	
4.	हमारे गाँव की पाठशाला में लड़कियों के लिए समुचित शौचालय नहीं है। कब बनाएंगे?	
5.	हमारी पाठशाला के छात्रों के लिए ग्रंथालय पुस्तकें चाहिए?	
6.	गाँव के किसानों को खाद खरीदने के लिए कर्ज चाहिए। कितना मंजूर करेंगे? किस विधि से हमें खाद मिलेगा?	
7.	गाँव में कुछ गरीब लोगों को घर नहीं है। कब मंजूर करेंगे?	

7.3. सरकारी संस्थाएँ- जिला केंद्र- जिलाधीश कार्यालय

मोहन और किरण के परिवार अड़ोस-पड़ोस में रहते हैं। किरण अक्सर अस्वस्थ हो रहा है। अचानक एक दिन नीचे गिर गया। उसकी पत्नी ज्योति के रोने को देखकर मोहन ने तुरंत 108 को फोन किया। 108 वाहन पहुंच गई। किरण को सरकारी अस्पताल में दाखिल किया गया।

वैद्य परीक्षण करके बताया कि किरण को दिल का दौरा आया हे। और कहा कि अब तात्कालिक चिकित्सा कर चुके हैं। स्वास्थ्य के लिए कोई गंभीर चिंता की बात नहीं है, लेकिन एक महीने में दिल का ऑपरेशन करना चाहिए।

सलाह दी गई कि 'आरोग्यश्री' कार्ड के रहने पर ऑपरेशन

SCERT TELANGANA

नि:शुल्क होगा। इससे ज्योति ने यह जान लिया कि उनके पास सफेद राशन कार्ड है, इसलिए उसे 'आरोग्यश्री' कार्ड प्राप्त करने की योग्यता है। उसके लिए उसने जिलाधीश को आवेदन पत्र देने का निर्णय लिया। निम्न प्रारूप में जिलाधीश को आवेदन पत्र लिखा।

आवेदन-पत्र

दिनांक : 01.01.2013

सेवा में,
श्रीमान जिलाधीश
विकाराबाद जिला, तेलंगाना

महोदय,

विषय : स्वास्थ्य बीमा कानून द्वारा 'आरोग्यश्री' कार्ड जारी करने हेतु।

- - -

आपसे निवेदन है कि मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है। अभी डॉक्टर ने बताया कि मुझे दिल का दौरा आया है। जल्द ही वैद्य परीक्षण करके ऑपरेशन करना होगा। ऑपरेशन के लिए आवश्यक धन मेरे पास नहीं है। मेरे पास सफेद राशन कार्ड है।

अतः आरोग्यश्री कार्ड दिलाने की कृपा करें। धन्यवाद।

भवदीय
किरण
ग्राम - पट्लूर, मं. मरपल्ली
जिला - विकाराबाद, तेलंगाना

संलग्न
1) सफेद राशन कार्ड
2) वैद्य परीक्षण प्रतिवेदन

दूसरे दिन किरण का परिवार जिलाधीश कार्यालय जाकर जिलाधीश से मिलकर सभी विषय की जानकारी दी। आवेदन पत्र उन्हें दिया। जिलाधीश उस आवेदन पत्र को जिला स्वास्थ्य बीमा विभाग के अधिकारी के पास भिजवाया। संबंधित अधिकारी ने एक सप्ताह में आरोग्यश्री कार्ड किरण के हवाले किय। आरोग्यश्री कार्ड से किरण ने नि:शुल्क चिकित्सा करवा ली। पूर्ण स्वस्थ होकर खुशी से वह घर लौट आया।

हमारे गांवों की जरूरतें पूर्ण करने के लिए जिला स्तर पर अनेक कार्यालय होते हैं। इनके द्वारा मंडल, ग्राम स्तर पर होने वाले कामों के लिए अनुदान जारी होता है। जिला स्तर पर जिले की जनता के उपयोगी अन्य संस्थाएं, सरकारी कार्यालय भी होते हैं।

संग्रह कीजिए-

- जिला केंद्र में जिलाधीश के कार्यालय के साथ-साथ और कौनसे कार्यालय रहते हैं। अपने अध्यापक से पूछकर तालिका में लिखिए।

SCERT TELANGANA

क्र.सं.	जिला स्तर के कार्यालय का नाम	अधिकारी का नाम	मुख्य कार्य

ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक विभिन्न सामाजिक संस्थाएं जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए कार्य कर रही हैं। संस्थाओं के अधिकारी उनके दिए गए कार्य करते हैं।

समूह में चर्चा कीजिए-

- हड़ताल, बंद, धरना, रास्ता रोको जैसे संदर्भों में कुछ लोग कार्यालय, बसों को नष्ट पहुंचाते हैं। सरकारी संपत्ति हैं ना। हमारा क्या जाता है समझते हैं। सरकारी संपत्ति से तात्पर्य किसकी संपत्ति?
- इन संस्थाओं को धन कहां से आता है? कौन देते हैं?
- सरकारी संपत्ति को नष्ट न पहुंचे, उसके लिए हमें क्या करना चाहिए?

7.4. सरकारी संस्थाएँ-सरकारी संपत्ति

सरकारी संस्थाएँ नागरिकों की मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। इन कार्यों के लिए धन की आवश्यकता होती है। संस्थाओं के संचालन (निर्वाह) के लिए कार्यालय, कर्मचारी, उनके वेतन आदि के लिए भी धन की जरूरत होती है।

सामाजिक संस्थाओं और उनके निर्वाह और विभिन्न कामों के लिए आवश्यक धन हमारा ही है। हम सब सरकार को विभिन्न कर, फीस के रूप में भुगतान करते हैं। उस धन से ही सरकार अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। सरकारी संपत्ति का अर्थ वह अपनी ही संपत्ति। उसकी रक्षा करके आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना हम सब का कर्तव्य है। नहीं तो विकास नहीं होगा। सब नागरिक कर्तव्य निष्ठ रहें। देश हमारा है, संपत्ति भी हमारी है।

गलियों में रोशनी की व्यवस्था, जल कूप, पंचायत कार्यालय, अस्पताल ये सब हमारे लिए ही हैं ना। दिन में भी गलियों के बल्ब खुले रहना, नल से पानी का बेकार बहते रहना, सरकारी कार्यालयों के वरंडा, दरवाजे, खिड़कियां खराब करने का अर्थ यही है कि हम अपने आपको हानि पहुंचा रहे हैं। यह सब अपने ही हैं, इनकी हमें रक्षा करनी चाहिए।

SCERT TELANGANA

7.5. सूचना का अधिकार

माँ : क्यों रवि, कुछ दिनों से मैदान गए बिना घर के पास क्यों खेल रहे हैं?

रवि : ओह! वहाँ गंदे पानी की नाली से पानी बहकर दुर्गंध आ रही है माँ।

माँ : गंध आ रही है, तो गंदे पानी की नाली की समस्या के बारे में पंचायत कार्यालय में शिकायत करनी चाहिए। न कि घर के सामने इस तरह खेलना चाहिए।

राजु : चाची! इस समस्या के बारे में मेरे भय्या ने पाँच दिन पहले ही पंचायत कार्यालय में शिकायत लिखकर दिये हैं।

अरुण : शिकायत करने पर वे ध्यान देते हैं।

माँ : 12 अक्टूबर, 2005 से सूचना का अधिकार अधिनियम लागू हुआ। तबसे जनता की शिकायतों पर ध्यान दिया जा रहा है।

अरुण : चाची! सूचना का अधिकार अधिनियम का अर्थ क्या है?

माँ : सार्वजनिक संस्थाओं के पास जो समाचार है, उसको प्राप्त करने के अधिकार को ही सूचना का अधिकार कहते हैं। इसके अंतर्गत हम सरकार द्वारा किये जाने वाले कार्य, दस्तावेज, प्रतिवेदन आदि से संबंधित समाचार प्राप्त कर सकते हैं। उसकी प्रतियाँ भी प्राप्त कर सकते हैं।

सूचना (समाचार) का अधिकार अधिनियम-2005

सरकारी कार्यालयों से हम जो समाचार प्राप्त करना चाहते हैं, उस उद्देश्य का कानून ही सूचना अधिनियम है। सरकारी कार्यालयों के रिकार्ड, पत्र, मेमो, आदेश, प्रतिवेदनों से जो हमारी आवश्यकता है, उसकी जानकारी प्राप्त करने का अधिकार हमको है। इस कानून द्वारा समाचार प्राप्त करने का आवेदन पत्र संबंधित अधिकारी को देकर लिखितपूर्वक विवरण संबंधित अधिकारी से स्वीकार कर सकते हैं।

आवेदन पत्र सादे कागज पर भी लिखकर दे सकते हैं। इसके लिए नाम मात्र शुल्क भरना होगा। ग्राम स्तर पर समाचार प्राप्त करने के लिए कोई शुल्क नहीं देना पड़ेगा। गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों को भी आवेदन पत्र शुल्क भुगतान करने की जरूरत नहीं है। आवेदन पत्र के तीस दिनों में संबंधित अधिकारी समाचार उपलब्ध कराएं। जीने का अधिकार व्यक्ति स्वतंत्रता से संबंधित विषय हो तो 48 घंटों में देना चाहिए।

केंद्र, राज्य स्तर पर सूचना कमिश्नर (सूचना आयुक्त) स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं। हर सरकारी कार्यालय में सार्वजनिक सूचना अधिकारी होता है। कार्यालय के सूचना पटल पर कौनसा समाचार कितने दिनों में उपलब्ध होगा, लिखा जाता है।

जनता सरकार का भाग है। हर कार्यालय की कार्यक्षमता आवश्यक समाचार पाने का अधिकार सबको है। सरकारी व्यवस्था का समाचार जनता को उपलब्ध कराना ही इस कानून का प्रधान उद्देश्य है।

SCERT TELANGANA

रवि : माँ! अपने गांव में सभी कार्यालयों में विवरण उपलब्ध रहते हैं?

माँ : जरूर रखना चाहिए। समाचार उपलब्ध कराना अधिकारियों का कर्तव्य है। पूछकर जानना हमारा अधिकार है।

अरुणा : चाची! पूछकर जानने के लिए कहा है ना। फिर किससे पूछें?

माँ : बहुत अच्छा प्रश्न किया आरुणा। कार्यालयों में सार्वजनिक सूचना अधिकारी से पूछकर जान सकते हैं। समाचार का विवरण दस्तावेज (पत्र) के रूप में भी प्राप्त कर सकते हैं।

समाचार प्राप्त करने संबंधी आवेदन पत्र

दिनांक : _____

जन समाचार अधिकारी,

ग्रामपंचायत कार्यालय का नाम,

बीजवरम (ग्राम)

मलडकल्ल (मंडल)

जोगुलांब गद्वाल

समाचार प्राप्त करने आवेदन पत्र

सूचना प्राप्त करने का अधिकार अधिनियम 2005, धारा 6(1) के अनुसार निम्न समाचार धारा 4(4) के अनुसार तेलुगु/हिंदी/अंग्रेजी में हर पृष्ठ को धारा 2(जे) (ii) के अनुसार सत्यापित कर जारी करने की कृपा करें।

वर्ष 2012-13 में ग्राम पंचायत को प्राप्त अनुदान से संबंधित निम्न विवरण उपलब्ध करवाएं।

वर्ष 2012-13 में प्राप्त कुल अनुदान_____ रुपये

उस राशि को कौनसे कामों के लिए कितना खर्च किए हैं?_____

खर्च के बाद रकम बची है? _____

अगर बची है तो कितने रुपये?_____

आवेदन पत्र शुल्क रुपये १०/- चालान के रूप में भुगतान कर रहा हूं। पावती देने की कृपा करें।

आवेदक के हस्ताक्षर

नाम : वेंकट

पता:
ग्राम: बिज्वारम
मं : मलडकल्ल_____
जिला: जोगुलांब गद्वाल_____

SCERT TELANGANA

राजु	:	चाची! हमारे भैय्या ने गंदे पानी के नाली की समस्या के बारे में पांच दिन पहले पंचायत कार्यालय में शिकायत की है ना! उस विषय के बारे में क्या हुआ, अब हम पूछकर मालूम कर सकते हैं?
माँ	:	मालूम कर सकते हो, 30 दिन में समाचार देना चाहिए।
अरुणा	:	30 दिन में समाचार न देने पर?
माँ	:	उनसे उच्च अधिकारी के पास अपील करना। सफेद कागज लाओ। आवेदन पत्र कैसे लिखना है बताऊंगी। (मां के कहे अनुसार बच्चे सफेद कागज पर लिखकर माँ के साथ मिलकर ग्राम सचिव से मिलते हैं)
राजु, रवि, अरुणा, मां	:	नमस्ते सर! आपसे मिलने आए हैं सर।
ग्राम सचिव	:	बच्चो ! तुम्हें क्या चाहिए?
माँ	:	सर! ये लोग हर दिन जिस मैदान में खेलते हैं, उसमें गंदा पानी बह रहा है, जिससे दुर्गंध आ रही है। इसके बारे में राजु के भैय्या ने पांच दिन पहले शिकायत की है।
ग्राम सचिव	:	काम वाले गंदे पानी की नालियों की प्रतिदिन सफाई कर रहे हैं ना।
राजु	:	नहीं सर! बहुत दिनों से गंदे पानी की नालियों की सफाई कोई नहीं कर रहा है।
अरुणा	:	वास्तव में गंदे पानी की नालियों की सफाई कौन करते हैं? कितने दिन में एक बार साफ करते हैं?
ग्राम सचिव	:	यह सब विवरण आपको क्यों?
मां	:	ऐसा मत कहिए। सूचना का अधिकार अधिनियम के अनुसार जानने का अधिकार सबको है। बच्चों आवेदन-पत्र दीजिए।
ग्राम सचिव	:	(आवेदन पत्र लेकर) ठीक है, आप जाइए।
बच्चे	:	(फिर रसीद! (पावती)
ग्राम सचिव	:	अच्छा बच्चों! (रसीद लिखकर) यह लीजिए। अभी गंदे पानी की नाली साफ करवाता हूँ। बच्चों, तुमने समाचार पूछा है ना। पंचायत सफाई कर्मचारी को गंदे पानी के नाली की हर दिन सफाई करनी चाहिए। यह समाचार तुम्हें उत्तर की तरह भिजवाऊंगा।

समूहों में चर्चा कीजिए-

- सूचना का अधिकार अधिनियम का उपयोग हम किन संदर्भों में कर सकते हैं?
- अपने गांव की समस्याओं के बारे में क्या समाचार जानना चाहते हो? इसके लिए आवेदन पत्र लिखिए।

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द:

1. सरकारी संस्था	6. ग्राम पंचायत	11. राशन कार्ड
2. सामान	7. मंडल परिषद	12. आरोग्यश्री कार्ड
3. शिकायत	8. जिलाधीश कार्यालय	13. सरकारी संपत्ति
4. प्रतिवेदन	9. सर्व सदस्य बैठक	14. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र
5. ऋण (कर्ज)	10. मंडल परिषद अध्यक्ष	15. पशु चिकित्सालय

हम कहां तक सीख चुके?

1. विषय की समझ

अ) सरकारी संस्थाएँ किसे कहते हैं? उदाहरण लिखिए।

आ) अपने ग्राम पंचायत की सेवाएँ बताइए।

इ) आपके गाँव में कौन-कौन सी समस्याएँ हैं? क्या ग्राम पंचायत इन्हें दूर करता है?

ई) आपके मंडल का नाम क्या है? वहां कौन कौन से कार्यालय हैं?

उ) आपके जिले का नाम क्या है? आपका जिला केंद्र कहां है? वहां कौन कौन से कार्यालय हैं?

ऊ) मंडल विकास कार्यालय, तहसीलदार कार्यालय के कार्यों में क्या अंतर है?

ऋ) एक परिवार को एक से ज्यादा राशन कार्ड नहीं देते, क्यों?

ऐ) सूचना के अधिकार से क्या लाभ है? तुम क्या सूचना चाहते हो?

ऐ) आपके गाँव की किन समस्याओं को जानने के लिए आप सूचना के अधिकार का उपयोग करेंगे।

2. प्रश्न करना - अनुमान लगाना

- जिला केंद्र में किसी एक कार्यालय का नाम लिखिए। उस कार्यालय से जनता की क्या भलाई हो रही है मालूम करना है। उसके लिए कौनसे प्रश्न पूछेंगे?

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र परीक्षण

- आपके ग्राम में स्थित सरकारी संस्थाओं में जाकर देखिए कि वे क्या काम करते हैं। पता करके लिखिए।

SCERT TELANGANA

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

अ) ग्राम पंचायत या मंडल केंद्र या किसी डाक कार्यालय जाइए। उस कार्यालय में कौन-कौन रहते हैं? क्या काम करते हैं? उस कार्यालय से जनता को होने वाले लाभ क्या हैं? विवरण प्राप्त करके प्रदर्शित कीजिए।

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) अपने मंडल का मानचित्र खींचिए। आपके मंडल में कौनसी संस्थाएं हैं दर्शाएं?

आ) अपने जिले के मानचित्र में आपके मंडल को दर्शाएं। इसके बगल में और कौनसे मंडल हैं दर्शाएँ।

इ) आपके गाँव में कौनसे कार्यालय हैं, प्रत्येक को चिह्न से दर्शाएँ-

पाठशाला	△	अस्पताल	┼
डाक खाना	P	बैंक	○

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव-विविधता के प्रति जागरुकता-

अ) सरकारी कार्यालय, सामाजिक संस्थाएं जनता की संपत्ति हैं। इनको हानि न पहुंचे, इसके लिए हम क्या कर सकते हैं?

आ) तुम्हारी पाठशाला भी एक सामाजिक सेवा संस्था है। फिर आप अपने पाठशाला में करने योग्य, न करने योग्य काम लिखिए।

इ) गांव में होने वाली ग्राम सभा में, पाठशाला में होने वाली अभिभावक बैठक में माता-पिता को उपस्थित होना चाहिए। तभी मालूम होता है कि वहाँ क्या हो रहा है। फिर आप अपने माता-पिता की उपस्थिति के बारे में क्या करेंगे।

ई) तुम्हारा भाई, बहिन पाठशाला से यदि घर लौटकर नहीं आते हैं, तुब नजदीक के पुलिस स्थाने में लिखित शिकायत दर्ज करें।

मैं यह कर सकता हूँ?

1.	गाँव से जिला तक कहाँ-कहाँ कौनसी संस्थाएँ हैं, बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	विभिन्न संस्थाओं से जनता को होने वाले लाभों का वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	जिले के मानचित्र में, मंडल के मानचित्र में कार्यालयों को पहचान सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	किसी भी संख्या से सूचना प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5.	मंडल के मानचित्र में कहाँ-कहाँ कौनसे कार्यालय हैं पहचान सकता हूँ।	हाँ/नहीं
6.	सरकारी कार्यालय जनता की संपत्ति है। इसकी सुरक्षा के लिए हम क्या कर सकते हैं। वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

8 गृह निर्माण-स्वच्छता
(House construction – Sanitation)

हमें रहने के लिए घर चाहिए। गाँव और नगरों में कई प्रकार के घर होते हैं। निम्न चित्र में कुछ घर हैं। उन्हें देखेंगे -

समूह में चर्चा कीजिए-

- चित्र में किस प्रकार के घर हैं?
- तुम्हारे गाँव में किस-किस तरह के घर हैं?
- घर विभिन्न प्रकार के क्यों होते हैं?

8.1. गृह-कल-आज

पहले से तुलना की जाए तो गृह निर्माण में अनेक बदलाव आए हैं। पहले लोग कहाँ निवास करते थे? जानते हो किस प्रकार के गृहों में निवास करते थे?

यादगिरी थापी मिस्त्री है। पिछले बीस वर्षों से गृह निर्माण का कार्य कर रहा है। उसने गांवों में, नगरों में कई प्रकार के घरों का निर्माण किया है। आइए, यादगिरि द्वारा बनाए गए कुछ घर देखें। बीस वर्षों से सैकड़ों गृह निर्माण करने वाले यादगिरी ने गृह निर्माण में आए बदलाव के बारे में क्या कहा सुनेंगे!

SCERT TELANGANA

मेरे बचपन में हमारे माँ-बाप ने हमारा घर बनाया। हमारा मिट्टी से बनाया घर है। मैं और मेरे बहिन ने भी घर बनाने में सहायता की है। मिट्टी खोदकर पानी से मिलाकर तोंदे बनाए हैं। इन मिट्टी के तोंदो को जमाते हुए दीवार बनाई गई। चार दीवारें छ फीट ऊँची उठाने के बाद लकड़ी से बनी लक्कड़ों पर बाँस की पतली पत्तियाँ डालकर, ताड़पत्रों से छत डाली गयी। नीम की लकड़ी कटवाकर बढ़ाई सत्यमय्या से दरवाजे खिड़कियाँ बनावाए गए। इनको दीवारों में लगाया गया। हमारी माँ कमरे की दीवारों और फर्श पर गोर का लेप करके विभिन्न आकार के चित्र उतारती थीं। शुभ कार्यों के समय दीवारों को हम ही चूना डालते थे। उन दिनों हमारा घर बनाने की सभी सामग्री यहीं पर लगभग निःशुल्क ही मिली। हमारा घर ठंडा रहता था।

समूह में चर्चा कीजिए-

- यादगिरि के लोग घर बनाने के लिए क्या-क्या सामग्री का प्रयोग किए हैं? इसमें क्या-क्या खरीदे होंगे? क्या निःशुल्क मिले होंगे?
- उस जमाने में बनाए गए मिट्टी के घर, आज के घरों में क्या अंतर है?
- क्या इस काल में भी मिट्टी के घर बना रहे हैं? या नहीं, क्यों?

8.2. मिट्टी की छत

मैं 18 वर्ष की आयु में थापी मिस्त्री बना। पहले मिट्टी के भवन निर्माण करता था। क्या तुम्हें मालूम है? भवन की दीवारें मिट्टी से बनाते थे। ऊपर की छत भी मिट्टी की बनाते थे। उसके बाद रेती, चूना, 'डंग' में डालकर घुमाया जाता, उससे बने मिश्रित पदार्थ से दीवार जमाने में बनाते थे। प्राचीन काल के दुर्ग की दीवारें भी पत्थर चूने से बनी हुई ही हैं।

उन दिनों मैंने जली हुई ईंटे, चूने से कई बंगले बनाये हैं। इन बंगलों में रसोई घर, धान्य रखने के कमरे रहते थे। दीवारों को रेत, चूने के मिश्रण से पुताई की जाती थी। सागवान, मद्दी लकड़ी के लक्कड़ों पर बेंगलूर टाइल्स से ऊपरी छत बनाते थे। नीचे जमीन पर तांडूर, शाबाद के पत्थर बिछाए जाते थे। घर के चारों ओर ज्यादा खाली प्रवेश छोड़ा जाता था। हर घर में नीम का पेड़ लगाया जाता था। घर के सामने चबूतरे होते थे। रात के समय ज्यादा लोग आँगन में पलँग पर सोते थे।

SCERT TELANGANA

घर के सामने चबूतरे रहने से क्या लाभ है?

बहुत धनवान लोग बंगले बनवाते थे। ईंट की दीवारें बनाते थे।

इस पर सिमेंट की प्लास्टरिंग करते थे। ऊपरी छत पर सिमेंट, कंकर, रेती से बनी कांक्रीट मिश्रण से स्लैब का निर्माण होता था।

समूह में चर्चा कीजिए-

- ईंट से दीवार बनाते समय ईंटों को कैसे रखा जाता है?
- बंगले बनाने में कौनसी सामग्री का उपयोग करते हैं? वह सामग्री कहां मिलती है?
- बंगले के निर्माण में कौन-कौन सहायता किये होंगे?

इसी बीच मैंने एक डूप्लेक्स मकान बनाया। घर के मालिक का नाम चक्रपाणि है। स्थल 36 गज लंबी 30 गज चौड़ी है। इंजीनियर से घर का नक्शा बनवाया।

सोचिए...

चक्रपाणि के घर का नक्शा देखिए। पहले तल पर क्या-क्या है बताइए।

© SCERT TELANGANA

पहले सिमेंट कांक्रीट से आधार बनाकर, लोहे की सलाखों में कांक्रीट डालकर पिल्लर बनाए। सिमेंट की ईंटों से दीवार बनाए। विचित्र बात यह है कि हम जो सीमेंट ईंट का उपयोग किए हैं, वो बहुत हल्के हैं। पानी में डालने पर ऊपर तैर रहे हैं। स्लैब (छत) डालने के लिए लिफ्ट, वाइब्रेटर का उपयोग किए हैं। कमरे ठंडे रहने के लिए छत में प्लास्टर ऑफ पैरिस की शीटों से सीलिंग किए हैं। जमीन पर राजस्थान, उत्तर प्रदेश से मँगाया गया संगमरमर का पत्थर बिछाया गया। रसोई घर, स्नान गृह में सिरामिक्स टाइल्स लगाए हैं।

यह घर बनाने के लिए केवल मेरी निपुणता बस नहीं हुई। टाइल्स लगाने, पत्थर बिछाने, सीलिंग बनाने, रंग डालने, पाइप लाइन बनाने बहुत सारे कुशल कारीगरों की जरूरत पड़ी। घर के ऊपर लगाया गया सौर ऊर्जा फलक से घर के लिए आवश्यक बिजली का उत्पादन हो रहा है। पानी भी गरम हो रहा है। जो स्थल था पूरा घर बनाने के लिए पर्याप्त हुआ। मकान के ऊपरी छत पर प्लास्टिक शीट बिछाकर

सोचिए...

- डूप्लेक्स और साधारण मकान में क्या भेद हैं?
- रूफ गार्डन किसे कहते हैं? रूफ गार्डन बनाने का उद्देश्य क्या है?

मिट्टी से खलिहान जैसा बनाकर उसमें तरकारी, फूलों के पौधे उगाने की व्यवस्था किए हैं। इसी को रूफ गार्डन कहते हैं।

संग्रह कीजिए-

- गृह निर्माण कैसे हो रहा है? कितने स्थल में बना रहे हैं?
- कितने आदमी काम कर रहे हैं? कौन-कौन क्या काम कर रहे हैं?
- काम करने वालों को दैनिक भत्ता कितना दिया जा रहा है? (किन्हीं तीन से पूछकर लिखिए)
- गृह निर्माण के लिए कौन-कौन सी सामग्री का उपयोग कर रहे हैं? कौनसे औजार का उपयोग कर रहे हैं?
- यह सामग्री कैसे लेकर आए हैं? (ट्रैक्टर, लॉरी, आटो, बैलगाड़ी, रिक्शा आदि)
- एक कमरा बनाने मे कितनी ईंट, कितने सीमेंट के थैले चाहिए?
- एक कमरा बनाने में लगभग कितना खर्च होगा?

SCERT TELANGANA

8.3. गृहनिर्माण कैसे होता है?

आपके घर के करीब निर्माणाधीन किसी गृह के पास जाइए। जानकारी एकत्र करके लिखिए।

8.4. ईंट बनाने की विधि

ईंट तैयार करने में निम्न दशाएं रहती हैं

- कच्ची मिट्टी इकट्ठा करना।
- कच्ची मिट्टी को कीचड़ के साथ मिलाना।
- इसको पानी से मिलाकर जानवरों से रौंदवाकर नरम बनाना।
- मिट्टी के तोंदों को ईंट के आकार वाले सांचे में डालकर, कच्ची ईंटो को दो दिन सुखाया जाता है।
- सूखी हुई कच्ची ईंटों को भट्टी के आकार में जमाया जाता है। धान की भूसी से जलाया जाता है। ईंट की भट्टी तीस दिन तक जलती है।
- ईंट लाल होने के बाद एक सप्ताह ठंडी करके घर बनाने वालों को बेचते हैं।

समूह में चर्चा कीजिए-

ईंट कैसे तैयार किया जाता है, आपने मालूम कर लिया न! नीचे के चित्र देखिए। ईंट तैयार करने के सोपान चित्रों के नीचे लिखिए।

1. _____

2. _____

3. _____

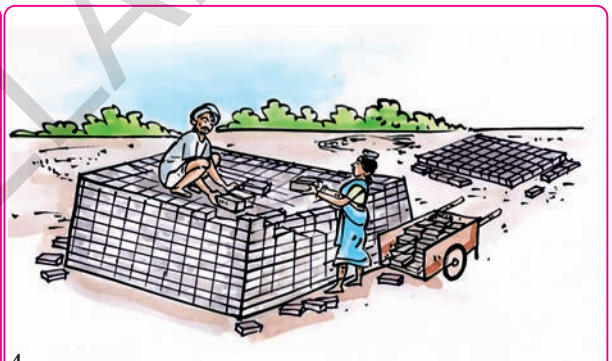

4. _____

5. _____

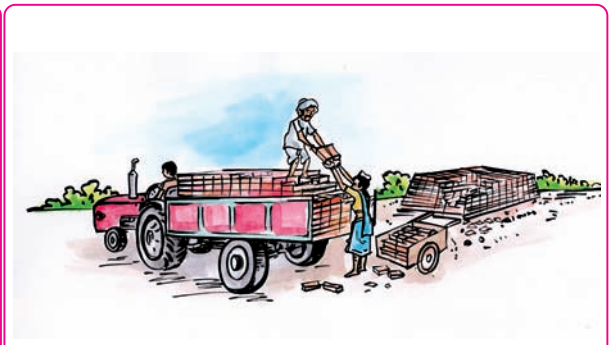

6. _____

गृह निर्माण के लिए ज्यादा मिट्टी से बनी ईंटों का ही उपयोग कर रहे हैं। हल्की, मजबूत, लाल रंग की गुणवत्ता वाली ईंटों की माँग रहती है। फिर इन ईंटों को कैसे तैयार करते हैं, क्या मालूम है? ईंट बनाने

SCERT TELANGANA

की विभिन्न दशाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे?

घर निर्माण में ईंट के साथ-साथ पत्थर, रेत, सिमेंट, कंकड़, छड़, टाइल्स आदि का प्रयोग भी होता है। इनके बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे ।

तांडूर पत्थर

राजस्थान का संगमरमर

शाबाद पत्थर

खम्मम ग्रेनाइट

8.5. गृह निर्माण-अन्य सामग्री

घर बनाने के लिए ईंटों के साथ बुनियाद में उपयोगी पत्थर, फर्श पर बिछाने वाले पत्थर हमारे राज्य में तांडूर, बेतमचर्ला, खम्मम में विभिन्न रंगों में मिल रहे हैं।

कांक्रीट मिश्रण बनाने के लिए कंकड़-पत्थर की आवश्यकता होती है।

स्टोन क्रशर मशीन

SCERT TELANGANA

सोचिए...

- क्या? मजदूरों के बच्चे पाठशाला जाते हैं? अगर वो नहीं पढ़े तो क्या होगा?
- ईंट की भट्टी गृह निर्माण स्थलों में रहने वाले मजदूरों को क्या सुविधाएँ चाहिए? वे किस तरह उपलब्ध कराए जाएँगे?

इसके लिए क्रशर का उपयोग करते हैं। बड़े-बड़े पत्थर मशीन में डालकर छोटे-छोटे कंकड़-पत्थर तैयार करते हैं। यह काम करने वाले मजदूर जरूरत पड़ने पर अपने आवास वहीं पर बना लेते हैं। उनके साथ उनके बच्चे भी वहीं पर रहते हैं।

8.6. अपार्टमेंट का निर्माण

नगरों में भूमि का मूल्य बहुत ज्यादा रहता है। इसलिए कम स्थल पर ज्यादा घर वाले बड़े-बड़े अपार्टमेंट का निर्माण करते हैं। एक-एक अपार्टमेंट में 25-30 परिवारों के आवास योग्य निर्माण करते हैं। एक परिवार जिसमें रहता है, उसे 'फ्लैट' कहते हैं। आजकल बहुत ज्यादा परिवार अर्थात 50 से

कंकर मिश्रण यंत्र

क्रेन

सामान ऊपर ले जाने वाला यंत्र

समूहों में चर्चा कीजिए-

- अपार्टमेंट की आवश्यकता क्या है? उससे क्या लाभ है?
- इन्हें इतना ऊंचा कैसे बनाया गया होगा सोंचिए?
- उतनी ऊंचाई तक निर्माण सामग्री कैसे पहुंचाई गई होगी?

SCERT TELANGANA

सोचिए...

अपार्टमेंट साधारण गृहों के बीच क्या अंतर है बताइए?

भी अधिक परिवारों के आवाज योग्य अपार्टमेंटों का निर्माण हो रहा है। अपार्टमेंट के निर्माण के लिए कौन-कौनसी वस्तुओं का उपयोग करते हैं? तुम्हें मालूम है? निम्न वस्तुओं की ओर ध्यान से देखिए।

साधारण रूप से अपार्टमेंटों में नीचे संगमरमर या टाइल्स लगाते हैं। क्या तुम्हारे प्रांत में यह मिलते हैं। ये तुम्हारे प्रांत में कहां से कैसे लाए गए पता करके बताइए।

साधारणत: घर के दरवाजे, खिड़कियाँ लकड़ी **की** होती हैं। आजकल लोहे **का** भी **उपयोग** कर रहे हैं। आ... े दरवाजों का उपयोग हो रहा है। खिड़कियों और दरवाजों के लिए शीशे का भी उपयोग

सोचिए...

दरवाजों, खिड़कियों आदि के लिए लकड़ी के बदले दूसरी सामग्री का उपयोग क्यों किए होंगे?

8.7. गृह-विविध प्राँत

गर्मी, जलपात, उपलब्ध सामग्री के आधार पर घरों का निर्माण होता है। अपने देश के विभिन्न प्रांतों रहने वाले गृहों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

पूर्वोत्तर राज्य असम, मेघालय, नागालैंड में वर्षा अधिक होती है। वातावरण भीगा-भीगा रहता है। सन् 1826 में ब्रिटिश वालों ने यहाँ गृह बनाना आरंभ किया। यहाँ लकड़ी से बने घर अधिक दिखाई देते हैं। बाँस की लकड़ियों का उपयोग दीवार की तरह करते हैं। इसको

सोचिए...

घर की छत अस्बस्तास से एक ओर झुका हुआ क्यों रखते हैं?

SCERT TELANGANA

गोबर से मिली नरम मिट्टी पोतते हैं। घर की छत अस्बस्तास से थोड़ा झुकी हुई बनाते हैं। निचला भाग स्लिट्स पर बनाते हैं। वर्षा का पानी जाने वाले मार्ग को 'स्टिल' कहते हैं।

कश्मीर बहुत ठंडा प्रदेश है। यहाँ तापमान कभी-कभी शून्य डिग्री से भी कम हो जाता है। यहां पर्वतों पर घर होते हैं। श्रीनगर में दल शील में 'डोंगा' नाम नाव घरों में यात्री विहार करते हैं।

क्या तुम्हें मालूम है?

अपने राज्य में तांडूर क्षेत्र में रंगीन पत्थर उपलब्ध होते हैं। इस प्रांत में पत्थर कम मूल्य में मिलते हैं, इसलिए घर की दीवारें, छत, फ्लोरिंग सब पत्थर से ही निर्माण करते हैं। पत्थर की छत। क्या विचित्र नहीं है। उसी तरह समुद्र के किनारे वाले प्रांतों में नारियल के पत्तों को, नल्लमला, मन्यम जंगलों में बांस का प्रयोग गृह निर्माण के लिए ज्यादा करते हैं।

8.8. गृह-समस्याएँ

समूह में चर्चा कीजिए-

- बच्चों! आप सबके निजी घर हैं? आपका घर किस प्रकार का है?
- सबेरे निजी घर नहीं है, क्यों?
- जिनका निजी घर नहीं है उनकी क्या समस्याएँ हैं?
- आपके घरो में क्या-क्या सुविधाएँ हैं? आपको कैसे घर पसंद हैं?
- घर की सुविधाओं में इस तरह अंतर के कारण क्या हो सकते हैं?

SCERT TELANGANA

हमारे जीवन यापन के लिए गृह आवश्यक है ना। तो फिर हमारे चारों ओर रहने वालों में बहुत सारे लोगों को निजी गृह नहीं होते हैं। अपने राज्य में बहुत सारे लोग निर्धन हैं। वे सब किराये के घरों में,

सोचिए...

झोपड़पट्टी इतना अस्वच्छ क्यों रहती है?

अस्थाई निवास स्थानों में रहते हैं। गरीबों के लिए सरकार घर बनाकर दे रही है।

नगरों में गरीब लोग नालियों के छोर पर, नदी के किनारे, सरकारी स्थलों के रिक्त जगह पर झोपड़ियाँ डालकर निवास करते रहते हैं। हैदराबाद की एक झोपड़पट्टी का चित्र देखिए। लोग यहाँ क्यों रहते हैं?

8.9. घर के बाहर मल विसर्जन

ग्रामीण प्राँतों में अभी भी बहुत सारे घरों में शौचालय नहीं है। कुछ लोग शौचालय रहने पर भी घर के बाहर ही मल विसर्जन कर रहे हैं। यह एक बुरी आदत है। इसके कारण अनेक हानियाँ हैं। मल पर बैठी

मक्खियों से जीवाणु फैलते हैं। नालियों के छोर, तालाब के बाँध के पास मल विसर्जन करने से वर्षा द्वारा वह पानी में पहुँच जाता है। ऐसे पानी को पीने से और दूषित खाद्य पदार्थ खाने से कलरा, टाइफाइड जैसी बिमारियाँ फैलती हैं। खुले प्रदेश में मल विसर्जन करने से केंचुए फैलते हैं। पेट में केंचुए रहने पर रक्तहीनता होती है। अपना खाना केंचुए खा लेते है। हम निर्बल हो जाते हैं। साल में दो बार पेट से केंचुए दूर करने डीवार्मिंग की गोलियाँ खानी चाहिए।

8.10. संपूर्ण स्वच्छता अभियान

सबके लिए शौचालय उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रयत्न कर रही है। कमजोर वर्ग के लिए शौचालय निर्माण के लिए आर्थिक सहायता कर रही है। आपके गाँव में कितने लोगों ने इसका उपयोग किया है?

घर में शौचालय रहने पर ही गृहस्थी बनने की बात अनीता बाई ने कहा-

चित्र में दिखाई दे रही महिला का नाम अनीता बाई है। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में चिचौली इनका ग्राम है। **2011** में रतनपुर ग्रामवासी शिवराम से विवाह हुआ। ससुराल वालों के घर कदम रखते ही वहां शौचालय न होने के कारण अनीता बाई को कठिनाई हुई। शौचालय के न होने के कारण अनीता बाई अपने मायके गई और कहा कि ससुराल वालों के घर में शौचालय निर्माण करने पर ही गृहस्थी करने जाऊंगी। इसके बारे में उनके परिवार में, गांव में चर्चा हुई। सबने कहा कि अनीता बाई ने जो कहा वो सच है। जब अनीता बाई के ससुराल वालों के घर में शौचालय बनाया गया। उसी तरह उस ग्राम के सब लोगों ने शौचालय बनवा लिए। इस तरह अनीता बाई स्वच्छता क्रांति की कारक बनी। यह घटना राष्ट्रीय स्तर पर महत्व प्राप्त की। केंद्रीय ग्रामीण विकास विभाग मंत्री जयराम रमेश ने इन्हें 'सुलभ सानिटेशन अवार्ड' के रूप में पांच लाख रुपये का चेक उपहार में दिया। उस समय के राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने भी इनकी प्रशंसा की।

केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश जी से नगर उपहार लेती हुई अनीताबाई

भारत के राष्ट्रपति द्वारा निर्मल पुरस्कार स्वीकार करना

SCERT TELANGANA

क्या तुम्हें मालूम है?

100 प्रतिशत स्वच्छता वाले गांव, विशेषकर गांव के सभी घरों में शौचालय रहरक गांव में सफाई की व्यवस्था सही रहने पर उस गावं को 'निर्मल पुरस्कार' दिया जाता है। इसके कार्यान्वियन करने वालों को राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है। तुम्हारे जिले/मंडल में इस तरह निर्मल पुरस्कार प्राप्त करने वाले कितने गांव हैं, पता करके बताइए।

समूह में चर्चा कीजिए-

- क्या कचरा इस तरह फेंकना उचित है? सोचिए।
- क्या इस तरह करने से होने वाले नुकसान के बारे में चर्चा कीजिए?
- तुम्हारे घर/पाठशाला के कचरे को क्या करते हैं?
- **क्या सब** कचरा व्यर्थ होता है? क्या फिर किसी के लिए प्रयोग कर सकते हैं?
- घर में कचरा कम करने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

8.11. स्वच्छता जरूरत

आरोग्य ही महाभाग्य कहा जाता है। अस्वच्छता (गंदगी) के कारण अनेक बीमारियां फैलती हैं। हमारे स्वास्थ्य के लिए अस्वच्छता प्रथम शत्रु है। निम्न चित्र देखिए। क्या हो रहा है बताइए। इसके कारण किस तरह की हानि हो रही है?

8.12. घर में कचरा

तुम्हारे घर में जमा होने वाले व्यर्थ सामान देखिए। इसमें क्या-क्या हैं? खाद्य पदार्थ, पत्ते, फलों का छिलका जैसे कच्चा कचरा, कवर, कागज के टुकड़े जैसे हैं ना?

सोचिए...

तुम्हारे घर में कितने प्रकार का कचरा रहता है? इस कचरे को तुम क्या करते हो? इसमें कच्चा कचरा कौनसा है? सूखा कचरा कौनसा है?

SCERT TELANGANA

कच्चा कचरा जल्दी गलकर मिट्टी में मिल जाता है। इसलिए इसे कंपोस्ट के गड्ढे में डालना चाहिए। सूखे कचरे को पुनः उत्पादन (री-साइकिल) करने का मौका रहता है। इनका संग्रह करने वालों को देना चाहिए। नगरों में नगर निगम वाले कच्चा कचरा, सूखा कचरा अलग-अलग इकट्ठा करने की

व्यवस्था कर रहे हैं। नगर पालिका की वाहन आपके घर के सामने आए तब कच्चा, सूखा कचरे के डिब्बे उन्हें सौंपने चाहिए।

घर के परिसर में, पाठशाला में जमा हुआ कचरा, पत्तों को जमा करके जलाना सही नहीं है। इसके कारण वायु प्रदूषण होता है। टीन, शीशा आदि उसी तरह बच जाते हैं। ऐसा करना पर्यावरण के लिए हानिकारक है।

क्या तुम्हें मालूम है?

चंडीगढ़ में लेकचंद्र नामक व्यक्ति ने जनता द्वारा फेंके गए कचरे का संग्रह करके उसे निर्माण सामग्री में परिवर्तित करके सुंदर 'राक गार्डन' का निर्माण किया।

अपने अड़ोस-पड़ोस को स्वच्छ रखना जितना मुख्य है, कचरा रहित बनाना भी उतना ही मुख्य है। सोचिए कि घर में उत्पनह्न होने वाले कचरे को कैसा कम कर सकते हैं। पर्यावरण के संरक्षण के लिए यह तीन सूत्र का पालन सबको करना चाहिए।

1. **कचरे को कम करना-** आवश्यक वस्तुओं को जितनी जरूरत है, उतना ही उपयोग करने से कचरा कम कर सकते हैं या पूरा बंद कर सकते हैं। उपयोग करके फेंकने योग्य प्लास्टिक के ग्लास, प्लेट, थैलियां, चाय गिलास, चम्मचों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उनका एक

सोचिए...

अपनी पाठशाला में कंपोस्ट गड्ढे की व्यवस्था कीजिए। इसमें पेड़ों के पत्ते आदि कचरा डालिए। मिट्टी से ढंक दीजिए। एक महीने में तैयार कंपोस्ट पाठशाला के बगीचे के पौधों में डालिए।

दिन/एक बार उपयोग करके फेंकने से जहां देखे वहां ढेर लग जाता है। वातावरण प्रदूषण, पानी में डालने से उसमें रहकर जलप्रदूषण होकर पौधे, मछलियां मर रहे हैं। इस प्लास्टिक के बदले स्टील, लौह से बनी चीजें प्रयोग करना चाहिए। इन्हें बार-बार उपयोग कर सकते हैं। फेंकने की जरूरत नहीं रहती।

2. **पुनः प्रयोग-** औजार मरम्मत करके या रीफिलिंग करके उपयोग करना, थैले, कवर जैसे बिना फेंके पुनः प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से प्लास्टिक का प्रयोग कम करने वाले बनेंगे।

3. **पुनः उत्पादन (री साइक्लिंग)-** लोहा, प्लास्टिक, शीशा, कागज, इलाक्ट्रॉनिक वस्तुओं

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द:

1. थापी मिस्त्री	6. अपार्टमेंट	11. रूफ गार्डन
2. गृह निर्माण	7. मिट्टी के बंगले	12. ईंट की भट्टी
3. खपरैल का घर	8. घर की छत	13. पत्थर क्रशर, क्रेन
4. भवन	9. गृह नक्शा	14. झोपड़पट्टी
5. कच्चा कचरा	10. सीमेंट कांक्रीट	15. सफाई/स्वच्छता

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) आपके प्राँत में किस प्रकार के घर हैं?

आ) गृह निर्माण में स्थानीय मिलने वाले दूसरे प्रांतों से लाने वाली सामग्री की तालिका लिखिए।

इ) गृह निर्माण में कौन-कौन भाग लेते हैं? उन्हें क्या कहते हैं?

ई) बहुत सारे लोगों को अभी भी निजी घर नहीं है, क्यों?

उ) कई तल वाले भवन क्यों निर्माण कर रहे हैं? इनके क्या लाभ हैं? लिखिए।

ऊ) तुम्हारा घर स्वच्छ रहे, इसके लिए तुम क्या करोगे?

ऋ) कुछ घरों में सभी सुविधाएँ होती हैं? क्यों?

2. प्रश्न करना-अनुमान लगाना

अ) श्रीधर अभी-अभी मोटर साइकिल पर भारत की यात्रा कर आया है। देश के विभिन्न प्रांतों में कैसे गृह है जानने के लिए उससे कौनसे प्रश्न पूछेंगे?

आ) बिलाल गृह निर्माण कराना चाह रहा है। गृह निर्माण के बारे में थापी मिस्त्री से क्या-क्या प्रश्न पूछे होंगे लिखिए?

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र निरीक्षण

किसी एक सरकारी सहायता से बनाये घर का निरीक्षण करके तालिका पूर्ति कीजिए।

अ) बेसमेंट की ऊंचाई ..... गज

आ) कमरों की संख्या .....

इ) जल की व्यवस्था ..... है/नहीं

ई) शौचालय ..... है/नहीं

उ) चहार दीवार ..... है/नहीं
अगर है तो लंबाई ..... गज

SCERT TELANGANA

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

♦ अपने निकट के पांच घर जाकर सूचना प्राप्त करके लिखिए-

क्र.सं.	परिवार के मालिक का नाम	कचरा कहाँ डाल रहे हैं?			
		गोबर आदि का जमाव	कचरे की कुंडी	दीवार के पास	सड़क पर

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) आप जिस घर में हैं, उसका नक्शा खींचिए। उसमें क्या-क्या हैं? पहचानिए।

आ) कल्पना कीजिए कि सुंदर, स्वच्छ घर कैसा होता है। उस घर का चित्र चार्ट पर खींचिए। रंग भरिए। घर के बारे में पांच-छह वाक्य लिखिए। कक्षा में प्रदर्शन कीजिए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव-विविधता संबंधी जागरूकता

अ) गृह निर्माण में बहुत सारे मजदूरों की मेहनत की आवश्यकता रहती है ना। उनके श्रम की तुम किस तरह प्रशंसा करोगे?

आ) तुम्हारे गांव में, मोहल्ले में अच्छा घर किसका है, वह अच्छा क्यों है कारण लिखिए।

इ) तुम्हारा घर पौधों, पक्षियों, जानवरों से चहचहाने के लिए तुम क्या करोगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1. गृह निर्माण के बारे में आवश्यक सामग्री के बारे में, विभिन्न प्रकार के घरों के बारे में वर्णन कर सकता हूँ। हाँ/नहीं
2. घर, गृह निर्माण के बारे में थापी मिस्त्री से प्रश्न पूछ सकता हूँ। हाँ/नहीं
3. पास के घरों को जाकर सूचना इकट्ठा करके तालिका में लिखकर वर्णन कर सकता हूँ। हाँ/नहीं
4. हमारे घर का नक्शा, सुंदर घर का चित्र खींचकर वर्णन कर सकता हूँ। हाँ/नहीं
5. मजदूरों के श्रम की प्रशंसा कर सकता हूं। जैव-विविधता के लिए प्रयत्न कर सकता हूँ। हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

9 हमारे गाँव - हमारे तालाब
(Our Village – Our Tanks)

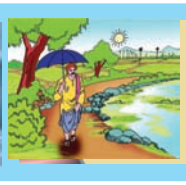

मेरा नाम वरलक्ष्मी है। हमारा किसान परिवार है। हमारे पुरुखों के ज़माने से कृषि कर रहे हैं। हमारे कृषि का आधार नागुल तालाब है। पिछले दो वर्षों से नागुल तालाब भरा नहीं। इसलिए वर्षा पर आधारित खेती करना पड़ रहा है।

मित्रों से चर्चा कीजिए-लिखिए

तालाब भरने पर उगाई जाने वाली फसलें	तालाब न भरने पर उगाई जाने वाली फसलें

पिछले दो वर्षों से वर्षा सही नहीं हुई है इसलिए धान की फलस सही नहीं हो रही है। इसलिए हमेशा तालाब के नीचे बोने वाले धान के बदले जवार, मूँगफली, कुलथी, मडुआ की फसल बोये हैं। वर्षा न होने के कारण ये फसल भी सही नहीं हुई।

सोंचिए

पर्याप्त वर्षा न हो तो क्या होगा ?

इस वर्ष भी आरंभ से वर्षा नहीं हुई। लेकिन तीन दिन से बहुत वर्षा हो रही है। यह वर्षा खेती के लिए बहुत उपयोगी होती है।

बारिश अगर रुकी तो नागुल तालाब के पास जाना चाहती हूँ। लेकिन तालाब की ओर जाने के मार्ग में लद्दमडुगु नामक छोटी नहर बहने के कारण उसको पार करके नागुल तालाब के पास नहीं जा सकी।

बच्चों ! वर्षाकाल में छोटे-छोटे नदी-नालों में प्रवाह तेज़ रहता है। इसलिए उसमें उतरना नहीं। उसमें उतरने पर प्रवाह से बह जाएँगे। आप लोग भी मत उतरें सावधान!

दोपहर के बात वर्षा कुछ कम हुई। धूप निकल आई। रिम-झिम बूँदे गिर रही हैं। आसमान में इंद्रधनुष दिखाई दी।

SCERT TELANGANA

जल्दी-जल्दी नागुल तालाब के पास पहुँच गई हूँ। तब तक वहाँ हन्मय्या, सत्यप्पा, रामगोपाल नायक, पुलप्प, मन्नेपुरेड्डी हैं। गौरी, अन्नपूर्णा भी वहाँ आए। उन्होंने देखा कि बारिश का पानी तालाब में पहुँच रहा है। तालाब भरकर अतिरिक्त पानी बह रहा है।

पानी भरकर अतिरिक्त बहने का क्या अर्थ हो सकता है?

_____

तालाब भरना, बारिश का पानी, उगाई जाने वाली फसले, तालाब के बाँध की मजबूती के बारे में सब लोगों ने बातचीत की। इस बार दो बार फसल उगाने की खुशी से कुछ लोग खेतों की ओर और कुछ लोग घर की ओर गए।

मैं भी तालाब का बाँध उतरकर खेतों की ओर जा रही थी कि नरहरी दिखाई दिया। हमारे गाँव के साथ, अड़ोस-पड़ोस के गाँवों के प्रत्येक परिवार के बारे में, तालाबों, फसलों, देवालयों के बारे में उसे जानकारी प्राप्त है। वह हमेशा तालाब के बारे में पुरानी जानकारी देते रहता है।

संग्रह कीजिए

आपके इर्द-गिर्द कौन-कौन से तालाब हैं? इससे क्या लाभ है।

तालब का गाँव	तालाब का नाम	उपयोग

SCERT TELANGANA

9.1. नागुल तालाब का इतिहास

मेरा नाम नरहरी है। हमें नागुल तालाब के नीचे थोड़ी बहुत खेती है। हम खेती करते हैं। लेकिन गाँव का इतिहास बताना हमारा प्रधान पेशा है। हमारे बाप-दादा से यह काम कर रहे हैं। नागुल तालाब के बारे में मुझे अच्छा मालूम है। हमारे पिता और पूर्वज भी इस तालाब के बारे में बताए हैं। पानी से भरे हुए तालाब को देखने पर वो सारे विषय याद आते हैं।

अब जहाँ नागुल तालाब है वहाँ पहले बड़ा जलाशय था। थोड़ी बहुत वर्षा होते ही वह पूरा भर जाता था। जलाशय के छोटे बाँध के द्वारा खेतों की सिंचाई होती थी। जलाशय के नीचे स्थित कुछ लोगों के खेंतों के लिए पानी पर्याप्त होता था। मल्लिकार्जुन नामक किसान ने सभी खेतों को पानी उपलब्ध कराने की विनती तहसीलदार से की। इंजनीयर अब्दुल बारी उस जलाशय के चारों ओर के प्रांतों का निरीक्षण करके जलाशय को तालाब बनाने की योजना बनायी।

सोंचिए....

जलाशय, तालाब के बींच क्या भेद है?

9.2. तालाब का निर्माण

तालाब का निर्माण कार्य शुरू हुआ। प्रत्येक परिवार से सभी लोगों ने जिम्मेदारी के साथ कामों में भाग लिया। गाँव की जनता ने सब एक होकर निर्माण कार्य में भाग लिया।

पानी का प्रवाह कहाँ से आ रहा है, निरीक्षण किया।

प्रवाह का अर्थ _____

_____

प्रवाह का पानी ज्यादा आने वाले प्राँतों से सीधे नहरें बनाकर उस जलाशय में मिला दिया। बाद में तालाब का बाँध बनाना आरंभ किया। बैल गाड़ियों में आस-पास के गाँवों से मिट्टी लाकर, ऊँचा बाँध बनाया। अंदर की ओर पत्थर जमाकर बनाया गया। इसके लिए गाँव के बाहर के पहाड़ से पत्थर काटकर लाए। तालाब के बाँध की दोनों तरफ़ दो जल द्वार बनाए गए।

सोंचिए....

जल द्वार किसे कहते है?

तालाबों को जल द्वार(फाटक) क्यों रहते हैं?

SCERT TELANGANA

फाटक बनाते समय इंजनीयर अब्दुल बारी ने स्वयं आकर वह कार्य पूरा किया। तालाब में पानी कितना पहुँचा ? कितना पानी रहने पर खेतों के लिए छोड़ने का मापन लगाया गया। अभी भी वह सफेद रंग में है। फाटक को फिराने की विधि को उस समय सब अश्चर्य से देखते थे। फाटक के स्तंभ को ऊपर उठाने पर तालाब का पानी नहर में बहता है। फाटक के स्तंभ को नीचे करने पर पानी बहना रुक जाता है।

क्या तुम्हें मालूम है?

कुछ तालाब नहरों से एक दूसरे से मिले रहते हैं। वर्षाकाल में एक तालाब पूर्ण होते ही पानी नहर के द्वार दूसरे तालाब में पहुँचता है। काकतीय, निज़ाम राजाओं ने इस तरह के तालाबों का निर्माण पूरे तेलंगाना में करवाया।

फाटक के निर्माण के बाद चादर का काम शुरू हुआ। तालाब भरने के बाद आए हुए पानी के बहने के लिए एक तरफ पूरे पत्थरों से चादर बनाए। चादर बहने के स्थान पर जमीन में दरार न आने के लिए बड़े-बड़ी पत्थर रखे गए। गाँव के मिस्त्रियों के इसके लिए कुछ मेहनत की है। तालाब बनाते समय सबके लिए भोजन एक ही जगह पकाते थे। दोपहर के समय सब लोग एक जगह बैठकर भोजन करते थे क्या -क्या काम कैसे करना चाहिए चर्चा करते थे। बाद में नहरें खोदना शुरू किया। दो फाटकों से बहने वाला जल चार नहरों से सभी खेतों को पहुँचने में अनुकूल नहरें खोदी गई। बाद के काल में इन नहरों को पत्थर, सिमेंट से बनाया गया।

समूह में चर्चा कीजिए:

- तालाब के निर्माण में फाटक, नहरें, चादर क्यों आवश्यक है?

तालाब निर्माण के तुरंत बाद के वर्ष में वर्षा बहुत हुई। तालाब के नीचे वाले खेतों में धान की फसल बोई गई। खेती अच्छा होने से जनता के जीवन में सुधार आया उनके जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आया। हमारे परिवार को भी आर्थिक कठिनाइयों से छुटकारा मिला।

संग्रह कीजिए:

- आपके निकट के तालाब का निर्माण कैसे हुआ विवरण संग्रह करके लिखिए।
- आपके निकट के तालाबों का दर्शन कीजिए। वह कितने स्थल पर फैले हुए हैं लिखिए।

SCERT TELANGANA

9.3. राज्य के बड़े तालाब

नागुल तालाब की तरह अपने राज्य में कई तालाब हैं। राज्य के कुछ बड़े तालाबों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे !

9.3.1. रामप्पा तालाब

आचार्य जयशंकर भूपालपल्ली जिले में रमप्पा मंदिर के पास रामप्पा तालाब है। यह मानव निर्मित तालाब है। 13वीं शती में निर्मित यह तालाब 24 व कि.मी में फैला हुआ है। आस पास के कृषि भूमि के लिए यह तालाब आधार है। इस तालाब के चारों तरफ जंगल और पर्वत है। इस तालाब के पड़ोस में स्थित रामप्पा मंदिर शिल्प कला के लिए प्रसिद्ध है।

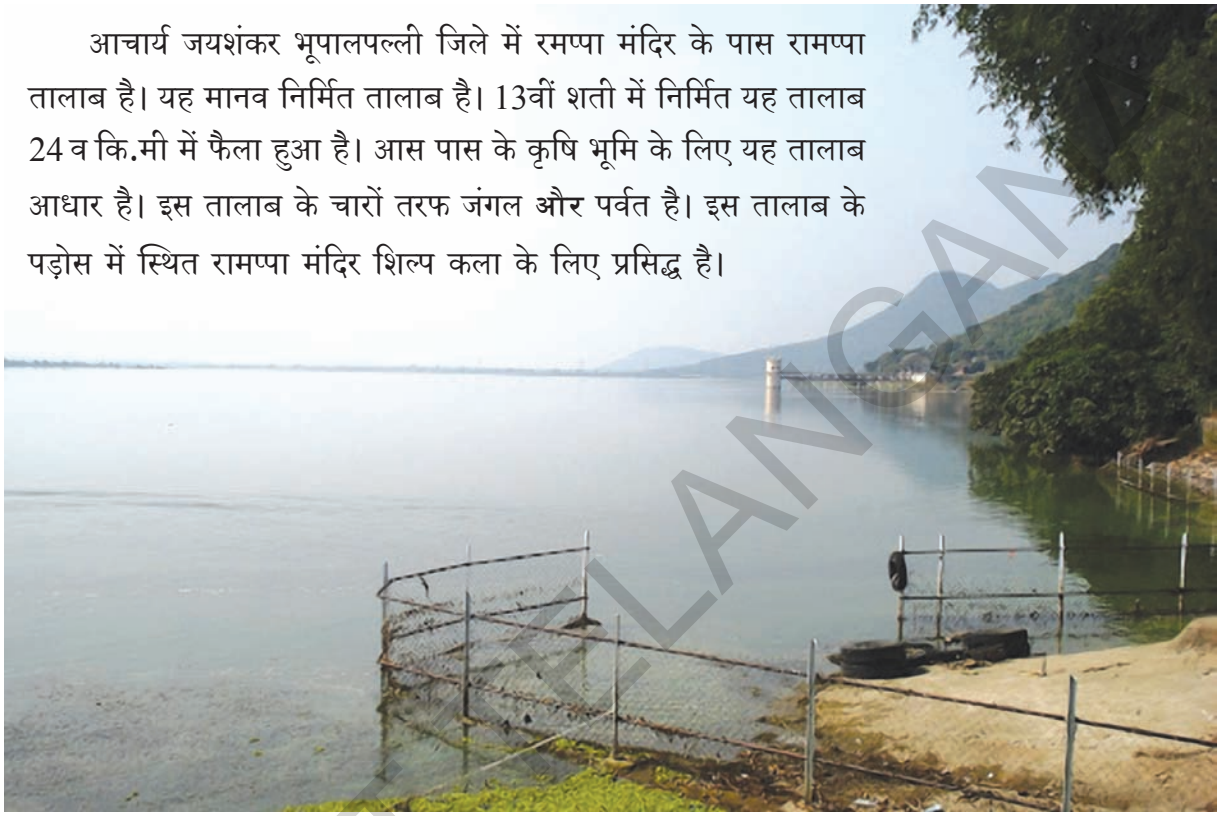

9..3.2. पानगल तालाब

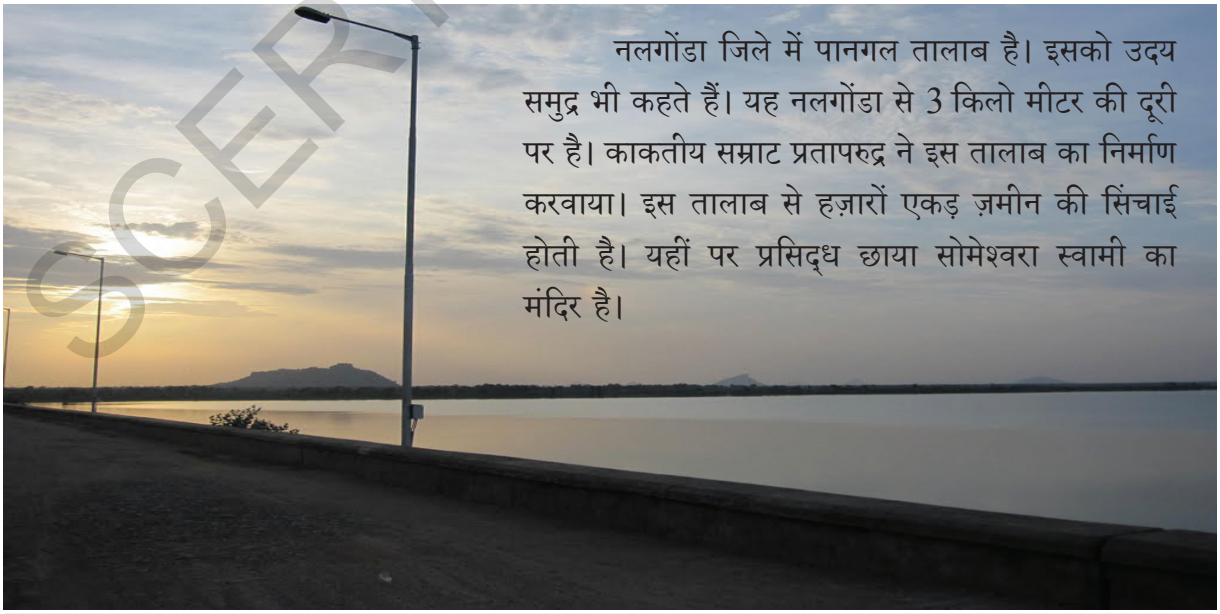

नलगोंडा जिले में पानगल तालाब है। इसको उदय समुद्र भी कहते हैं। यह नलगोंडा से 3 किलो मीटर की दूरी पर है। काकतीय सम्राट प्रतापरुद्र ने इस तालाब का निर्माण करवाया। इस तालाब से हज़ारों एकड़ ज़मीन की सिंचाई होती है। यहीं पर प्रसिद्ध छाया सोमेश्वरा स्वामी का मंदिर है।

SCERT TELANGANA

9.3.3. हुसेन सागर

हैदराबाद का हुसेन नागर राज्य के बड़े तालाबों में एक है। इसको1562 में क़ुतुबशाही शासकों ने बनाया। हुसेन सागर तट पर हैदराबाद, सिंकिंद्रबाद नगरों को मिलाने वाले बाँध को1946 में बड़ी सड़क में बदल दिये। इसी को टैंकबंड कहते हैं। 5.7 व कि.मी विस्तृत यह तालाब अब बहुत छोटा हो गया है। विभिन्न प्रकार के पत्तों से भर गया है। पर्यनटन यात्रियों द्वारा कचरा फेंकने से, नगर का गंदा पानी पहुंचने से, कारखानों का कचरा पहुँचने से, गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन से हुसेन सागर बहुत ही प्रदूषित हुआ है। 32 गज गहरा यह तालाब बहुत भर गया है। अब इस तालाब की सफ़ाई के प्रयत्न हो रहे हैं।

हैदराबाद में और एक तालाब उस्मान सागर है। इसे मूसी उप नदी पर बनाया गया है। इसी को गंडी पेट का तालाब भी कहा जाता है। यह पीने के पानी का तालाब है। आज भी यह हैदराबाद नगर वासियों के पीने के पानी के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए

- तालाब किस लिए हैं?
- क्या आपके जिल में ऐसे तालाब हैं? कहाँ हैं?
- राज्य के और कुछ बड़े तालाबों का विवरण बताइए। तेलंगाना के मानचित्र में दर्शाए।

9.4. तालाब से किसान का लगाव

तालाबों से हमें कई लाभ हैं इसकी जानकारी है ना? नागुल तालाब से जिनका लगाभ है उनमें चेन्नय्या एक है। चेन्नय्या क्या बता रहा है जानेंगे।

मेंरा नाम चेन्नय्या हैं। बचपन से मुझे नागुल तालाब से लगाब है। मेरे पिता ने मुझे तैरना इसी तालाब में सिखाया। हर रविवार के दिन मित्रों के साथ इस तालाब के पास कपड़े धोता था।

दोस्तों से मिलकर तालाब में मछली, केकड़े पकड़ते थे। बड़े बड़े मेंढकों को देखकर भय होता था। साँप भी रहते थे। कभी-कभी कछुए भी मिलते थे। उन्हें लाकर घर के पानी की टंकी में छोड़कर सावधानी से देख-रेख करता था। पानी के ऊपर से उड़ने वाली पक्षियों को देखकर आनंद आता है। मेरा पुत्र उनके अध्यापकों के कहने पर तालाब की मिट्टी से गणेश की प्रतिमाएँ तैयार कर रहा है। मैं ने भी कुछ बनाकर दिया हूँ।

सोंचिए...

तालाब गाँव के जनता की किन जरूरतों के लिए उपयोगी है ?

9.5. तालाब से लाभ

तालब के बाँध के पास का खेत हमारा है। हर रोज तालाब के पास जाकर, फाटक खोलना, नहरों के द्वारा जल खेतों में पहुँचाना मेरे मुख्य कार्य हैं। गांव में प्रत्येक व्यक्ति को नागुल तालाब से संबंध है। हर कोई किसी न किसी तरह तालाब पर आधारित हैं। बहुत सारे लोगों को नागुल तालाब के नीचे खेत हैं। कृषि करने वाले किसानों का आधार नागुल तालाब है। तालाब भरने से कृषकों, कृषक मज़ूदरों को त्यौहार जैसा लगता है। गाँव के सब बच्चे इस तालाब में ही तैरना सीखते हैं। कपड़े धोने वालों के लिए तालाब ही आधार है। तालाब भरने पर मछली पकड़ने वालों की ईद है। अब मछली पालने के लिए छोटी मछलियों को तालाब में छोड़ रहे हैं। अंबड़ा, जूट, शाखीय पौधों को पानी में भिगोकर निकाले नार से

SCERT TELANGANA

रस्सी गूंथते हैं।

तालाब में बोर डालकर गाँव के पानी की गाड़ियों से घर-घर पानी सप्लाई कर रहे हैं। जानवरों, पक्षियों के लिए पानी का आधार अभी भी नागुल तालाब है।

तालाब के भरने पर आस पास के कुँए, बोर, चेक ड्याम में पानी का स्तर बहुत बढ़ जाता है। तालाब में पानी कम होने पर मछली पकड़ते हैं। कुछ किसान, तरबूज, खरबूजफल, ककड़ी उगाते हैं।

गर्मी के काल में तालाब में भरी मिट्टी निकालते हैं। सभी किसान इस मिट्टी को अपने खेतों में फैलाते हैं। तालाब की मिट्टी बहुत उपजाऊ होती हैं इसलिए फसल अच्छी होती है। तालाब में भरी मिट्टी निकालने से और तालाब भी साफ होता है।

समूह में चर्चा कीजिए

- किसान रस्सियों से क्या क्या करता है?
- तालाब में ही बोर क्यों डालते हैं लिखिए।
- तालाब की मिट्टी से और क्या - क्या बनाते हैं?
- तालाब भरने से आपको खुशी होगी? क्यों?

9.6. तालाब - प्रदूषण

SCERT TELANGANA

सोचिए...

- तालाब किस तरह प्रदूषित हो रहा है?
- उसके क्या नुकसान हैं?

तालाबों से क्या लाभ है आपने जानलिया होगा? निम्न चित्र को देखिए।

तालाब का पानी विभिन्न प्रकार से प्रदूषित हो रहा है। गाँव के ज्यादा लोग तालाब में ही कपड़े धोते हैं। बहुत सारे लोग सुबह में साफ सफाई तालाब के किनारे करते हैं। जानवरों को धोते हैं, भैंसें धोते हुए बच्चे उन पर बैठते हैं, तैरते हैं। आजकल ट्राक्टर, जीपकार, आटो भी तालाब में धो रहे हैं। हर साल गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन तालाब में हो रहा है। उससे प्रतिमाओं का रंग तालाब के पानी में घुलकर पानी प्रदूषित हो रहा है। मछलियाँ भी मर रही हैं। तालाब के करीब के घरों का गंदा पानी तालाब में पहुँच रहा है। सांयकाल तालाब के बाँध पर विहार के लिए आने वाले बचे खाद्य पदार्थ, खाली प्लास्टिक के कवर तालाब में डाल रहे हैं। इस तरह तालाब प्लास्टिक कवर, गंदे पानी से दिन ब दिन विभिन्न प्रकार से प्रदूषित हो रहा है। रासायनिक दवाईयों के कारखानों से निकलने वाले व्यर्थ एवं हानिकारक पदार्थ से भूगर्व जल, तालाब के पानी को प्रदूषित करते हैं। पहले पीने के पानी के लिए उपयोगी तालाब आज पीने के लिए काम नहीं आ रहा है। **लेकिन अब** तालाब के पानी को प्रदूषण से बचाने के लिए कुछ कार्य किये जा रहे हैं।

पिछले साल तालाब की कुछ दूरी पर एक कारखाने के निर्माण का निर्णय लिया गया था, तब गाँव के सब लोग मिलकर विरोध करने से उसका निर्माण रुक गया। उर्वरक, दवाओं के उद्योग, फैक्टरियों से निकलने वाले व्यर्थ पदार्थ हानिकारक वस्तुएँ भूगर्भीय जल और तालाबों के पानी को दूषित करते हैं।

तालाब को हानि पहुँचाने वाले कार्य आप अपने प्रांत में देखे हैं क्या? वे क्या हैं? उसका विरोध करने के लिए सब मिलकर क्या कुछ प्रयत्न किये है? हमारे पड़ोस के तालाब को देखने पर बहुत दुख होता है।

समूह में चर्चा कीजिए

- तालाब के पानी को प्रदूषण से बचाने के लिए आप क्या करेंगे?
- कारखाने के निर्माण का गाँव वालों ने क्यों विरोध किया?
- इस तरह तालाब की जगह घर क्यों बना लिये हैं? इसके कारण होने वाले नुकसान क्या है?
- प्राचीन काल में राजाओं ने तालाब खुदवाए। कक्षा में चर्चा कीजिए।

SCERT TELANGANA

वह हमारे मामाजी का गाँव है। उस तालाब में बचपन में तीरा हूँ। अब वहाँ तालाब नहीं है। सब मकान बन गए हैं। कभी वहाँ तालाब **हुआ करता** था कहने पर किसी को विश्वास नहीं होगा।

9.7. तालाब का सूख जाना

मैं फसल की कटाई के समय रात में तालाब के बाँध पर सोता हूँ। दोपहर के समय तालाब के बाँध पर पेड़ के नीचे बैठकर भोजन करने की आदत सी बन गई है। तालाब के पानी से भर जाने पर बाँध पर स्थित मैसम्मा मंदिर में त्योहार करने के बाद खेतों में पानी भेजा जाता है। इसके लिए गाँव प्रत्येक घर से चावल **और** पैसे देते हैं। सब लोग बाँध पर भोजन करने के बाद खेतों में पानी छोड़ते हैं।

बतुकम्मा त्योहार के दिनों में भरे तालाब में बतुकम्माएँ छोड़ते हैं। यह देखने में बहुत सुंदर लगता है। सुवह, शाम तालाब के बाँध पर खड़े होकर सूर्योदय, सूर्यास्त देखना मुझे बहुत पसंद है। गर्मी के दिनों में यहाँ हर समय वातावरण ठंडा रहता है। किसान बाँध के पेड़ों के नीचे आराम करते हैं। सायंकाल पक्षियों **का** झुंड में आकाश में उड़ना, तालाब के बाँध पर से जानवर **का** झुंड में जाना, रात में खेतों से आने वाली ठंडी हवाएँ, खेतों से आने वाली सुगंध आदि से ग्रामीण जीवन महान दिखाई देता है। तालाब के पानी में कमल खिलते हैं। पानी पर भागने वाले कीड़े, पतंगे उन्हें खाने वाली मछलियाँ, मछलियों का शिकार करने वाले बगुलों से तालाब **का** कितनी देर देखने पर भी मन नहीं भरता। समय का पता नहीं चलता। ऐसा तालाब कैसा हो गया :-

© TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए

- तालाबों में अगर पानी न हो तो क्या होगा?
- तालाबों के सूख जाने पर उस पर आधारित लोगों को क्या-क्या नुकसान होता है?

तालाब का सूखजाना - अकाल

निम्न चित्र का निरीक्षण कीजिए।

वातावरण प्रदूषण, पेड़ों क्को काटना, जंगलों को काटने से सस्यश्यामलता घटती जा रही है। सूरज की धूप पेड़ों पर न पड़कर भूमि पर पड़ने से, भू वातावरण गरम हो रहा है। वर्षा हर साल घटती जा रही है। तालाब सूख रहे हैं। कई प्रदेशों में अकाल पड़ रहा है। वर्षा ने होकर तालाब न भरने के कारण, किसान बोर डालकर सैकड़ों मीटर अंदर से भूगर्भ जल बाहर निकाल रहे हैं। मनुष्यों द्वारा किये जाने वाले इस तरह के कामों से पर्यावरण की हानि होकर अकाल जैसी परिस्थिति उत्पन्न हो रही है। अभी भी कई ग्रामों में पीने का पानी सुदुर प्रांतों से ला रहे हैं। सरकार द्वारा टैंकों से पहुँचाये जाने वाले पानी पर आधारित है। ऐसी परिस्थिति क्यों आ रही है? यह एक ज्वलंत समस्या है ना? इसके लिए कौन किस तरह का कार्य करना चाहिए?

सोचिए...

यह परिस्थितियाँ अगर ऐसे ही बनी रहें तो भविष्य में हम किस दुस्थिति का सामना करेंगे अनुमान लगाइए। इसके लिए हमें क्या करना चाहिए?

9.8. तालाब का निर्वाह

चित्र में तालाब देखिए। तालाब में वेल पत्ते फैल गए हैं ना। कई प्रयोजनों वाले तालाब क्यों इस तरह बदल रहे हैं। तालाबों के प्रतिध्यान कौन दे? अगर ध्यान न दें तो क्या होगा? तालाबों के संरक्षण से ही हमको भविष्य है। तालाब के निर्वाह के बारे याखूब क्या कह रहा है, देखिए।

मेरा नाम याखूब है। नागुल तालाब के नीचे हमारे गाँव के खेत हैं। तालाबों के विकास के लिए सरकार सिंचाई जल प्रचालन समितियों की व्यवस्था की है। हमारे गाँव में सब किसान मिलकर मुझे अध्यक्ष चुन लिये हैं। हमारी समिति हर वर्ष फाटकों, (जल द्वारा) चादर, खेतों कीई नहरों की मरम्मत कराती है। ग्री... की मिट्टी खेतों में पहुँचाती है। तालाब के बाँध में दरार न पड़ने की सावधानी लेती

संग्रह कीजिए

अब हमारी राज्यसरकार 'मिशन काकतीय' के नाम से राज्यस्तर पर सूखे तालाबों की मिट्टी निकालकर जल संरक्षण के परिमाण को बढ़ाने को प्रयत्न कर रही है।

SCERT TELANGANA

संग्रह कीजिए

आपके करीब में तालाबों के सिंचाई जल प्रचालन समितियों के विवरण, उसके कार्य आदि संग्रह करके चर्चा कीजिए।

क्या तुम्हें मालूम है?

झीलों का शहर उदयपुर

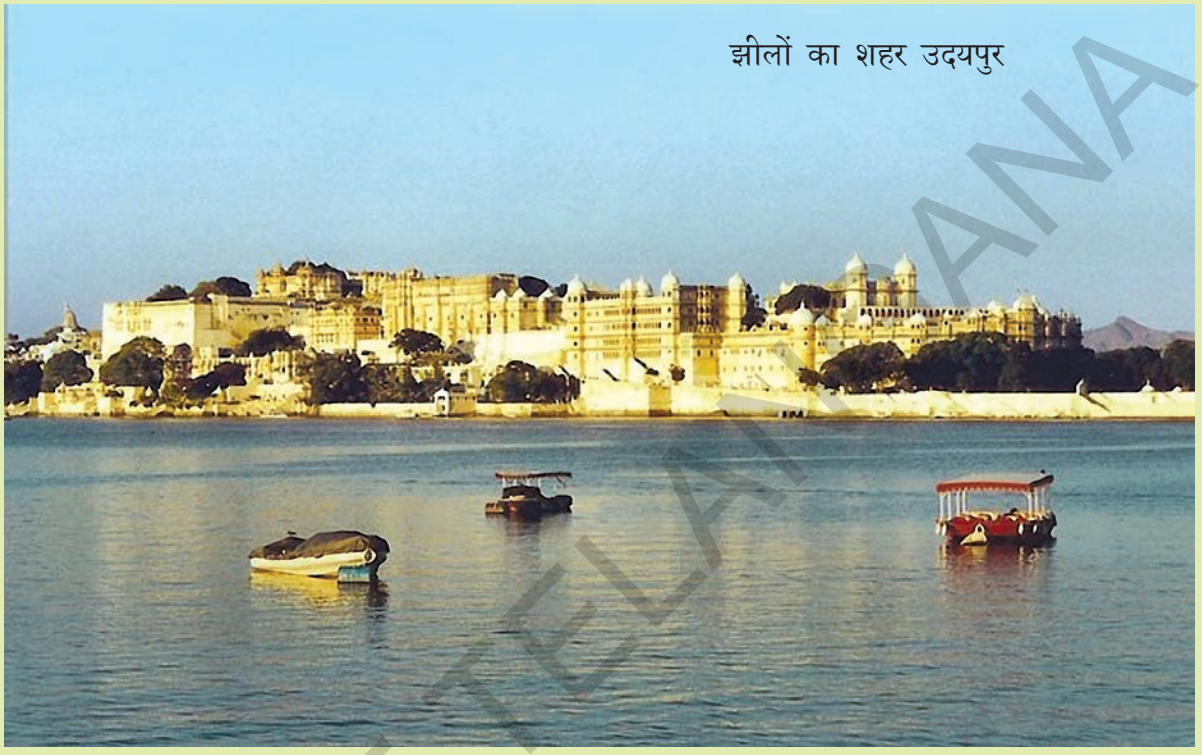

राजस्थान राज्य के उदयपुर शहर को झीलों का शहर (सिटी ऑफ लेक्स) कहते हैं। उदयपुर के चारों तरफ अनेक झीलें रहने के कारण यह नाम पड़ा। पहले जमाने में पीने के पानी के लिए, कृषि के लिए इन्हें बनवाया गया। उदयपुर के सभी झीलों में पिचोला झील प्रमुख है। 1362 में बंजारा लोगों के द्वारा निर्मित इस झील का बाद में महाराज उदयसिंह ने विकसित किया। उदयपुर शहर में सभी राज भवन झीलों के किनारे बनाए गए। उसमें जग निवास, सिटी पैलेस मुख्य हैं।

मुख्य शब्द :

1. कृषि
2. नहर
3. तालाब
4. जलाशय
5. जल उफान
6. प्रवाह जल
7. फाटक (जल द्वारा)
8. तालाब का निर्माण
9. तालब का बाँध
10. कृषि भूमि (कृषि क्षेत्र)
11. वेल पत्ते
12. तालाब प्रदूषण
13. तालाब के उपयोग
14. दरार पड़ना
15. तालाब का निर्वाह

SCERT TELANGANA

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) तालाब क्यों चाहिए?

आ) तालाब का पानी किस के लिए उपयोग करते हैं?

इ) सिंचाई समितियाँ क्यों आवश्यक हैं ?

ई) आपके गाँव में होने वाली फसलों में कम पानी से उगने वाली फसलें क्या है?

उ) तुम्हारा मानना है कि फाटक से क्या-क्या लाभ है?

ऊ) तालाब पर कौन-कौन आधारित हैं? मुख्य रूप से किसान किस तरह आधारित है?

ऋ) तालाब की रक्षा हमें किस तरह करना चाहिए।

2. प्रश्न करना-अनुमान लगाना

कविता दादाजी के साथ उनके गाँव में चेक डैम के पास गई। उसने चेकडैम के बारे में दादाजी से बहुत प्रश्न पूछे। आप कौन-कौन से प्रश्न करेंगे।

3. प्रायोगिक कार्य-क्षेत्र निरीक्षण

अ) पास के तालाब के पास जाइए। वहाँ दिखाई देने वाले अंश लिखिए (तालाब में, किनारे पर, तालाब के चारों ओर, तालाब के लाभ आदि।)

आ) अध्यापक की सहायता से आपके गाँव के खेतों में जाइए। तालाब से खेतों में पानी आने वाले मार्ग का निरीक्षण कीजिए। लिखिए।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

- आपको जो पता है उस जिले या राज्य के प्रमुख तालाब का नाम लिखिए। उसके इतिहास को जानिए। उसका चित्र उतारें। उस तालाब के विवरण लिखकर प्रदर्शित कीजिए। इसके लिए तारीबों की जानकारी देने वाली पुस्तकें, समाचार पत्र, या इंटरनेट में विवरण संग्रहित कीजिए।

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) रामप्पा, पाकाल, पानगल, हुसैन सागर और अन्य तालाबों के नाम संग्रह कीजिए। ये अपने राज्य में किन-किन जिलों में कहाँ-कहाँ है? तेलंगाना के मानचित्र में दर्शाएँ।

SCERT TELANGANA

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव-विविधता संबंधी जागरुकता

अ) तालाब में दरार आईं। गाँव वाले सब मिलकर उसकी मरम्मत कर दिए। तुमने वह देखा है। हर एक के श्रम के बारे में अपने मित्रों को कैसे बताओंगे ?

आ) तालाब हमारे लिए ही नहीं, पक्षियों, जंतुओं, अन्य कीड़ो के लिए भी जीवनधार है। ऐसे तालबों को प्रदूषण से बचाने के लिए आप सब जुलूस में भाग लेना चाह रहे हैं। इसके लिए आप प्रदूषण को बताने वाले नारे लिखिए। उसी तरह तालाब प्रदूषित न होने के लिए क्या-क्या कर सकते हैं बताइए।

इ) तालाबों को सुखाकर घर बना रहे हैं। ऐसा करने से जानवरों, मनुष्यों को कैसे हानि होगी? इसके निवारण के लिए हमें क्या करना चाहिए?

क्या मैं यह कर सकता हूँ?

1.	तालाब के लाभ, निर्माण की दशाओं, उसके प्रयोजन का वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	तालाबों के बाँधों के बारे में जानने के लिए प्रश्न पूछ सक्ता हूँ ।	हाँ / नहीं
3.	प्रसिद्ध तालाबों को मानचित्र में पहचान सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	तालाब के इतिहास को जानकर बता सकता हूँ।	हाँ/ नहीं
5.	तालाब संरक्षण के लिए नारे लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं

लक्नवरम तालाब, वरंगल

SCERT TELANGANA

10 हमारा आहार-हमारा स्वास्थ्य
(Our Food – Our Health)

हमें जीने के लिए भोजन ज़रूरी है। लेकिन क्या हम सब एक ही प्रकार का भोजन लेते हैं? क्या एक ही समय खाते हैं? क्या सबके भोजन करने की विधि एक सी है? सोचिए। हमें आहार जंतुओं व पेड़-पौधों से मिलता है। आहार के संबंध में कुछ और विषय हम इस पाठ में सीखेंगे। निम्न चित्र देखिए और बताइए कि यहाँ क्या हो रहा है?

सोचिए।

- चित्र में कौन क्या कर रहा है?
- ये सब लोग वहाँ क्यों आये होंगे?

10.1. वन में भोजन

नाविद, विपिन, नीलि और दीपि पाँचवीं कक्षा में पढ़ रहे हैं। उनके घर के सभी लोग एक दिन वन्य भोजन के लिए गये। नहर के किनारे सुंदर हरे-भरे वातावरण में उन्होंने पिकनिक मनाने के लिए चुना। वहाँ उन्होंने तरह-तरह के खेल खेले। खाना बनाने के लिए उन्होंने सूखी लकड़ियाँ एकत्र कीं। आग जलाकर लाये गये सामान से बड़े-बच्चे सबने मिलकर खाना पकाया।

SCERT TELANGANA

दोपहर का भोजन करने के लिए सब मिलकर बैठ गए। बच्चों ने सबके सामने पत्तल रखे। तुरंत तोड़े गये कुछ पत्तों को भी कुछ बच्चे थालियों के रूप में उपयोग में ला रहे हैं। पकाये गये भोजन के साथ वे लोग घर से कुछ खाने की चीज़ें ले आये थे, जैसे-मक्के की रोटियाँ, मूँगफली की मिठाइयाँ, आटे के लड्डू आदि। सबके द्वारा लाये गये खाने की सामग्री सब लोगों में बाँट दी गई। उस दिन वे सभी बहुत खुश थे। उन्होंने सोचा कि यदि हम रोज इसी तरह मिल बाँटकर भोजन करें तो रोज त्योहार जैसा आनंद आयेगा।

समूह में चर्चा कीजिए।

- क्या दूसरों के साथ बैठकर भोजन करना आपको भी अच्छा लगता है? क्यों?
- पिकनिक पर जाना सबको क्यों अच्छा लगता है?
- साधारणत: घर में पकाये गये भोजन और पिकनिक पर पकाये गये भोजन में क्या अंतर होता है?
- दूसरों के साथ बैठकर साधारणत: किन अवसरों पर कहाँ भोजन करते हैं?

10.2. मध्याह्न भोजन

© TELANGANA

पाठशाला में दोपहर के भोजन की घंटी बजी। सभी बच्चे नल के पास अपने हाथ और प्लेट साबुन से धो रहे हैं। उसके बाद वे भोजन लेने के लिए एक ही पंक्ति में खड़े हो गये। उस दिन भोजन में खाना, दाल और साँबर था। पाठशाला में रोज एक-एक प्रकार पकवान पकाते हैं। आपको तो पता ही होगा। साथ मिल बैठकर खाने से दूसरी कक्षा के बच्चों के साथ मित्रता बढ़ती है। घर से भोजन लाने वाले बच्चे भी एक-दूसरे में अपना खाना बाँट देते हैं। इससे कौन-कौनसे लोग घर में क्या-क्या खाते हैं, पता चलता है। कुछ लोग चटनी के साथ खाते हैं, तो कुछ अँचार से। खाते समय कुछ बच्चे अपने भोजन में से सब्जियों के टुकड़े बाहर फेंकते रहते हैं। वे उन्हें नहीं खाते। ऐसा करना ठीक नहीं है। आपको मालूम है कि ऐसे भी बच्चे हैं जिन्हें घर में खाने के लिए ठीक से भोजन भी नहीं मिलता? कुछ बच्चे बिना खाये पाठशाला आते हैं। भूखे पेट वे पढ़ाई में मन भी नहीं लगा पाते। ऐसे बच्चों के लिए पाठशाला का मध्याह्न भोजन बहुत आवश्यक है।

हमारे देश में अनेक बच्चे ऐसे हैं जिन्हें सही भोजन नहीं मिलता। उनमें से सभी पाठशाला नहीं आते हैं। सही भोजन न खाने वाले स्वस्थ नहीं रह सकते। अस्वस्थ बच्चे पढ़ाई में पूरी तरह ध्यान नहीं देते। इसीलिए प्रत्येक पाठशाला में पुष्टिदायक भोजन की व्यवस्था करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया। तभी से मध्याह्न भोजन हर सरकारी पाठशाला में मुहैया कराया जा रहा है।

सोचिए..

- आपको मध्याह्न भोजन कौन परोसता है?
- क्या आपकी पाठशाला में सभी लोग मध्यान भोजन खाते हैं या घर से लेकर आकर खाने वाले भी हैं? क्यों?
- आज आपकी पाठशाला के मध्यान भोजन में क्या-क्या बनाया गया है?
- क्या पाठशाला में आपको भरपेट भोजन दिया जाता है?
- आपके अध्यापक भी क्या आपके साथ खाते हैं? नहीं? तो क्यों?
- क्या साग-सब्जियों के टुकड़ों को सभी मन से खाते हैं? या बाहर फेंक देते हैं?क्यों?
- मध्यान भोजन कैसा हो तो आपको अच्छा रहेगा?

संग्रह कीजिए।

पिछले सप्ताह में पाठशाला के मध्याह्न भोजन में क्या-क्या बनाया गया? इन दिनों में क्या-क्या बनाया जाता तो आपके लिए अच्छा रहता? इस तालिका में लिखिए।

SCERT TELANGANA

दिन	पाठशाला के मध्यान भोजन में पकाया गया भोजन	पसंद/नापसंद	आपकी इच्छा वाला भोजन
सोमवार			
मंगलवार			
बुधवार			
गुरुवार			
शुक्रवार			
शनिवार			

- किस दिन का भोजन आपको सबसे अच्छा लगा? क्यों?
- किस दिन का भोजन आपको अच्छा नहीं लगा? क्यों?
- क्या सभी को मध्यान भोजन पसंद आ रहा है?
- आपकी पाठशाला में मध्यान भोजन बच जाने पर उसे क्या करते हैं?

10.3. भोजन की आदतें

भोजन व्यर्थ करना बहुत गलत बात है। खराब हुए भोजन को खाने से क्या होता है? भोजन क्यों खराब हो जाता है? वह कैसे गंदा हो जाता है? आहार द्वारा ही तो हमें शक्ति मिलती है। हमें भी स्वस्थ रहना है। इसलिए आइए किस प्रकार आहार को अशुद्ध एवं व्यर्थ होने से बचाया जाये जाये।

उपर्युक्त चित्र का निरीक्षण कीजिए। बताइए।

SCERT TELANGANA

सोचिए..

- क्या आपने कभी भोजन सामग्री पर मक्खियों को मँडराते देखा है? मक्खियों की तरह और कौन से कीड़े भोजन पर मँडराते हैं?
- सड़क के किनारे खाने की क्या-क्या चीज़ें बिकती हैं? यदि वे ढँककर न रखी गई हों तो क्या हो सकता है?

सड़क के किनारे बिकने वाली भोजन सामाग्री ढँकी नहीं होती। उनके ऊपर धूल, मिट्टी आदि लगी होती है। मक्खियाँ गंदी जगह पर बैठती हैं। वहाँ से गंदगी व उनमें रहने वाले सूक्ष्म कीटाणुओं को लाकर भोजन सामग्री पर छोड़ती हैं। इनसे हमारा भोजन दूषित हो जाता है। यह हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। कुछ होटलों व ठेलों वाले प्रयोग किये गये तेल को बार-बार उपयोग में लाते हैं। इस प्रकार प्रयोग किये गये तेल को फिर से खाने के लिए प्रयोग में लाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इस तरह के पदार्थ नहीं खाने चाहिए। तुरंत बने भोजन या ताजा खाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। जहाँ तक हो सके घर में तैयार किया गया भोजन ही खाना चाहिए।

स्वच्छ भोजन ही करना चाहिए। स्वच्छ आहार को भी यदि हम मैले हाथ से खायें तो हानिकारक ही है। पोषक व स्वच्छ आहार की आदत बहुत ज़रूरी है। अब बताइए कि आप की खाने की आदत कैसी है? निम्न को पढ़िए। अपनी आदत के अनुसार ' ✓ ' का निशान लगाइए।

क्या आप इनका पालन करते हैं?

- क्या आप ताजा आहार खाते हैं?
- क्या आप खाने से पहले हाथ साबुन से अच्छी तरह धोते हैं?
- आप खाने वाली थाली को साफ धोकर रखते हैं और खाते हैं?
- क्या आप पकाये गये भोजन को ढँककर रखते हैं?
- क्या आप बाहर बिकने व मिलनेवाली आहार सामग्री न खाकर, घर का भोजन ही खाते हैं?
- क्या आप फल, सब्जियाँ, साग आदि उनके मौसम के अनुसार ताजे रूप में खाते हैं?
- क्या आप व्यर्थ भोजन जहाँ-तहाँ न फेंककर उसके लिए रखे गये बर्तन में फेंकते हैं?
- क्या आप मलमूत्र विसर्जन करने के बाद अपने हाथ साबुन से अच्छी प्रकार धोते हैं?
- क्या आप सुबह और रात को सोते समय दाँत साफ करते हैं? क्या आप मसूड़ों को उँगलियों से रगड़कर साफ करते हैं?
- क्या आप दाँत साफ करते समय जीभ भी साफ करते हैं?
- क्या आप खाने से पहले और खाने के बाद पानी से कुल्ला करते हैं?

SCERT TELANGANA

ऊपर की जानकारी के अनुसार अच्छे भोजन खाने की आदत का होना आवश्यक है। यदि आप ऊर के नियमों में से किन्हीं का पालन नहीं कर रहे हैं, तो अब उनका पालन आरंभ कर दीजिए।

इस प्रकार कीजिए।

- एक रोटी या ब्रेड के टुकड़े को लेकर उसपर पानी छिड़क कर तीन-चार दिनों तक उसे बंद करके रख दीजिए। उसके बाद आने वाले परिवर्तन का निरीक्षण कीजिए।

समूह में चर्चा कीजिए।

- रोटी/ब्रेड पर क्या दाग बन आये हैं? वे किस रंग के हैं?
- उसके गंध में क्या परिवर्तन आया है? क्या इसे खाया जा सकता है?
- इस तरह की रोटी खाना क्यों ठीक नहीं है?
- नमी वाले घर, सड़ती हुई सब्जियाँ, कच्चे नारियल आदि में क्या आपने जाले लगना या भूरे लगना देखा है? ये जाले क्यों लगते हैं? सोचिए।

इस प्रकार कीजिए।

- रोज पकाये जानी वाली भोजन सामग्री तथा कुछ बिना पकाई भोजन सामग्री, कुछ बर्तनों में रखिए। दो दिन बाद इनका निरीक्षण कीजिए। उनके रंग, गंध आदि में परिवर्तन समझिए।

समूह में चर्चा कीजिए।

- भोजन में क्या परिवर्तन आये?
- दाल, सब्जियाँ, साँबर आदि में क्या बदलाव आये?
- नमी वाले भोजन में यह परिवर्तन क्यों आया होगा?
- दूध, दही में क्या परिवर्तन आये?
- पकाये गये भोजन तथा फल में क्या परिवर्तन आये?
- पकाई गई या पकाई जानेवाली सामग्री में जल्दी क्या खराब होता है? क्यों? सोचिए।

SCERT TELANGANA

भोजन सामग्री को भिगाकर छोड़ देने पर उसमें अनेक सूक्ष्म जीव पनपकर उसे खराब कर देते हैं। हानिकारक सूक्ष्मजीव आहार पदार्थों को विषमय बना देते हैं। इस प्रकार भोजन खाने से हम बीमार हो सकते हैं। हानिकारक जीवाणुओं से बचाते हुए, धूल आदि कणों से सुरक्षित रखते हुए यदि हम भोजन करें तो वह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। इसीलिए भोजन कभी भी ताजा ही खा लेना चाहिए। आवश्यकता से अधिक भोजन पकाकर या खरीदकर उसे व्यर्थ करना ठीक नहीं है।

10.4. भोजन सामग्री संग्रहण

क्या सभी आहार पदार्थ हमें साल भर मिलते हैं? साल भर मिलने वाले आहार पदार्थ कौन-कौन से हैं? ये पदार्थ साल भर कैसे जमा रहते हैं?

अँचार/चटनी, ज़ाम, आदि कई दिनों तक बिना खराब हुए रहते हैं। सब्जियाँ, मांस, मछलियाँ आदि जल्दी खराब हो जाती हैं। इन्हें भी नमक में मिलाकर सुखाकर आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लाया जाता है। इन्हें ही 'ओरुगुलु' कहा जाता है। वैसे अँचार आदि का सेवन स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है।

संग्रह कीजिए।

- पापड़, नमकीन आदि बहुत दिनों तक सहेज कर रखे जाते हैं। इन्हें कैसे तैयार किया जाता है?
- आपके घर में अंचार कैसे तैयार करते हैं?
- आपके घर में सहज कर रखे जाने वाले आहार पदार्थों की सूची बनाइए।
- सब्जियाँ, फल आदि दो-तीन दिनों तक ताजा रखने के लिए क्या किया जा सकता है? अपने-माता पिता से पूछकर लिखिए।

इस प्रकार कीजिए।

- कुछ साग-सब्जियों, फल आदि को सूती कपड़े में ढँक कर रखिए। उसपर दिन में दो-तीन बार जल छिड़किए। इस प्रकार उन्हें कितने दिनों तक ताजा रखा जा सकता है? निरीक्षण कीजिए।

10.5. जनता फ्रिज बनाना

दो भिन्न आकार वाले मिट्टी या सीमेंट के बरतन लीजिए। उन्हें एक के ऊपर एक व्यवस्थित कीजिए। ध्यान रहे कि उनमें दो या तीन सेंटी मीटर की दूरी हो। अब बड़े बरतन में दो-तीन सेंटीमीटर तक रेत की परत बनाइए। अब छोटे बरतन को उस रेत पर व्यवस्थित कर दीजिए। खाली स्थान रेत से भर दीजिए। उसे पानी से नम कर दीजिए। अब छोटे बरतन में फल, साग-सब्जियाँ अधिक दिनों तक ताजा रखी जा सकती हैं।

SCERT TELANGANA

ऊपर गीला कपड़ा ढंक दे और दिन में तीन चार बार पानी का छिड़काव करते रहें। तब सब्ज़ियाँ, फल ताज़ा रहेंगी। इसी को जनता फ्रिज कहते हैं। अर्थात इसका अर्थ है गरीबों का फ्रिज।

जनता फ्रिज

उपर्युक्त चित्र देखिए।

विद्युत फ्रिज

समूह में चर्चा कीजिए।

- जनता फ्रिज में साग-सब्जियाँ क्यों ताजा रहती हैं?
- जनता फ्रिज में सब्जियों के अलावा और क्या-क्या ताजा रखा जा सकता है?
- कौन सा फ्रिज प्राकृतिक है? (जनता या विद्युत)
- घर में विद्युत फ्रिज के प्रयोग में क्या-क्या समस्याएँ ?
- जनता फ्रिज और विद्युत फ्रिज में कौन सा सस्ता है?
- कौनसा फ्रिज जनता को सुलभ रूप से प्राप्त हो सकता है? (जनता या विद्युत)

आहार पदार्थों को साधारणतया कई प्रकार से सहेज कर रखा जा सकता है। इसके लिए हम शीतल क्षेत्र या विद्युत फ्रिज का उपयोग तो करते ही हैं। फ्रिज अधिक खर्चीला है। इसमें बिजली भी खर्च होती है। फ्रिज के उपयोग के समय बिजली बचाने के लिए सावधानी बरतने की ज़रूरत है। हमें फ्रिज को चित्र में दिखाये जैसा खुला नहीं रखना चाहिए। हमें इसका दरवाज़ा तुरंत बंद कर देना चाहिए।

SCERT TELANGANA

फ्रिज खरीदते समय उसपर '5 स्टार पावर सेविंग' चिह्न देखकर खरीदना उचित है। इस चिह्न वाली फ्रिज में विद्युत की खपत कम होती है।

10.6. भोजन व्यर्थ करना

इस चित्र को देखिए। इसमें व्यर्थ में छोड़ा गया भोजन दिखाया गया है। इस तरह के दृश्य हम दावतों में देखते ही रहते हैं। निम्न प्रश्न पढ़कर उनपर अपने मित्रों से चर्चा कीजिए।

समूह में चर्चा कीजिए।

- दावतों में कौन-कौन से पकवान पकाये जाते हैं?
- क्या दावतों में भोजन व्यर्थ होता है? ऐसा क्यों होता है? इससे क्या हानि है?
- दावतों में खाने के लिए किस प्रकार की प्लास्टिक सामग्री प्रयोग में लाई जाती हैं?
- भोजन व्यर्थ न हो, इसके लिए क्या करना चाहिए?
- प्राचीन काल में लोग केले व कमल के पत्तों पर खाते थे। आजकल उनका प्रयोग क्यों कम हो गया है?
- भोजन फेंकने, प्लास्टिक थालियों व ग्लासों के प्रयोग से क्या हानि है?

SCERT

सामान्यतः विवाह आदि के अवसर पर मिलजुलकर भोजन करने की प्रथा है। ऐसे अवसरों पर लोगों में मेलजोल बढ़ता है। उस दिन सभी लोग मिलते हैं। अनेक विषयों पर बातें चर्चा होती है। सुख दुख बाँट लिया जाता है। परस्पर संबन्ध दृढ़ होते हैं।

विवाह आदि अवसरों पर विशेष पकवान होते हैं। आवश्यकता से अधिक लेते हैं, उन्हें नहीं खा पाते और बचा हुआ फ़ेंक देते हैं। ऐसे संदर्भों में ऐसा बहुत होता है। धोने और पीने का पानी भी बहुत वर्य्थ होता है। पिकनिक, फ़ंक्शनों में प्लास्टिक के बरतन और ग्लासों का उपयोग होता है। इन के उपयोग से कम मात्रा में ही सही थोडा प्लास्टिक हमारे पेट में जाता है। यह शरीर के लिए हानिकारक है। प्लास्टिक को मिट्टी में मिलजाने के लिए लाखों वर्ष का समय लगता है। भूमि प्रदूषण बढ़ता है। धरती को तर रखने वाली किटाणु के लिए ये रुकावट बनते हैं। बरतन, ग्लास आदि को जलाने से निकलने वाली रसायन से वातावरण प्रदूषण बढ़ता है।

सोचिए...

- प्लास्टिक बरतन, ग्लास के स्थान पर किनका उपयोग करना श्रेष्ट होगा?
- सामूहिक भोजन के समय भोजन सामग्री,पानी को व्यर्थ होने से बचाने के लिए क्या उपाय हैं?

बरगद, महुआ, पलास के पत्तों से पत्तल बनाये जाते हैं। इसमें भोजन खाने की प्राचीन प्रथा है। पत्तल जल्दी से मिट्टी में मिलजाते हैं। ये पर्यावरण की रक्षा करते हैं पर प्लास्टिक के बरतन हमारे स्वास्थ के लिए हानिकारक हैं। वे पर्यावरण में प्रदूषण बढ़ाते हैं।

SCERT TELANGANA

सोचिए...

- क्या आपने कभी पत्तल देखा है? कहाँ?
- वे किस से वनाये जाते हैं?

10.7. घरों में भोजन सामग्री का व्यर्थ होना

आप ने जान लिया है कि दावत, मध्यान भोजन में भोजन सामग्री को कैसे व्यर्थ किया जाता है। क्या घरों में भी भोजन सामग्री व्यर्थ होती है ?

आवश्यकता से अधिक पका कर बचाहुआ फ़ेंक देने से भोजन सामग्री व्यर्थ होती है। कुछ लोग खाते समय अपने आस पास गिरा देने से भी भोजन सामग्री व्यर्थ होती है।

चावल, दाल, फल्ली, चना, आदि में कीटाणु आते हैं। सहेजे गए अनाज को चूहे और विभिन्न कीटाणु खराब करते हैं। चावल, दाल के थैलों व डिब्बों में नीम का पत्ता डालकर रखने से कुछ हदतक कीटाणुओं का निवारण किया जा सकता है। चीनी, गुड़ जैसी मीठी चीज़ों को चींटियाँ लग जाती हैं।

कीटाणु द्वारा खराब अनाज, खराब भोजन सामग्री फ़ेंकते समय क्या आपको खेद होता है? क्यों?

जानते हो कि भोजन सामग्री कहाँ से उपलब्ध होती है?

समूह में चर्चा कीजिए

- हम चावल, दाल, अन्य किराणा सामग्री कहाँ से लाते हैं?
- सब्जी, फल कहाँ से खरीदते हैं? इन्हें कौन उपजाते हैं?
- मार्केट में सब्जी, फल और अनाज के दाने कहाँ से आते हैं?
- इन्हें उपजाने में किन-किन का श्रम छिपा हैं?

SCERT TELANGANA

निम्न चित्र देखिए। हमारा भोजन अनाज से मिलता है। चित्र देखकर बताइए कि इसके पीछे कितना श्रम छिपा है।

कृषि संसाधन तैयार करलेना

फ़सल को पानी देना

उगे हुये अनाज को लाना

अनाज बाज़ार में बेचना

अनाज दूकान से खरीदना

अनेक लोगों के श्रम से बना भोजन खाना

SCERT TELANGANA

जो भोजन हम खाते हैं वह हम तक बड़ी मेहनत से पहुँचता है। इसमें किसान, मजदूर, लोहार, व्यापारी अनेक लोगों की मेहनत लगी होती है। अनेक लोगों के श्रम द्वारा फल, सब्जियाँ, अनाज आदि आहार सामग्री हमारे घरों तक पहुँचती है। किसान इसकी बोवाई, देखभाल, कटाई आदि करने के बाद पैदावार बाज़ार में भेजते हैं। बाज़ारों व दुकानों से होते हुए यह सामग्री हमारे घरों तक पहुँचती है। उनकी यह मेहनत बेकार न जाये इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि भोजन व्यर्थ न किया जाये। हमें यह आहार सामग्री सहेज कर रखते समय उन्हें कीड़े, चूहों आदि से बचाने का उचित प्रबंध कर लेना चाहिए। अधिक भोजन पकाना और उसे फेंकने से हमें बचना चाहिए।

मुख्य शब्द:

1. सामूहिक भोजन	5. श्रमिक	9. किसान
2. व्यर्थ	6. कृषक	10. अनाज के दाने
3. कीटाणु	7. कृषि मज़दूर	11. श्रम
4. सूक्ष्म जीव	8. कृषि संसाधन	12. पर्यावरण

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) बताइए कि सामूहिक भोजन कब और क्यों खाते हैं?

आ) प्लास्टिक के बरतन, ग्लास का उपयोग क्यों नहीं करना चाहिए?

इ) अच्छी स्वास्थ्य की आदतें क्या हैं? बताइए।

ई) आप में अच्छी स्वास्थ्य की आदतें कौनसी हैं? लिखिए।

उ) भोजन किस समय व्यर्थ होता है?

ऊ) भोजन क्यों नहीं व्यर्थ करना चाहिए?

ऋ) खाद्य पदार्थों को किस तरह सहेजकर रखते हैं? हमारे भोजन के पीछे किन-किन का श्रम है?

2. प्रश्न करना - परिकल्पना करना

अ) पाठशालाओं में मध्याह्न भोजन दिया जा रहा है। कविता चाहती हैं की ये भोजन और भी अच्छा हो। इस पर प्रधानाध्यापक से कुछ प्रश्न पूछिए। यदि आप हो तो कौनसे प्रश्न पूछेंगे।

आ) भोजन सामग्री खराब होने के क्या कारण हो सकते हैं? इसे सुरक्षित रखने के लिए क्या करना चाहिए?

SCERT TELANGANA

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र निरीक्षण

अ) पत्तल की तैयारी को क्रमानुसार लिखिए।

आ) कुछ सब्जियों को गीले कपड़े से बाँधकर, कुछ बाहर, कुछ जनता फ्रिज में रखिए। तीन दिन बाद देखिए। अपना निरीक्षण का विवरण दीजिए। इन में कौनसी सब्जी ताज़ी होती है।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

अ) किसी दावत में जाकर वहाँ भोजन सामग्री किस प्रकार व्यर्थ हो रही है लिखिए। ऐसा न हो इसके लिए किन नियमों का पालन किया जा सकता है एक सूची बनाइए।

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) मिट्टी के पात्रों से जनता फ्रिज बनाकर कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

आ) पत्तों को एकत्र करके पत्तल बना कर पाठशाला लाइए। प्रदर्शित कीजिए।

इ) जनता फ्रिज का चित्र बनाइए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबधी जागरूकता

अ) हमारे भोजन के पीछे अनेक लोगों का श्रम छिपा है। उनकी प्रशंसा करते हुए लिखिए।

आ) सामूहिक भोजन, वन भोजन क्यों किया जाता है? इस पर अपने अनुभव लिखिए।

इ) अपने घर भोजन सामग्री खराब व व्यर्थ होने से बचाने के लिए आप क्या करते हो?

ई) प्रति दिन आप किन स्वस्थ्य के नियमों का पालन करते हो? लिखिए।

क्या मैं यह कर सकता हूँ?

1.	भोजन व्यर्थ न करना व अच्छे भोजन की आदतों के बारे में विवरण दे सकता हूँ।	हाँ / ना
2.	मध्याह्न भोजन के प्रति प्रधानाध्यापक से प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / ना
3.	सब्जी सहेज कर रखने का प्रयोग कर सकता हूँ।	हाँ / ना
4.	अपने भोजन की पीछे कितने लोगों का श्रम है, हमारे राज्य में उपजाने वाली फ़सलों की तालिका बता सकता हूँ।	हाँ / ना

SCERT TELANGANA

11 गाँव से दिल्ली तक
(From Village to Delhi)

रविप्रकाश बहुत खुश हो रहा है। उसके द्वारा चित्रित 'बैलगाड़ी पर जाते हुए ग्रामीण' चित्र को इनाम आया। बाल दिवस के दिन दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में इनाम लेने अपने मामा वेणुगोपाल के साथ वह दिल्ली जा रहा है। नवंबर १० तारीख के दिन अपने गांव तांडूर से दिल्ली जाने के लिए तैयार हुआ।

11.1. बस में यात्रा

रविप्रकाश पहली बार हैदराबाद जा रहा है। हैदराबाद जाने वाली बस एक बस स्टैंड में है। रविप्रकाश ने पूछा 'इस बस में चलेंगे मामा जी?' वेणुगोपाल ने कहा कि ये साधारण बस है। इसको 'पल्ले वेलुगु' बस भी कहते हैं। एक्सप्रेस बस में जायेंगे। रविप्रकाश ने पूछा, 'इस बस में क्यों नहीं? एक्सप्रेस बस में जाने के लिए वेणुगोपाल ने क्यों कहा?

समूह में चर्चा कीजिए-

- साधारण बस और एक्सप्रेस बस के बीच अंतर लिखिए।
- बसें और किस-किस प्रकार की होती हैं? मालूम करके लिखिए।
- बस टिकट पर क्या-क्या विवरण होते हैं?

क्या तुम्हें पता है?

बसों में अब मशीन द्वारा टिकट दे रहे हैं। इन्हें 'टिम्स' (टिकेट इश्यूइंग मेशीन सिस्टम) कहते हैं। टिकट फाड़कर, पंच करके देने की कठिनाई इसमें नहीं है।

SCERT TELANGANA

11.1.1. छुट्टे पैसों की समस्या-

एक स्टेशन पर बस रुकी। बहुत सारे लोग बस से उतरे। कुछ लोग बस में चढ़े, कोट पहने, टाई बांधे हुए एक व्यक्ति ने टिकट के लिए पाँच सौ रुपये का नोट कंडक्टर को दिया। कंडक्टर ने कहा कि छुट्टा चाहिए। उसने कहा कि छुट्टा नहीं है। छुट्टे के लिए बस में लिखे गए वाक्य रविप्रकाश ने पढ़ा। वह वाक्य क्या हैं, आप भी पढ़िए-

टिकट के समान छुट्टा देकर कंडक्टर की सहायता करें

सोचिए...

- टिकट के लिए उपयुक्त छुट्टा क्यों ले जाना चाहिए?
- बस में और कौनसी सूचनाएँ लिखी रहती हैं? देखकर अपनी पुस्तिका में लिखिए।

क्या तुम्हें मालूम है?

हमारे राज्य में 'तेलंगाना राज्य मार्ग परिवहन संगठन' बसें चलाती है। पल्ले वेलुगु, एक्सप्रेस, डीलक्स, लग्जरी, सूपर लग्जरी, गरुड़, इंद्र, जैसे कई प्रकार की बसें चला रहे हैं। बसों में यात्रा करने के लिए पहले टिकट प्राप्त करने आरक्षण सुविधा भी उपलब्ध है। ऑन लाइन बुकिंग सुविधा भी है। वनिता कार्ड, क्याट कार्ड धारकों को यात्रा दर में दस प्रतिशत छूट मिलती है। दिव्यांग लोगों को भी रियायत की सुविधा है।

बस जा रही है। बस के जाते समय खिड़की से देखने पर विचित्र सा लगा। ऐसा लगा कि सीटें भी भाग रही हैं। बाद में बस स्टॉप पर दो व्यक्ति आए और सबके पास के टिकटों की जांच की।

सोचिए...

- आप यात्रा करते समय क्या कभी जाँच हुई?
- बिना टिकट के यात्रा करने पर क्या करते हैं?
- बस में जाते समय और क्या-क्या नहीं करना चाहिए, बताइए?

क्या तुम्हें मालूम है?

बिना टिकट के यात्रा करना अपराध है। उसके लिए पाँच सौ रुपये तक जुर्माना या छह महीने की जेल की सजा या दोनों सजाएँ हो सकती हैं।

SCERT TELANGANA

बस में सबके पास टिकट है या नहीं जांच करके वो उतर गए। बस फिर से चलने लगी। मैंने खिड़की से हाथ बाहर रखा। इतने में कंडक्टर ने यह देखकर कहा कि हाथ बाहर मत रखो।

11.1.2. ट्राफिक सिग्नल

हैदराबाद बस स्टेशन में बस रुकी। रविप्रकाश वेणुगोपाल दोनों आटो में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुए। रास्ते में लाल बत्ती दिखाई देने पर आटो का रुकना, ऑरेंज बत्ती दिखाई देने पर आटो चालू करना, हरी बत्ती के दिखाई देने पर आटो का आगे चलना रविप्रकाश ने इन बातों पर ध्यान दिया।

आटो के रुकने पर रास्ते पर खींचे गए सफेद पट्टियों पर से आदमियों का एक ओर से दूसरी ओर जाना, सफेद पोषाक पहना हुआ पुलिस सबको सहायता करता हुआ दिखाई दिया। इन सफेद पट्टियों को 'जीब्रा क्रॉसिंग' कहते हैं। कुछ स्थानों पर स्पीड ब्रेक के कारण आटो धीमी गति से गया।

समूहों में चर्चा कीजिए-

- ट्राफिक सिग्नल न हों तो क्या होगा?
- गांवों में ट्राफिक सिग्नल क्यों नहीं रहते?
- ट्राफिक क्यों रुक जाती है?
- सड़क पर चलते समय किन नियमों का पालन करना चाहिए?

सोचिए...

चित्र देखिए। क्या इस तरह यात्रा कर सकते हैं? क्या होगा?

सोचिए। किन नियमों का पालन करना चाहिए।

SCERT TELANGANA

वाहन चलाते समय नियमपालन

- सेल फोन में बातचीत करते हुए वाहन नहीं चलाना चाहिए।
- दो पहिया गाड़ी चलाते समय हेलमेट जरूर धारण करें।
- मोटरकार जेसे वाहन चालक सामने की सीट पर बैठने वाले जरूर सीट बेल्ट बांध लें।
- इयरफोन में गाने सुनते हुए वाहन नहीं चलाना चाहिए।
- सीमित संख्या में ज्यादा लोग वाहन में यात्रा नहीं करना चाहिए।
- सामने वाली वाहन की सूचना के बिना पार नहीं करना चाहिए।
- पीछे आने वाले वाहनों को सूचना दिए बिना दाएँ-बाएँ नहीं जाना चाहिए।
- सड़क नियमों का पालन करें। सिग्नल के आधार पर यात्रा करें।
- सीमित रफ्तार में जाने पर वाहन नियंत्रण में रहता है। दुर्घटनाओं से बच सकते हैं।

सोचिए...

नगरों में सिग्नल न हों तो चौराहों पर परिस्थिति कैसी रहेगी? सोचकर लिखिए।

वाहनों से जाने वाले सड़क पर पैदल जाने वाले सभी सड़क नियमों का पालन करना चाहिए। उसके द्वारा दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। पाठशाला जाने वाले बच्चे, छोटे बच्चे सड़क पार करते समय बड़ों का हाथ पकड़कर पार करना चाहिए। सड़क पर वाहनों के आते समय जहाँ-तहाँ से पार नहीं करना चाहिए। 'जिब्रा कॉसिंग' की पट्टियों के पास ही पार करना चाहिए। आवश्यक हो तो ट्राफिक पुलिस की सहायता लेनी चाहिए।

11.3. रेल में यात्रा

दिल्ली जाने के लिए सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पहुंच गए। रविप्रकाश पहली बार रेल यात्रा कर रहा है। इसलिए वह रेलवे स्टेशन के परिसर को आसक्ति से देख रहा है। उनके रेलवे स्टेशन पहुंचने के आधे घंटे बाद दिल्ली जाने वाली रेल प्लेटफॉर्म पर आ रही है, वाली सूचना सुनाई दी।

© SCERT TELANGANA

रेल प्लेटफार्म पर आते ही डिब्बे को देखकर हमारी सीट के पास पहुंच गए। मुझसे बड़ी आयु के दो लड़के एक लड़की हमारी सीट के सामने वाली सीट पर बैठे हैं।

कुछ देर बाद रेल रवाना हुई। काला कोट पहना हुआ एक व्यक्ति इनके बैठे हुए स्थान पर आया। रविप्रकाश सामने बैठे हुए लोग उसको टिकट बातते हुए देखकर उस व्यक्ति को टिकट निरीक्षक के रूप में पहचान लिया। उसी को टिकट कलेक्टर (टी.सी.) कहते हैं।

वेणुगोपाल ने उसको टिकट दिखाया। रविप्रकाश को संदेह हुआ कि बस टिकट लेते हुए देखा है। लेकिन रेल टिकट कब लिया है। इसी बात को मामा जी से पूछा। वेणुगोपाल पहले टिकट कैसे प्राप्त कर सकते हैं विधि बताते हुए टिकट बताया।

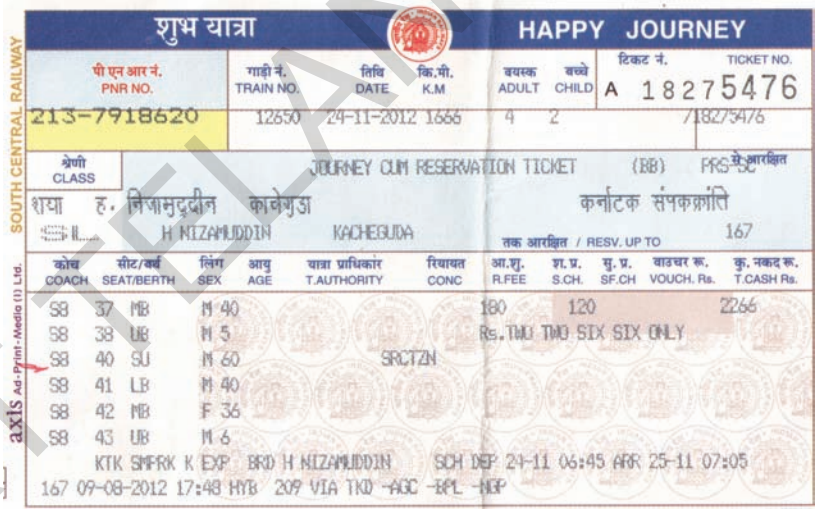

SOUTH CENTRAL RAILWAY

शुभ यात्रा HAPPY JOURNEY

पी एन आर नं. PNR NO. 213-7918620

गाड़ी नं. TRAIN NO. 12650 | तिथि DATE 24-11-2012 | कि.मी. K.M 1666 | वयस्क ADULT 4 | बच्चे CHILD 2

टिकट नं. TICKET NO. A 18275476 / 718275476

श्रेणी CLASS JOURNEY CUM RESERVATION TICKET (BB) PRS-SC से आरक्षित

शया ह. निजामुद्दीन काचेगुडा कर्नाटक संपकक्रांति

SL H NIZAMUDDIN KACHEGUDA तक आरक्षित / RESV. UP TO 167

कोच COACH	सीट/बर्थ SEAT/BERTH		लिंग SEX	आयु AGE	यात्रा प्राधिकार T.AUTHORITY	रियायत CONC	आ.शु. R.FEE	श.प्र. S.CH.	सु.प्र. SF.CH	वाउचर रू. VOUCH. Rs.	कु. नकद रू. T.CASH Rs.
S8	37	MB	M	40			180	120			2266
S8	38	UB	M	5							
S8	40	SU	M	60		SRCTZN					
S8	41	LB	M	40							
S8	42	MB	F	36							
S8	43	UB	M	6							

Rs.TWO TWO SIX SIX ONLY

KTK SMPRK K EXP BRD H NIZAMUDDIN SCH DEP 24-11 06:45 ARR 25-11 07:05

167 09-08-2012 17:48 HYB 209 VIA TKD -AGC -BPL -NGP

axis Ad-Print-Media (I) Ltd.

समूह में चचा कीजिए-

- रेल टिकट, बस टिकट में क्या भेद है।

अपने देश में सभी राज्यों को मिलाते हुए रेल मार्ग हैं। अपने राज्य से जाने वाली रेलों का निर्वाह दक्षिण मध्य रेलवे संस्था देखती है। जिस तरह हमारे नाम है, उसी तरह हर एक रेल का एक नाम होता है। तेलंगाना एक्सप्रेस, काकतीय एक्सप्रेस, सिंगरेणी एक्सप्रेस, बेंगलूर एक्सप्रेस, इंटरसिटि एक्सप्रेस, राजधानी, तुंगभद्रा एक्सप्रेस। इस तरह नाम होते हैं। पहले सीट पाने के लिए कंप्यूटर के द्वारा ऑनलाइन पद्धति से टिकट देते हैं। तत्काल द्वारा भी उसी समय टिकट देते हैं। वृद्धों, दिव्यांगों के लिए रियायती सुविधा है।

SCERT TELANGANA

11.3.1. विविध प्रकार की वेशभूषा-भाषाएँ

रविप्रकाश ने रेल डिब्बे में बैठे लोगों को ध्यान से देखा। वे सब विभिन्न प्रकार के कपड़े पहने हुए हैं। कुछ प्रकार के कपड़ों को उसने कभी नहीं देखा। विभिन्न भाषाओं में वार्तालाप कर रहे हैं। बस में जितने लोग दिखाई दिए हैं, उनसे कहीं ज्यादा अनेक प्रकार के आदमी, विभिन्न वेषभूषा में विभिन्न भाषाओं में बात करने वाले दिखाई दिए।

रविप्रकाश हर स्टेशन में विभिन्न भाषाओं में सूचनाएं सुना। रेल रुकने वाले हर स्टेशन में विभिन्न भाषाओं में उस प्राँत का नाम देखा। रेल में भी विभिन्न भाषाओं में लिखा हुआ उसने देखा।

सोचिए...

रेलवे स्टेशन में किन -किन भाषाओं में घोषणाएं होती हैं? क्यों?

रेल में सूचनाएं विभिन्न भाषाओं में क्यों लिखते हैं? बताइए।

11.3.2. रेल में भोजन

महाराष्ट्र के नागपूर स्टेशन पार करने के बाद भोजन आया । रविप्रकाश को समझ में नहीं आया की रेल में भोजन कहाँ से आया। वेणुगोपाल ने बताये की रेल के किसी एक डिब्बे में भोजन बनाया जाता है और लोगों की माँग पर यात्रियों से पहले ही पैसे लेकर भोजन दिया जाता है । रविप्रकाश को वह भोजन पसंद नहीं आया ।

भोजन के बाद अपने हाथ धोने के लिए वॉश बेसिन के पास पहुँचा । वह सोचा कि रेल में अनेक सुविधाएँ होती है ।

भोजन रुचिकर न होने के कारण रवि ने फल, समोसे और मूँगफली, खरीदा । वह देहा की प्लैटफार्म पर विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ भेजे जा रहे थे । खाने के बाद व्यर्थ पदार्थ रेल्वे के कुड़ेदान में डाल दिया ।

समूहों में चर्चा कीजिए-

- रविप्रकाश को खाने की वस्तुएं क्यों पसंद नहीं आई?
- रविप्रकाश के प्रांत के लोग खाने वाले खाद्य पदार्थ न होकर दूसरे पदार्थ क्यों हैं?
- आप ने यात्रा करते समय क्या-क्या खाया?
- यात्रा में आप खाद्य पदार्थ साथ ले जाते हैं? क्यों?

SCERT TELANGANA

रेल विभिन्न राज्यों से होती हुई यात्रा करती है। विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों से परिचय कराती है। रेलों में सभी प्रकार की भाषाएं बोलने वाले यात्रा करते रहते हैं। इसलिए रेल राष्ट्रीय एकता की घोषणा करती है।

11.3.3. रेल में सफाई

रेल चल रही है। रेल में कुछ लोग मूंगफली खा रहे हैं और कुछ लोग केले, मौसमी खा रहे हैं। उसके छिलके आदि वहीं पर डाल रहे हैं। यह रवि को पसंद नहीं आया। उसने समझा कि ये सब कचरे के डिब्बे में फेंक सकते हैं न।

समूह में चर्चा कीजिए-

- रेल में खाने के बाद फलों के छिलके, कचरा आदि का क्या करना चाहिए। कहां फेंकना चाहिए?
- रेल की खिड़की से हाथ धोने पर क्या होगा?
- शौचालय का प्रयोग करने के बाद पानी ज्यादा न डालने पर क्या होगा?
- कहते हैं कि रेल खड़ी रहने पर शौचालय का उपयोग न करें? क्यों?

11.3.4. रेल सिग्नल

दूसरे दिन सुबह विनोद ने बगल की सीट पर बैठी लड़की का रविप्रकाश से परिचय करवाया। उसका नाम अनीता है। कहा कि हम जिस कार्यक्रम में जा रहे हैं वह भी आ रही है। एक जगह रेल बहुत दूर रुकी। रविप्रकाश ने पूछा कि क्यों रुकी है। अनीता ने कहा लाल बत्ती जली है। रविप्रकाश ने पूछा कि क्या रेल को भी सिग्नल होते हैं?

रेल सड़क पार करते समय रेल पटरियों की दोनों ओर गेट पड़े रहने को अनीता ने बताया। अनीता ने कहा रेल के जाने के बाद गेट उठाकर वाहनों को भिजाया जाता है। हरी बत्ती के जलते ही रेल चलने लगी।

सोचिए...

- रेल को सिग्नल क्यों रहते हैं?
- रेलवे गेट क्यों डालते हैं?

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए-

- रेलवे गेट डालने पर क्यों पार नहीं करना चाहिए? किस तरह की सावधानी लेनी चाहिए?
- रेल में दरवाजे के पास क्यों खड़ा नहीं होना चाहिए?
- रेल यात्रा में और कौनसी सावधानी रखनी चाहिए?
- यात्रा में कम सामान क्यों ले जाना चाहिए?
- रेल को आपात स्थिति में रोकने के लिए किस प्रकार की सुविधा होती है?

रेल के दरवाजे में खड़े रहने से उतरने, चढ़ने वालों के लिए असुविधाजनक रहता है। हाथ छूटने पर रेल की पटरियों पर गिरने का संकट बना रहता है। रेल दिन भर विभिन्न प्रांतों से यात्रा करती है। खिड़की से बाहर देखने पर पहाड़, जंगल, नदियां, खेत, पुल, टन्नेल्स, फसल रहित खेत, रेतीली जमीन दिखाई देती है।

रेल की यात्रा में और एक दिन बीता। वेणुगोपाल ने कहा कि दिल्ली पहुंच गए हैं। बाल दिवस समारोह कार्यक्रम में भाग लेकर उस प्रतियोगिता में इनाम पाया। वापसी यात्रा विमान से करने की अनुमति दी गई। इस तरह विमान यात्रा के मिलने से वह बहुत खुश हुआ।

रविप्रकाश ने विमान यात्रा के बारे में क्या बताया होगा? सोंचकर लिखिए।

मुख्य शब्द-

1. बस यात्रा
2. टिकट की जाँच
3. ट्राफिक सिग्नल
4. रेल यात्रा
5. रेल प्लेटफॉर्म
6. रेल डिब्बा, बर्थ
7. रेल में स्वच्छता
8. रेल सिग्नल
9. रेलवे गेट

SCERT TELANGANA

हमने क्या सीखा?

1 . विषय की समझ

क) यात्रा में क्या सावधानियाँ लेनी चाहिए?

ख) बस में क्या-क्या सूचनाएँ लिखी रहती हैं?

ग) रेलवे गेट डालने पर सड़क पार नहीं करनी चाहिए, क्यों?

घ) वाहन चलाते समय किन नियमों का पालन करना चाहिए?

च) रेल यात्रा, बस यात्रा में क्या अंतर है?

छ) दूर प्राँतों को जाने के लिए अधिकतर रेल यात्रा क्यों करते हैं?

ज) सिग्नल व्यवस्था न हो तो क्या होगा?

2. प्रश्न करना - अनुमान लगाना

- बस स्टेशन या रेलवे स्टेशन में पूछताछ केंद्र रहते हैं। हम किसी यात्रा से संबंधित विवरण जानना चाहें, तो उनसे पूछकर जान सकते हैं। आप रेल में दिल्ली जाने के लिए विवरण जानने के लिए कौन-कौनसे प्रश्न पूछेंगे।

3. प्रायोगिक कार्य -क्षेत्र परीक्षण

- आपके निकट के बस स्टेशन/रेलवे स्टेशन जाकर निरीक्षण कीजिए। आपने क्या-क्या देखा लिखिए। स्टेशन का नाम, शौचालय, मूत्रशालाएँ हैं? यात्रियों के लिए सुविधाएँ हैं? यात्रियों के लिए गाड़ियों के आने-जाने का विवरण बताने वाले सूचना बोर्ड हैं? आदि विवरण देखकर लिखिए।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

- समाचार पत्र देखिए। आपके करीबी रेलवे स्टेशन से किन प्राँतों को रेल में यात्रा कर सकते हैं, विवरण एकत्र करें। (रेलों का नाम, जाने वाले प्राँत का नाम, आयात समय, निर्यात समय)

रेल का नाम	प्रस्थान स्थान	गम्य स्थान	स्टेशन को आगमन का समय	प्रस्थान का समय

- रेल आरक्षण फार्म लेकर भरें । अपने अध्यापक को बताएँ ।

SCERT TELANGANA

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) तेलंगाना के मानचित्र में अपने राज्य के प्रमुख रेलवे जंक्शन दर्शाएँ।

आ) गत्ते या कागज से रेल/बस के नमूने तैयार करके प्रदर्शित करें।

इ) आपके गाँव से दिल्ली जाने के लिए बस रेल में यात्रा करने पर किन नगरों से होकर जाना पड़ता है। मानचित्र देखकर बताइए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव-विविधता सह्बह्धी जागरूकता

अ) यात्रा करते समय कौनसी सावधानी रखनी चाहिए।

आ) तुम रेल यात्रा करके आते हो। उस अनुभव से रेल यात्रा में कौन-कौनसी सावधानी रखनी चाहिए, अपने मित्रों को बताओगे।

इ) रेल में जिम्मेदार यात्रियों की तरह हमें व्यवहार करना चाहिए। स्वच्छता बनाए रखें। इसके लिए तुम क्या करोगे?

ई) हम यात्रा करते समय सह-यात्रियों से कैसा व्यवहार करें? वृद्धों, महिलाओं, हमसे छोटे बच्चों की तुम किस प्रकार सहायता करोगे?

मैं यह कर सकता हूँ?

1.	रेल, बस यात्रा के विवरण, सावधानियों का वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	यात्रा से संबंधित विवरण मालूम करने प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	बस/रेलवे स्टेशन की सुविधाओं के विवरण निरीक्षण करके लिख सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	रेलवे स्टेशन में आने वाली रेलगाड़ियों के विवरण, आगमन-प्रस्थान के विवरणों से तालिका बना सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5.	राज्य के मानचित्र में रेलवे स्टेशन पहचान सकता हूँ।	हाँ/नहीं
6.	यात्रा में जिम्मेदारी से व्यवहार करूंगा, सहयात्रियों की सहायता कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

12 भारत का इतिहास-संस्कृति
(Indian History – Culture)

परिवार के इतिहास के बारे में तीसरी कक्षा में जान लिया है न! परिवार में दादाजी, दादाजी के पिता के बारे में कैसे जानेंगे? अपने बड़े बुजुर्गों से पूछने पर उनके परिवार का इतिहास अर्थात परिवार में कौन-कौन हैं? उस परिवार का नाम और प्रसिद्धि? वह परिवार पहले कहाँ निवास करता था? किस तरह के घरों में रहता था? वे किस तरह के कपड़े पहनते थे? किस तरह का भोजन करते थे? जैसे अनेक विषय हमें मालूम होते हैं। उसी तरह हर गाँव का एक इतिहास होता है। उस गाँव को वह नाम कैसे आया? उस गाँव की क्या विशेषताएँ हैं? पहले जमाने में वह गाँव कैसा था? जैसे अनेक विषय हम बड़ों से जानते रहते हैं। इस तरह गुजरे हुए अनेक विषय इतिहास बताता है।

12.1. प्राचीन इतिहास

आदि काल से मानव का विकास कालक्रम के अनुसार होता चला गया। इस चित्र में मानव विकास के काल क्रम को देखा जा सकता है। इसका निरीक्षण कीजिए। कक्षा में चर्चा कीजिए।

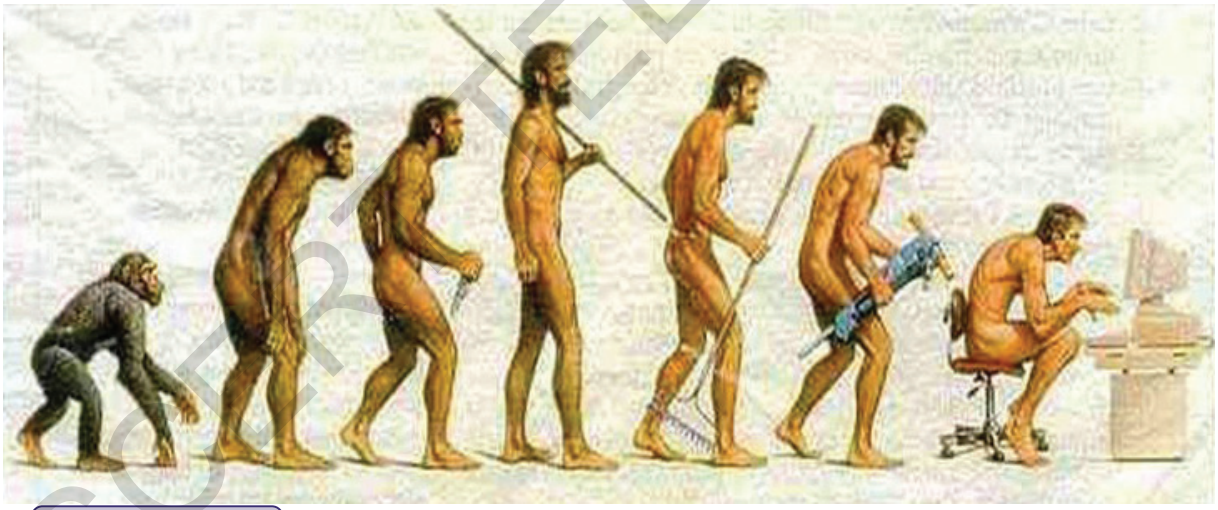

सोचिए...

- ऊपर के चित्र देखने पर तुम्हें कैसा लग रहा है?
- उस समय के, आज के मनुष्यों के बीच क्या अंतर है?

आदिम मानव खानाबदोश थे, यानी वे भोजन और आश्रय की तलाश में झुंड बनाकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते थे। पर्वत की गुफाओं, बड़े पेड़ों के बीच निवास करते थे। जानवरों का शिकार करके कच्चा

SCERT TELANGANA

मांस खाते थे। क्रमशः आग की खोज के कारण भोजन पकाकर खाते थे। कृषि करना आरंभ कर दिए। पशुपालन करने लगे। मिट्टी के पात्र बनाकर भोजन पकाते थे। वे सामग्री मिट्टी के पात्रों में रखते थे। इन मिट्टी के पात्रों का सुंदर अलंकरण करते थे। खाद्य-संग्राहक से खाद्य-उत्पादक की अवस्था तक पहुंच गए। पहिये की भी खोज की। इसके कारण मानव जीवन में अनेक परिवर्तन हुए। किसलिए सोंचिए।

12.2. भारत का इतिहास

परिवार का इतिहास, गांव के इतिहास की तरह भारत का भी एक इतिहास होता है। भारत में प्राचीन काल से घटित अनेक घटनाएं, जनता की जीवनशैली में आए बदलाव के बारे में बताना ही इतिहास है। फिर इतिहास को कैसे जानें? सोचिए।

इतिहास जानने के लिए पुरातत्व विभाग की ओर से कई खुदाइयां होती हैं। हमारे देश को स्वतंत्रता मिलने से पूर्व ब्रिटेन देश के सर जॉन मार्शल ने 1922 में सिंधू नदी के प्रांत में खुदाई की। इससे हड़प्पा संस्कृति प्रकाश में आई। सिंधू घाटी की सभ्यता नगरीय थी। नगरों का निर्माण योजना बद्ध हुआ था। बड़े भवन, सड़कों का निर्माण क्रम पद्धति से हुआ। हड़प्पा के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि था। गेहूं, चावल, बारली मुख्य आहार खेती थी। तांबा, कांसा, शीश, जस्ता धातुओं से विभिन्न प्रकार की वस्तुएं बनाते थे। हड़प्पा के लोग पश्चिम एशिया, मिस्र देशों से व्यापार करते थे। इनका प्रधान बंदरगाह 'लोथल' में था। वे मुख्यतः मातृदेवियों, शिव की पेजा करते थे। वे अपनी भाषा को चित्र-संकेतों में लिखते थे।

सोचिए...

- सभ्यताएं नदियों के किनारों पर ही क्यों विकसित हुई। चर्चा करें, लिखें।
- सिंधू घाटी की सभ्यता की आज की सभ्यता से तुलना कीजिए।

भारत का इतिहास जानने के लिए खुदाइयां ही नहीं, भवन, स्मारक, संग्रहालय, अभिलेख, ग्रंथ उपयोगी होते हैं। प्राचीन काल के अवशेष वस्तुओं का संचय कर एक जगह सुरक्षित रखते हैं। इन्हीं को ऐतिहासिक संग्रहालय कहा जाता है। हैदराबाद का सालारजंग संग्रहालय ऐसा ही है। उसी तरह जनजातीय प्रदर्शनशाला श्रीशैलम में है। इस तरह अपनी संस्कृति परंपराएँ, अपने परंपरागत (वंशानुगत) संपत्ति को जानने में संग्रहालय सहायक हो रहे हैं। ग्रंथ और ग्रंथालय से भी हम इतिहास जान सकते हैं।

हैदराबाद में स्थित सालारजंग वस्तु संग्रहालय

SCERT TELANGANA

समूहों में चर्चा कीजिए-

- संग्रहालयों में जाने पर, संग्रहालयों में क्या-क्या अंश रहते हैं।
- आपके गाँव में संग्रहालय बनाया जाय तो आप उसमें क्या-क्या सुरक्षित रखना चाहेंगे।
- अपने इतिहास को किन विषयों द्वारा जान सकते हैं?
- इतिहास किसे कहते हैं? हमारे पूर्वज कैसा जीवन बिताये हैं? किस तरह जान सकते हैं?

12.3. संस्कृति

हमारे वेश-भूषा, भाषा, त्यौहार, उत्सव, फसलें, खान पान, खेल, गीत आदि संस्कृति को बताने वाले अंश हैं। यदि हम किसी नए स्थान पर जाते हैं तो वहाँ के लोगों की वेश-भूषा और खान-पान अपने जैसा नहीं रहता है। वह उनकी संस्कृति है।

हमारी जीवन शैली, आचार-विचार, दैनिक कार्य, कला, साहित्य आमोद प्रमोद में हमारी संस्कृति दिखाई देती है। बड़ों का आदर करना, दूसरों की सहायता करना, सहायता करने वालों को धन्यवाद कहना, प्रार्थना स्थलों पर प्रार्थना करना ये सब संस्कृति के ही विषय है। पेड़, पक्षी, जानवर, हवा, पानी, अग्नि की आराधना करते हुए हम प्रकृति का आदर करते हैं। 'सभी जीवात्मा समान है' ऐसी भावना से जैव विविधता को महत्व देनेवाली अपनी संस्कृति राष्ट्र के लिए सम्मान सूचक है। विश्वमें भारतीय संस्कृति का विशेष स्थान है, आदर सम्मान है । अपनी अद्‌भुत शिल्पकला से शोभित भवन, प्रार्थनालय, संगीत, नाट्य, चित्रकल, पुराण, इतिहास ये सब हमारी सांस्कृतिक संपत्ति है। हमारी संस्कृति की रक्षा करके आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना है ।

12.4. भारत का इतिहास बताने वाले कुछ स्मारक

अपने देश के इतिहास और संस्कृतियों को बताने वाले स्मारक, प्राचीन अभिलेख, देवालय, स्तूप, भवन, दुर्ग आदि अनेक-अनेक देश में हैं। इनको देखने और वहां के विवरण की जानकारी से इतिहास को समझ सकते हैं। अपने देश के इतिहास से संबंधित कुछ स्मारक देखिए।

सारनाथ स्तूप

अशोक ने सारनाथ स्तूप का निर्माण करवाया। ईंट या पत्थर से बनाया गया मोटे गोल आकार के निर्माण को स्तूप कहते हैं। सारनाथ स्तूप उत्तर प्रदेश राज्य में वाराणासी के निकट सारनाथ में है। यह बहुत प्राचीन स्मारक है।

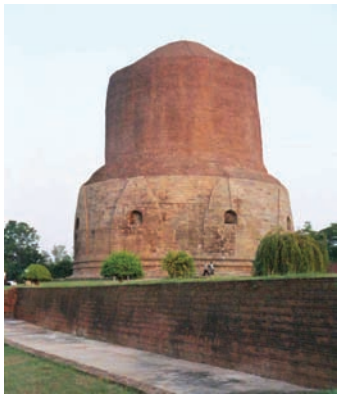

SCERT TELANGANA

अशोक स्तंभ

यह पत्थर का ऊंचा स्तंभ है। इसके सिरे पर चार सिंह बनाए गए थे। अपने सिक्कों पर इसकी मुहर रहती है। चिकने इस शिला स्तंभ में राजस्थानी शिल्प कला दिखाई देती है। वारणासी के निकट चुनार से खोदे गए रेतीले पत्थर से इस सांभ को बनाया गया।

तेलंगाना शहीद स्तूप

यह हैदराबाद में विधान सभा के सामने है। 1969 के तेलंगाना आंदोलन में जो शहीद हुए, उनकी याद में इस स्तूप को बनाकर स्थापित किया गया। यह स्तूप तेलंगाना आंदोलन की चेतना को हमेशा याद दिलाता है।

कुतुब मीनार

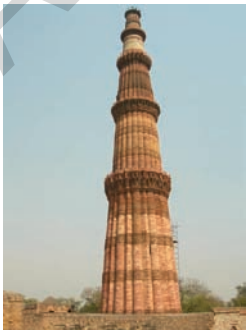

कुतुब मीनार की ऊंचाई 72.5 मीटर है। यह अपने देश की राजधानी दिल्ली महानगर में है। इसका निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने आरंभ किया तो इल्तुतमिश ने पूर्ण किया।

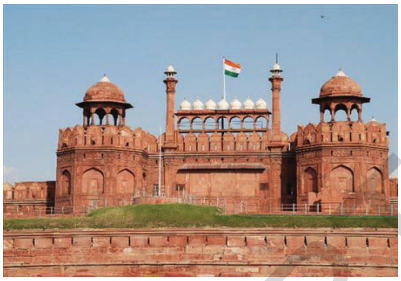

लाल किला

लाल किला अपने देश की राजधानी दिल्ली महानगर में है। आज भी राष्ट्रीय दिवसों में इस पर राष्ट्रीय झंडा लहराते हैं। यह लाल पत्थर से बनाया गया। इसमें फारसी, भारतीय दोनों निर्माण शैलियाँ दिखाई देती हैं।

चारमीनार

चारमीनार अपने राज्य के हैदराबाद महानगर में है। इसकी ऊंचाई 58 मीटर है। इस में चार मीनारें हैं। इसका निर्माण 1591 में हुआ।

हजार खंभा मंदिर

यह अपने राज्य के वरंगल नगर में है। यह काकतीय शासकों के काल का शिवालय है। यह अद्‌भुत शिल्प कला का नमूना है।

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए-

- प्रमुख स्मारकों से हम क्या जान सकते हैं?
- इनसे संबंधित और अधिक जानकारी पुस्तकें पढ़कर संग्रह कीजिए और चर्चा कीजिए।

12.5. भारतीय इतिहास के प्रमुख व्यक्ति

मौर्य...

मौर्य साम्राज्य के संस्थापक चंद्रगुप्त थे। उनका पौत्र अशोक थे। अशोक महानतम शासकों में एक थे। इन्होंने कलिंग युद्ध के बाद दु:खी होकर बौद्ध धर्म स्वीकार किया। अहिंसा मार्ग का उपदेश देते हुए बौद्ध धर्म के प्रसार के लिए प्रयत्न किया। अपने राष्ट्रीय झंडे के बीच का धर्म चक्र अशोक के सारनाथ स्तूप से ही लिया गया है।

Ashoka

गुप्त...

चंद्रगुप्त विक्रमादित्य

ई.पू. 320 में श्रीगुप्त ने गुप्त साम्राज्य की स्थापना की। गुप्त वंश में प्रसिद्ध चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के दरबार में 'नवरत्न' नाम से कविगण रहते थे। इनमें कालिदास महान थे। विश्व-विख्यात एल्लोरा की गुफाएँ इनके काल की हैं। इनके काल में शिल्प कला, चित्रकला का बहुत विकास हुआ।

गणपति देव और रुद्रमा देवी

काकतीय शासकों में गणपति देव और उनकी पुत्री रूद्रमा देवी प्रमुख हैं। इन्होंने सभी तेलुगु भाषियों में एकता स्थापित की। इनके काल में वरंगल का किला, हजार खंभा मंदिर, रामप्पा मंदिर, रामप्पा और पाकाल जैसे जलाशयों का निर्माण हुआ।

रूद्रमा देवी

SCERT TELANGANA

Sri Krishna Devaraya

विजयनगर के राजा...

विजय नगर के राजाओं में श्रीकृष्ण देवराय मुख्य हैं। इन्होंने 1509 से 1529 तक विजयनगर राज्य पर शासन किया। इनके काल में दरबार में 'अष्ट दिग्गज' नामक कविगण रहते थे। वे भी स्वयं कवि थे। इन्होंने आमुक्त मालपदा नामक ग्रंथ की रचना की। 'देश भाषलंदु तेलुगु लेस्सा' (देशी भाषाओं में तेलुगु का महत्व) का नारा इन्होंने ही दिया।

Chatrapati Shivaji

मुग़ल...

अपने देश पर शासन करने वाले मुगल सम्राटों में अकबर प्रमुख है। वे इस्लाम धर्मानुयायी होते हुए भी अन्य धर्मों के प्रति सद्भावना रखते थे। इनके काल में साहित्य एवं प्रशासन का उल्लेखनीय विकास हुआ।

अकबर

मराठा ...

मुगलों से लड़कर मराठा राज्य की स्थापना करने वाले महान वीर थे शिवाजी। इन्होंने ने भी हिंदू धर्मानुयायी होते हुए अन्य धर्मों का आदर करते हुए महान प्रसिद्धि पाई। इन्हीं के काल में तुकाराम, समर्थ रामदास जैसे महान व्यक्ति रहते थे।

निज़ाम शासक ...

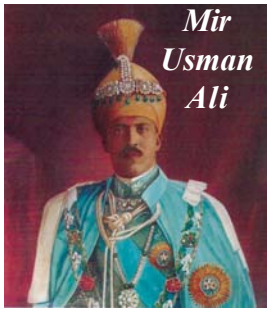

हैदराबाद राज्य पर निज़ाम वंश के शासकों ने शासन किया। वे मुसलमान थे, और दकनी उर्दू में बात-चीत करते थे। इनके राज्य में अधिकतर जनता हिंदू थी, जो तेलुगु, कन्नड़, मराठी बात करते थे। हैदराबाद के अंतिम शासक मीर उस्मान अली खान ने अंग्रेजों के प्रभाव से अपने राज्य में कृषि एवं उद्योगों का विकास किया और अनेक शिक्षा संस्थाओं की स्थापना की है।

निज़ामसागर, अलीसागर जैसे बड़े जल सिंचाई परियोजनाओं को निर्माण किया। 1920 में मूसी नदी पर उस्मानसागर बांध का निर्माण करवाकर, हैदराबाद शहर की जनता को पेयजल की सुविधा उपलब्ध करवाई।

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए-

- आपने देश के कुछ महत्वपूर्ण व्यक्तियों के बारे में जाना है। उनकी महानता क्या है?
- इनके द्वारा हमें क्या सीख मिलती है?

मुख्य शब्द:

1. इतिहास
2. संस्कृति
3. आदिम मानव
4. जीवनशैली
5. सभ्यता
6. देश की संस्कृति
7. साम्राज्य
8. शासक
9. अन्य धर्म के प्रति सद्भावना

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

क) आदिम मानव की जीवनशैली, आज की जीवनशैली में समानताएं-अंतर बताइए।

ख) अपने देश के इतिहास को किन-किन आधारों से जान सकते हैं?

ग) हमारे देश के इतिहास से संबंधित स्मारकों की हमें रक्षा करनी चाहिए। क्यों?

घ) अपने देश और राज्य के कुछ प्रसिद्ध व्यक्तियों के बारे में बताइए। वो महान क्यों हैं?

2. प्रश्न करना - अनुमान लगाना

- किसी एक प्राचीन स्मारक या दुर्ग देखने के लिए जाने पर इतिहास से संबंधित कौनसे विवरण जान सकते हैं? इसके लिए कौनसे प्रश्न पूछोगे।

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र निरीक्षण

- आपके गाँव का इतिहास बताने वाले साक्ष्य क्या-क्या हैं? वहाँ जाकर निरीक्षण कीजिए। उसके विवरण बताइए।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

- पाठ के आधार पर अपने देश के स्मारकों, महान व्यक्तियों की सूची बनाइए।
- काकतीयों के बारे में और जानकारी प्राप्त करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

SCERT TELANGANA

5. मानचित्र निपुणता, चित्र खींचना, नमूना बनाकर भावाभिव्यक्ति-

अ) इस पाठ में कुछ महत्वपूर्ण स्मारकों के बारे में जान लिए हैं ना। इसमें अपने राष्ट्र से संबंधित मानचित्र में दर्शाएं।

आ) अपने देश के कुछ प्रसिद्ध व्यक्तियों में काकतीय, कुतुबशाही अपने राज्य से संबंधित हैं। इनसे संबंधित प्रांतों को तेलंगाना राज्य के मानचित्र में दर्शाएँ।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव-विविधता संबंधी जागरूकता

अ) प्राचीन स्मारकों का हमें संरक्षण करना चाहिए। इसके लिए हम क्या कर सकते हैं? बताइए।

आ) आप किस तरह कह सकते हैं कि हमारे देश की संस्कृति महान है?

इ) अपनी संस्कृति से संबंधित कौनसे अंश तुम्हें अधिक पसंद हैं? उनकी रक्षा के लिए आप क्या करोगे?

ई) अपने देश के महान व्यक्तियों में से किसी एक एकल पात्र अभिनय कर प्रदर्शन करें।

उ) आपके द्वारा देखे गए किसी ऐतिहासिक स्थान के बारे में, अपनी अनुभूति लिखिए।

मैं यह कर सकता हूँ?

1.	अपने देश के इतिहास और संस्कृति का वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	अपने देश के इतिहास को जानने के लिए आवश्यक प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	ग्राम के इतिहास से संबंधित विवरण संग्रह कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	अपने देश के प्रमुख व्यक्तियों की तालिका बना सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5.	अपने देश के प्रमुख स्मारक, व्यक्तियों के विवरण मानचित्र में दर्शा सकता हूँ।	हाँ/नहीं
6.	अपनी संस्कृति से संबंधित स्मारकों की रक्षा के लिए प्रत्यन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं

रामप्पा मंदिर

SCERT TELANGANA